ख़बरों के 67 साल, ख़बरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump.com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें :- jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 20 नवम्बर 2023 | वर्ष -68 | अंक -11 | पृष्ठ -12 | मूल्य - 3.00 रु.

- चुनाव जीतने हिंसा...
- क्यों करें सप्ताह में ... 04
- जो यहूदी संसद में इजरायल के लिए ..
- बाइडन ने नेतन्याहू को मनाया, 5 दिन के ... 09
- अधिक उत्पादन के लिए मटर की उन्नत खेती
- मूली की खेती और उसकी किस्में 11
- कोहली ने पॉंटिंग को...
- ट्रेंट बोल्ड के अंतराष्ट्रीय... 10

सार संक्षेप

खड़गे, सोनिया ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी ने रविवार सुबह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 106वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्री खडगे तथा कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल तथा अन्य नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री की समाधि शक्ति स्थल जाकर उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट कर कहा 'शक्ति, साहस और कुशल नेतृत्व की मिसाल रहीं भारत की आयरन लेडी इंदिरा गांधी जी को आज पूरा देश याद कर रहा है।

हैदराबाद अग्निकांड में मरने वालों की संख्या 10 हुई

हैदराबाद। हैदराबाद के एक अपार्टमेंट परिसर में 13 नवंबर को लगी आग की घटना में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। पुलिस ने बिल्डिंग के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। नामपल्ली पुलिस ने घटना के लगभग एक सप्ताह बाद बाजारघाट में बालाजी रेजीडेंसी के मालिक रमेश कुमा जायसवाल को गिरफ्तार किया। चार मंजिला इमारत के स्टिल्ट फ्लोर में रखे केमिकल ड्रमों में आग लग गई थी, जिसके कारण यह भीषण हादसा हुआ।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई-पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- पुलिस ने ही अपने थाने में चोरी कर डाली।

चुहिया- हां प्रिये- जो पकड़ा गया सो चोर, वरना थानों से जब्ती के बहुत से सामान खुर्द-बुर्द होते रहते हैं।

2035 तक भारत का अपना होगा अंतरिक्ष स्टेशन

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह बोले- 2040 तक चांद पर रखेंगे कदम

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि 2025 में भारत के पूरी तरह से स्वदेशी मानवयुक्त मिशन गगनयान के लांच के बाद 2035 तक देश का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा। 2040 में भारत की चंद्रमा पर कदम रखने की तैयारी है।

एअरोनाटिकल सोसाइटी आफ इंडिया (एईएसआई) के 75 वर्ष पूरा होने के मौके पर आयोजित समारोह में जितेंद्र सिंह ने कहा कि एईएसआई, देश में नवाचार केंद्र और सहयोग का मंच और एयरो स्पेस क्षेत्र के लिए प्रेरणा स्रोत रही है। देश ने पिछले 9-10 सालों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी खासतौर पर विमानन और एयरोस्पेस में काफी प्रगति की। 2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र की संभावनाओं

को खोलने के बाद 2014 में केवल 4-5 की तुलना में वर्तमान में देश में करीब 150 प्रौद्योगिकी (डीप टेक) स्टार्ट-अप कार्य कर रहे हैं।

भविष्य में एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी के लिहाज से भारत और अधिक ऊंचाइयों के लिए तैयार है, क्योंकि सरकार वैज्ञानिकों के प्रति अपने समर्थन को लेकर दृढ़ है। सरकार आगे बढ़ने के लिए जरूरी संसाधन और बुनियादी ढांचा मुहैया करा रही है। हाल ही में शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' पहल से एयरोस्पेस के क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन और नवाचार को प्रोत्साहन मिला है। भारतीय एयरोस्पेस क्षेत्र काफी विकसित हुआ है। एअरोस्पेस और विमानन पर यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन व प्रदर्शनी ज्ञान-साझा करने और सहयोग के प्रति हमारे समर्पण का एक प्रमाण है। उन्होंने अपील की कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता और नवाचार के जरिए भारत को एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी में भारत को अग्रणी बनाने के लिए मिलकर कार्य करें।

क्रिकेट विश्व कप - 2023

आखरी कदम पर भारत की शिकस्त, आस्ट्रेलिया छटवीं बार बना चैंपियन

अहमदाबाद। विश्व कप क्रिकेट 2023 में लगातार 10 मैच जीतकर महामुकाबले में पहुंचे भारत को आखरी कदम पर शिकस्त खाना पड़ी। आस्ट्रेलिया की धारदार गेंदबाजी और फिर धुंआधार बल्लेबाजी के चलते भारत फाइनल में 6 विकेट से हार गया। इसके साथ ही करोड़ों भारतीयों की उम्मीद पर भी पानी फिर गया।

ऑस्ट्रेलिया ने छठी बार यह खिताब हासिल किया। ट्रैविस हेड ने 120 बॉल पर 137 रन बनाए ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टीम इंडिया टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 240 रन पर ऑलआउट हो गई। 241 रन का टारगेट ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने 43 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ट्रैविस हेड ने 137 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि मार्नस लाबुशेन ने नाबाद 58 रन बनाए।

ओडिशा में आदिवासियों की जमीन हस्तांतरण प्रक्रिया का निर्णय स्थगित

गैर अनुसूचित जनजाति व्यक्ति को भी जमीन-मकान बेच सकेंगे

भुवनेश्वर। ओडिशा में आदिवासियों को अपनी जमीन गैर आदिवासियों को भी बेचने की छूट दिए जाने से संबंधित राज्य कैबिनेट के निर्णय को सरकार ने विपक्षी दलों के विरोध को देखते हुए स्थगित कर दिया है।

राजस्व मंत्री सुदाम मरांडी ने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी दी है। चार दिन पहले ओडिशा सरकार द्वारा कैबिनेट की बैठक में लिए गए इस निर्णय का भाजपा, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों समेत कई सामाजिक संगठन विरोध कर रहे थे। उनका तर्क था कि यह नियम लागू होने से आदिवासियों से उनकी जमीन छिन जाएगी और उनकी भूमि पर उद्योगपतियों, धनाढ्यों व दबंग लोगों का कब्जा हो जाएगा।

14 नवंबर को कैबिनेट बैठक में रेगुलेशन- दो 1596 के संशोधन प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी। अब नये निर्णय के बाद गैर अनुसूचित जनताति व्यक्ति को भी जमीन- मकान बेचे जा सकेंगे।

जजों की नियुक्ति में केंद्र का दखल कितना जरूरी ?

कॉलेजियम से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट आज करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। जजों की नियुक्ति और स्थानांतरण के लिए कलेजियम द्वारा अनुशंसित नामों को मंजूरी देने में केंद्र की ओर से देरी के आरोप से संबंधित याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट आज सोमवार को सुनवाई करेगा। जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी।

केंद्र का हस्तक्षेप खलल पैदा करता है- शीर्ष अदालत ने सात नवंबर को याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा था कि- उच्च न्यायपालिका में कॉलेजियम की अनुशंसा वाले न्यायाधीशों की नियुक्ति में केंद्र का रवैया परेशानी पैदा करने

14 शिकायतें सरकार के पास लंबित

वाला है। सुप्रीम कोर्ट ने एक हाई कोर्ट से दूसरे हाई कोर्ट में स्थानांतरण के लिए अनुशंसित नामों के लंबित रहने पर भी चिंता जताई थी। पीठ ने कहा था कि स्थानांतरण मामलों का लंबित रहना बड़ी चिंता का विषय है क्योंकि यह चुनिंदा तरीके से किया गया है। इस पर अटार्नी जनरल का कहना था कि यह मुद्दा उनके द्वारा सरकार के साथ उठाया जा रहा है। शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि 14 सिफारिशें सरकार के पास लंबित हैं जिन पर उसकी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

विश्वकप में सुरक्षा की चूक, 'फ्री फिलिस्तीन' लिखी टी-शर्ट पहनकर मैदान में घुसा युवक

अहमदाबाद, (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के दौरान सुरक्षा में चूक देखी गई।

'फ्री फिलिस्तीन' लिखी टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति मैदान में घुस गया। भारत की पारी के चौदह ओवरों के दौरान कई युवा अप्रत्याशित रूप से पिच पर आ गए और विराट कोहली को गले लगा लिया। अहमदाबाद की अपराध शाखा सहित सुरक्षा बलों ने तुरंत हस्तक्षेप किया, घुसपैठिए को पकड़ लिया और स्टेडियम से हटा दिया। घटना के बाद खुद को ऑस्ट्रेलिया का जॉन बताने वाले व्यक्ति को चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन ले जाया गया। जहां उससे विस्तार से पूछताछ की गई।

उन्नाव में दर्दनाक हादसा

फर्राटा पंखे के करंट से एक साथ चार बच्चों की मौत

उन्नाव। यूपी के उन्नाव में रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। बारासगवर थाना क्षेत्र के लालमनखेड़ा गांव में रविवार शाम लगभग 4 बजे घर के कमरे में रखे पंखे में उतर रहे करंट की चपेट में आने से 4 बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। करंट लगने पर बचाने के फेर में एक के बाद एक बच्चा व बच्चियां चपेट में आ गई थी। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस से जांच पड़ताल की जा रही है।

लालमनखेड़ा गांव के रहने वाले वीरेंद्र कुमार के घर के अंदर एक फर्राटा पंखा लगा हुआ था जिसमे बिजली का करंट आ रहा था। सभी बच्चे घर पर ही थे। माता पिता खेत गए थे। घर पर कोई नही सिर्फ बच्चे ही थे। इसी दरम्यान पास में खेल रहे एक बच्चे ने उसे छू लिया और करंट की चपेट में आकर चीखने लगा। चीख-पुकार सुनकर पास में मौजूद तीन अन्य बच्चे पहुंच गए और जिससे वह भी एक के बाद एक चपेट में आ गए। करंट लगने से चारों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पड़ोसियों की सूचना पर खेत से आनन फानन आये माता-पिता चारों बच्चों को देख पछाड़ खाकर गिर गए। चपेट में आने वाले मयंक (9) हिमांशी (8) हिमांक (6) मानसी (4) है। सभी सगे भाई बहन हैं।

सरकार की आलोचना करने पर हिरासत में नहीं ले सकते

पत्रकार गुल को हाई कोर्ट से राहत

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने कश्मीर बेस्ड पत्रकार सज्जाद अहमद डार (सज्जाद गुल) की हिरासत को रद्द कर दिया है और कहा है कि सरकार का आलोचक होना किसी व्यक्ति को हिरासत में लेने का आधार नहीं है। अदालत ने कहा कि उसे उनके खिलाफ आरोप अस्पष्ट और सामान्य (बिना किसी विशिष्ट उदाहरण के) लगे।

इस तरह कोर्ट से सज्जाद गुल को राहत मिली है। इस मामले में सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने भी अधिकारियों को फटकार लगाई और इस तरह की हिरासत को हिरासत कानून का दुरुपयोग बताया। सज्जाद गुल अपने सोशल मीडिया पोस्ट और बयानों के माध्यम से दुश्मनी को बढ़ावा देने के आरोप में 16 जनवरी, 2022 से जम्मू और कश्मीर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में हैं। अपने फैसले में, अदालत ने कहा, सरकारी तंत्र की नीतियों या आयोगों/चूक के आलोचकों को हिरासत में लेने की प्राधिकारी की ओर से >>शेष पृष्ठ 2 पर

पुलिस बनी चोर, खुद के थाने से चुरा ली 1.97 लाख की शराब और पंखे

पांच पुलिसकर्मी गिरफ्तार

लुनावाड़ा। हम सभी जानते हैं कि चोर को हमेशा पुलिस पकड़ती है, लेकिन जब पुलिस खुद ही चोरी करने लग जाए तो फिर किस पर भरोसा किया जाये। ऐसा हुआ है, गुजरात के महिसागर जिले के एक पुलिस स्टेशन से खुद पुलिसवालों ने ही 1.97 लाख रुपये की जब्त शराब की बोतलें और टेबल पंखे चुरा लिए। मामले की जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने कहा कि इस मामल में एएसआई सहित पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया है।

482 बोतलें और 75 टेबल फैन जब्त किए- पुलिस उपाधीक्षक पीएस वलवी के मुताबिक शराब की बोतलें और पंखे खानपुर तालुका के बकोर थाने में महिलाओं की हवालात में रखे गए थे। आगे बताया कि बकोर पुलिस ने एक व्यक्ति से भारत निर्मित विदेशी शराब की 482 बोतलें और 75 टेबल फैन जब्त किए थे।

आरोपी व्यक्ति पंखों के बक्सों के पीछे छिपाकर गुजरात में शराब की तस्करी करने की कोशिश कर रहा था। चूंकि ऐसी वस्तुओं को रखने के लिए निर्धारित कमरा पूरा भरा हुआ था, इसलिए उन्हें महिला हवालात में रखा गया था। उन्होंने बताया कि हवालात की सफाई के दौरान आईएमएफएल की बोतलों और पंखों के खाली या टूटे हुए डिब्बे मिले।

सीसीटीवी फुटेज से पता चला- एफआईआर में कहा गया है कि सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि एएसआई अरविंद खांट ने 25 अक्टूबर की रात को चोरी की घटना को अंजाम दिया था जब वह पुलिस स्टेशन अधिकारी के रूप में ड्यूटी पर था। इसमें कहा गया है कि फुटेज में खांट को हेड कांस्टेबल ललित परमार के साथ रात करीब 10 बजे लॉक-अप में प्रवेश करता है और कुछ शराब की बोतलें लेकर बाहर आते हुए दिखाया गया है। अरविंद खांट ने कथित तौर पर कुछ देर के लिए सीसीटीवी कैमरे भी बंद कर दिए।

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School
ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ।पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

ईजाद — रिसर्च करने वाली टीम भी देखकर रह गई हैरान

एआई ने बना दिया चलने वाला रोबोट

वॉशिंगटन। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की बदौलत स्क्रिप्ट राइटिंग, वीडियो मेकिंग जैसी कई चीजें आसान हुई हैं। लेकिन अगर हम कहें कि अब एआई से रोबोट भी बनाया जा सकता है तो हैरान न होइए। एआई के क्षेत्र में एक ऐसा प्रयोग हुआ जो अपने आप में काफी रोचक है। अमेरिका के इलिनॉयस में नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक खास एआई प्रोग्राम डिजाइन किया है। इस प्रोग्राम की बदौलत एआई की मदद से रोबोट भी बनाया जा सकता है। रोबोटिक्स के क्षेत्र में इसे बेहद क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है।

शोधकर्ता भी रह गए पूरी तरह हैरान

शोधकर्ताओं ने बेहद आसान टास्क के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। उन्होंने एआई को टास्क दिया कि वह एक ऐसा रोबोट बनाए जो फर्श पर चलता हो। रिसर्चर्स के हैरानी की सीमा उस वक्त नहीं रही जब एआई ने ऐसा रोबोट तैयार भी कर डाला। सिर्फ इतना ही नहीं, रोबोट ने अपने काम को बेहद आसानी और

गति के साथ अंजाम दिया। अपने यू-ट्यूब चैनल पर शेयर किए गए वीडियो में शोधकर्ताओं ने एआई से बनाए गए इस रोबोट को भी दिखाया है। खास बात यह है कि इस रोबोट को बनाने में मात्र 26 सेकंड्स का ही समय लगा।

पर्सनल कंप्यूटर पर भी चल सकता है प्रोग्राम

रोबोट बनाने वाले एआई प्रोग्राम की कुछ खासियतें भी हैं। इसके लिए किसी किसी तगड़े कंप्यूटर की जरूरत नहीं है। यह पर्सनल कंप्यूटर पर भी रन किया जा सकता है। इसके अलावा, रोबोटिक्स की संभावनाओं की सीमा को चुनौती देने में भी यह सक्षम है। यह नई और गैरपरंपरागत डिजाइन बनाने की क्षमता रखता है। रिसर्च टीम के प्रमुख सैम क्रीगमैन ने एक ब्लॉग में लिखा कि जब लोग इस रोबोट को देखेंगे कि इसे एक यूजलेस गैजेट बताएंगे। लेकिन मैं इसे एक खास उत्पाद के जन्म के रूप में देख रहा हूं। एआई समय के साथ रोबाटिक्स के मामले में और बेहतर होते जाएंगे।

देश-विदेश

तेलंगाना में जब्ती का आंकड़ा 625 करोड़ तक पहुंचा

हैदराबाद। विधानसभा चुनाव होने से 10 दिन पहले तक जब्त की गई नकदी, सोना, शराब और मुफ्त वस्तुओं का मूल्य 625 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। प्रवर्तन एजेंसियों ने पिछले 24 घंटों के दौरान 22.46 करोड़ रुपए की नकदी, कीमती धातु, शराब और अन्य सामान जब्त किया, जिससे कुल आंकड़ा 6,25,79,47,333 रुपए हो गया। 2018 के चुनावों में नकदी, शराब और अन्य वस्तुओं की कुल जब्ती केवल 103.89 करोड़ रुपए थी।

उत्तरकाशी सुरंग में फिर ड्रिलिंग शुरू, गडकरी की विशेषज्ञों के साथ बैठक

उत्तरकाशी, (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में सुरंग धंसने से 8 दिन से 41 मजदूर फंसे हैं। सिलक्यारा की ओर से बंद पड़ी ड्रिलिंग रविवार शाम को 50 घंटे बाद फिर से शुरू हो गई है। यहां से खाना अंदर भेजने के लिए एक और छोटा पाइप ड्रिल किया जा रहा है। अब ड्रिलिंग में आ रही रुकावट का पता लगाने के लिए रोबोट की भी मदद ली जाएगी।

पुणे और हॉलैंड से मशीनें मंगाई

इससे पहले रविवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी में विशेषज्ञों के साथ बैठक की और सुरंग के अंदर जाकर बचाव अभियान भी देखा। उन्होंने अंदर फंसे लोगों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें आश्वासन दिया। अंदर फंसे मजदूरों को मल्टी विटामिन, ड्राई फ्रूट्स और एंट्री डिप्रेशन दवाएं दी जा रही हैं। अच्छी बात यह है कि सुरंग के अंदर जहां मजदूर फंसे हैं, वहां बिजली सप्लाई है। इधर, सिल्कयारा सुरंग में ऊपरी सतह से ड्रिलिंग की जानी है। इसके

सुरंग में रुकावट का पता लगाएगा रोबोट आठ दिन से सुरंग में फंसे हैं 41 मजदूर

लिए पुणे और हॉलैंड से मशीनें मंगाई गई हैं। ये मशीन चिल्यानीसौड़ हवाई पट्टी पर एयरलिफ्ट करके लाई जाएगी। यह सिल्कयारा से 50 किलोमीटर दूर है। वहीं, सुरंग को सुरक्षित करने के लिए रेलवे ने रविवार सुबह एक और मशीन ऋषिकेश से मंगवाई है। यह टनल में मलबा गिरने से रोकने का काम करेगी। **12 नवम्बर को फंसे थे मजदूर**×हादसा 12 नवंबर की सुबह 4 बजे हुआ था। सुरंग के प्रवेश द्वार से 200 मीटर अंदर 60 मीटर तक मिट्टी धंसी है।

इसमें 41 मजदूर अंदर फंस गए। अभियान के दौरान सुरंग से और पत्थर गिरने की वजह से मलबा कुल 70 मीटर तक फैल गया है।

जयशंकर बोले- फिलिस्तीनियों की मदद करते रहेंगे

गाजा के लिए रवाना हुआ दूसरा भारतीय विमान

नई दिल्ली। इजरायली बलों और हमास आतंकवादियों के बीच बढ़ते युद्ध के बीच भारत ने रविवार को गाजा पट्टी में मानवीय सहायता की दूसरी खेप भेजी। गाजा पट्टी में इजरायली सेना ने सबसे ज्यादा कहर बरपाया है। गाजा में मरने वालों की संख्या 12,000 से अधिक हो गई है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट किया कि भारत फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता जारी रखेगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जानकारी दी, भारत का दूसरा विमान एमसीसी सी 17 विमान 32 टन सहायता लेकर मिस्र के एल-अरिश हवाई अड्डे के लिए रवाना हुआ। एल-अरिश हवाई अड्डे की गाजा से दूरी लगभग 45 किमी दूर है। यहां मौजूद राफा गाजा पट्टी में किसी भी मानवीय सहायता के लिए एकमात्र क्रॉसिंग पॉइंट है। इससे पहले 22 अक्टूबर को, भारत ने युद्ध के बीच फिलिस्तीनियों को मदद पहुंचाने के लिए मदद की पहली खेप भेजी थी। इसमें 6.5 टन चिकित्सा सहायता और 32 टन आपदा राहत सामग्री का पहला बैच भेजा गया था। इसमें सर्जिकल सामान,

तंबू, स्लीपिंग बैग, तिरपाल समेत कई जरूरी चीजें शामिल थीं। गौरतलब है कि हमास के 7 अक्टूबर के हमले के बाद युद्ध सातवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। इस हमले में अभी तक 12,00 से अधिक इजरायली और 12 हजार से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है।

गाजा का सबसे बड़ा अस्पताल बना डेड जोन

गाजा पर भयंकर लड़ाई में इजरायली सेना आईडीएफ अधिकतर स्थानों पर कब्जा कर चुकी है। यहां के सबसे बड़े अस्पताल अल-शिफा पर कुछ दिन पहले इजरायली सेना ने ऑपरेशन चलाया था। यहां हमास आतंकियों की सुरंग होने की इनपुट थे। हालांकि सुरंगे तो नहीं मिली लेकिन, अस्पताल से आईडीएफ ने हथियार और बम बारूज जरूर बरामद किया है। गाजा में हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि ईंधन की कमी के कारण बिजली कटौती के कारण अस्पताल में दर्जनों लोगों की मौत हो गई है।

चीन में फिर बढ़ी कोरोना की रफ्तार, फिलहाल भारत में ज्यादा खतरा नहीं

नई दिल्ली। कोरोना से जूझने के बाद अब दुनिया अपने रास्ते पर वापसी कर रही है। वहीं ठंड बढ़ते ही एक बार फिर कोरोना के एक बार फिर बढ़ने का खतरा नजर आ रहा है। बीते कुछ सप्ताह में अमेरिका में कोरोना संक्रमति लोगों के हॉस्पिटलाइज होने के मामले बढ़े हैं।

11 नवंबर तक एक सप्ताह में ही यूएस में 16239 लोग अस्पताल में भर्ती हुए। इस तरह से कोरोना के मामलों में 8.6 फीसदी की उछाल देखी गई है। सीडीसी के मैप के मुताबिक अमेरिका के 14 प्रांतों में करोना का प्रकोप बढ़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के अपर मिडवेस्ट, साउथ अटलांटिक और सदर्न माउंटेन में कोरोना के मामलों में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है। जानकारों का कहना है कि जैसे-जैसे ठंड बढ़ रही है, कोरोना का संक्रमण भी बढ़ रहा है। सीडीसी ने बताया कि ठंड बढ़ने से संक्रामक बीमारियों के बढ़ने का खतरा बना रहता है। 2020 का एक अध्ययन बताता है

कि कोरोना वायरस ठंड में ज्यादा सर्वाइव करता है। ऐसे में ठंड और ड्राइ सीजन भी चुनौती बन जाता है। अमेरिका में जून के बाद सितंबर तक भी कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। हालांकि अक्टूबर में इसकी रफ्तार थमी हुई थी। अब भी पिछले साल की जनवरी की तुलना में कोरोना के मामले कम हैं। बीते साल जनवरी में 150,600 मरीज सामने आए थे। वहीं जानकारों का कहना है कि जिन इलाकों में ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती नहीं हो रहे हैं, वहां भी कोरोना के मामले बढ़े हैं लेकिन इनका पता नहीं लगाया जा सका है।

अमेरिका में कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से एक बार फिर सख्ती की जा सकती है। इसी तरह चीन में भी बढ़ती सर्दी के बीच कोरोना चुनौती बना हुआ है। यहां चेतावनी दी गई है कि लोग जल्द से जल्द टीकाकरण करवा लें. । अक्टूबर महीने में चीन में 24 लोगों की कोरोना से जान चली गई। बताया गया कि यह कोरोना का एक्सएक्सबी वैरिएंट था। यह वैरिएंट सर्दी के मौसम में ज्यादा ऐक्टिव होता है।

यह भी कहा जाता है कि चीन में कोरोना के जो टीके विकसित किए गए उनका प्रभाव कम है. भारत में कोरोना की रफ्तार थमी हुई है। 24 घंटे में कोरोना के 16 से 20 मामले ही सामने आ रहे हैं। कोरोना की लहरों में कम से कम देश में 5.33 लाख लोगों की मौत हो गई थी। फिलहार एक्सपर्ट का कहना है कि भारत में कोरोना का खतरा नहीं है। मौसम के अनुसार खांसी बुखार में बढ़ोतरी देखी गई है लेकिन कोरोना का खतरा नहीं है।

चीन-पाकिस्तान महासागर संरक्षक-संयुक्त समुद्री अभ्यास संपन्न

बीजिंग, (आईएएनएस)। सात दिवसीय चीन-पाकिस्तान महासागर संरक्षक-3 संयुक्त समुद्री अभ्यास 17 नवंबर को पाकिस्तान के कराची में संपन्न हुआ। इस समुद्री अभ्यास में भाग लेने वाली दोनों देशों की सेनाओं ने सहयोग करते हुए सभी निर्धारित विषयों को पूरा किया और अभ्यास ने अपने अपेक्षित लक्ष्यों को हासिल किया। 11 नवंबर को संयुक्त समुद्री अभ्यास शुरू होने के बाद से बंदरगाह-तट आदान-प्रदान और समुद्री संयुक्त अभ्यास दो चरणों में आयोजित किया गया। चीन और पाकिस्तान ने सब से पहले पेशेवर आदान-प्रदान और दौरे जैसी कार्यवाहियों का आयोजन किया। 14 नवंबर को यह अभ्यास समुद्री संयुक्त अभ्यास चरण में स्थानांतरित हो गया। चीन और पाकिस्तान ने उत्तरी अरब सागर के समुद्री और हवाई क्षेत्र में 10 से अधिक विषयों पर संयुक्त अभ्यास किया। चीन और पाकिस्तान ने पहली बार

संयुक्त समुद्री गश्त भी की। समुद्री सुरक्षा खतरों का मुकाबला करने और समुद्री शांति की रक्षा करने के लिए दोनों नौसेनाओं की संयुक्त परिचालन क्षमताओं में और सुधार किया गया है।

पाक से खाली हाथ जाने को मजबूर अफगानी, पीछे छूट गई लाखों की संपत्ति और रकम

इस्लामाबाद। हाजी मुबारक शिनवारी 1982 में अपने पांच बेटों और दो भाइयों के साथ पाकिस्तान आए थे। उन्होंने कड़ी मेहनत से वस्त्र, परिवहन और ऋण देने समेत विभिन्न व्यवसाय का एक नेटवर्क तैयार किया और अब कराची के बाहरी इलाके में अल-आसिफ स्क्वायर में कई संपत्तियों के मालिक हैं। शिनवारी कहते हैं, हम इतने साल से यहां बिना दस्तावेजों के रह रहे हैं और स्थानीय लोगों की मदद से अपना कारोबार स्थापित किया है। वह ऐसे अकेले व्यक्ति नहीं हैं।

कराची शहर के उत्तर में बमुश्किल कुछ किलोमीटर की दूरी पर अल-आसिफ स्क्वायर है, जहां अफगानों की अच्छी खासी आबादी है। पास ही अफगान मजदूरों और छोटे कारोबारियों की दो बड़ी बस्तियां हैं। अल-आसिफ स्क्वायर और इन बस्तियों का दौरा करने से यह आभास होता है कि आप मिनी काबुल% में हैं, जहां अफगानी लोग अपनी दुकानों और विभिन्न रेस्तरां में अफगानी व्यंजन पेश करते हैं। मुख्य रूप से 1978 में सोवियत आक्रमण के बाद शरणार्थी के रूप में पाकिस्तान आने वाले अफगानों समेत हजारों अफगानों ने दशकों से पाकिस्तान के सभी प्रमुख शहरों में व्यापार और काम किया है, जिसमें सिंध प्रांत में कराची और बलूचिस्तान प्रांत में क्वेटा प्रमुख हैं। कराची में अफगान वाणिज्य दूतावास के कानूनी सलाहकार सादिकउल्ला काकड़ ने बताया कि पाकिस्तान में अधिकांश अफगान शरणार्थी निम्न मध्यम वर्ग के हैं।

उन्होंने कहा,लिहाजा, उनके पास कोई योग्यता या खास शिक्षा भी नहीं है। पाकिस्तान सरकार ने वैध दस्तावेजों के बिना रह रहे अफगानों को वापस भेजने की समयसीमा 31 अक्टूबर तय की थी, जिसके खत्म होने के दो सप्ताह बाद हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं - और अब, यहां तक कि वैध कागजात वाले लोगों को भी 31 दिसंबर के बाद वापस भेजने की योजना बनाई गई है। स्थिति गंभीर है और उनके चेहरों पर अनिश्चितता साफ दिखाई देती है।

समय सीमा समाप्त होने के बाद से 1,65,000 से अधिक अफगान पाकिस्तान से जा चुके हैं। कारण? पाकिस्तान

सरकार का कहना है कि सुरक्षा कारणों से उसने यह फैसला लिया है। सरकार का आरोप है कि इनमें से कई अफगान आपराधिक और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हैं। पाकिस्तान सरकार ने तालिबान सरकार पर आरोप लगाया है कि वह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अन्य आतंकवादी समूहों को पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए अफगान धरती का उपयोग करने से रोकने में सहयोग नहीं कर रही है।

मालदीव के राष्ट्रपति चाहते हैं उनके देश से विदा हो जाएं भारतीय सैनिक, चीन की तरफ झुकाव का खेल

मालदीव के नव निर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने शपथ लेने के 24 घंटे से भी कम समय के अंदर शनिवार को भारत सरकार से अपने सैनिकों को वापस बुलाने का औपचारिक अनुरोध किया है। मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय की एक विज्ञप्ति के मुताबिक, मुइज्जू ने कहा कि मालदीव के लोगों ने नई दिल्ली से यह अनुरोध करने के लिए उन्हें मजबूत जनादेश दिया है। विज्ञप्ति में कहा गया कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और मुइज्जू की मुलाकात के दौरान मालदीव के राष्ट्रपति ने भारत से यह अनुरोध किया।

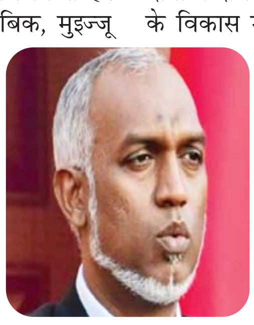

मालदीव के राष्ट्रपति ने पद संभालने के बाद अपने संबोधन में कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि छोटे द्वीपीय देश की अपनी धरती पर कोई विदेशी सैन्य उपस्थिति न हो। भारत सरकार के सूत्रों ने कहा है कि दोनों पक्ष द्वीपीय देश द्वारा भारतीय सैन्य प्लेटफार्मों का उपयोग जारी रखने के लिए व्यावहारिक समाधान पर चर्चा करने पर सहमत हुए हैं क्योंकि वे अपने लोगों के हितों की सेवा करते हैं।

जियो-पॉलिटिकल हॉटस्पॉट- दिल्ली के पाँचवें हिस्से के आकार के इस द्वीपीय देश (मालदीव) में लगभग 5 लाख लोग रहते हैं। यह एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है लेकिन हिंद महासागर क्षेत्र में इसकी अवस्थिति इस एक जियो-पॉलिटिकल हॉटस्पॉट बनाती है। हिन्द महासागर क्षेत्र में बढ़ते रणनीतिक महत्व और प्रमुख एशियाई ताकतों यानी भारत और चीन के बीच सीमा तनाव के बीच, यह द्वीपीय देश दोनों देशों के लिए सामरिक महत्व रखता है। नई दिल्ली और बीजिंग दोनों ने दीर्घकालिक भू-राजनीतिक दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में यहां के विकास में उदारतापूर्वक निवेश किया है। हालांकि, मालदीव के राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया है कि वह भारत और चीन दोनों के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं, उन्होंने रेखांकित किया है कि उनका द्वीपीय राष्ट्र भूराजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में उलझने के लिए बहुत छोटा है।

चीन की तरफ झुकाव- राष्ट्रपति मुइज्जू ने इब्राहिम मोहम्मद सोलिह का स्थान लिया है। सोविह के कार्यकाल में द्वीपीय देश और नई दिल्ली के बीच संबंधों में वृद्धि देखी गई थी। पूर्व मंत्री और माले के मेयर रहे, राष्ट्रपति मुइज्जू पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के करीबी हैं, जिन्होंने 2013 से 2018 तक अपने कार्यकाल के दौरान बीजिंग से भारी उधार लिया था। एक साल पहले, मुइज्जू ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से कहा था कि वह बीजिंग के साथ मजबूत संबंध चाहते हैं। उन्होंने कहा था, हम राष्ट्रपति यामीन के नेतृत्व में 2023 में सरकार में लौटने के लिए उत्सुक हैं, ताकि हमारे दोनों देशों के बीच घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत संबंधों का एक और अध्याय लिखा जा सके।

कमजोर हुआ चक्रवाती तूफान मिधिली

कुछ इलाकों में बारिश, आंधी, तूफान की चेतावनी, छट में बदला बिहार का मौसम

नई दिल्ली। चक्रवाती तूफान मिधिली कमजोर होकर उत्तरी त्रिपुरा और उसके आसपास के क्षेत्र में कम दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया है। इसकी वजह से पूर्वोत्तर क्षेत्र- असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में रविवार को घना कोहरा छाया रहा।

भारतीय विज्ञान मौसम विभाग के मुताबिक, मिजोरम में चक्रवाती तूफान मिधिली का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। यहां 18 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश हुई। आईएमडी के अनुसार, आइजवाल में 12 सेमी उसके बाद सैतुअल में 11 सेमी, लेंगपुई में 11 सेमी, कोलासिब में 10 सेमी और लुंगलेई में 10 सेमी वर्षा दर्ज की गई।

आईएमडी ने अपडेट देते हुए कल बताया था कि चक्रवात मिधिली कमजोर होकर उत्तरी त्रिपुरा और आसपास के क्षेत्र में कम दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो गया है। त्रिपुरा में भी भारी बारिश दर्ज की गई। इंडिया मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट ने मिजोरम की राजधानी आइजोल में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है आसपास के इलाकों में बिजली गिरने और तूफान की आशंका है। इसके अलावा कोयंबटूर, कोझिकोड समेत आसपास के अन्य इलाकों में भी आंधी आने और बिजली गिरने की भी आशंका है। पूर्वी क्षेत्र से आने वाली लहर के कारण 19 और 20 नवंबर को तमिलनाडु और केरल में छिटपुट बारिश की भी उम्मीद है।

मछुआरों को समुद्र से दूर रहने की चेतावनी दी गई है मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने चक्रवाती तूफान मिधिली के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह कमजोर होकर त्रिपुरा और इससे सटे बांग्लादेश के ऊपर 50 किमी उत्तर-पूर्व, अगरतला से 60 किमी दक्षिण-पूर्व में गहरे दबाव में बदल गया है। आईएमडी के ट्वीट के अनुसार, मिधिली के उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने और 6 घंटों में दक्षिणी असम और निकटवर्ती मिजोरम-त्रिपुरा पर कम दबाव के क्षेत्र में कमजोर होने की संभावना है।

दिल्ली में प्रदूषण से कब मिलेगी राहत?

राजधानी दिल्ली में सर्दी के आने के साथ ही प्रदूषण का स्तर भी धीरे-धीरे कम हो रहा है। शनिवार की बात करें तो हवा की गुणवत्ता में थोड़ा सा सुधार हुआ। ये गंभीर श्रेणी से नीचे आ गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आने वाले 6 दिनों में हवा की गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं होगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली का॰ त्ड्ढ शनिवार को 319 पर रहा जो कि बेहद खराब श्रेणी में आता है। महापर्व छट के मौके पर सुबह-सुबह आज हल्की धुंध बनी रही। धूप निकलने के बाद मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। कोहरा बने रहने के कारण छठ व्रतियों को सूर्य दर्शन के लिए थोड़ा सा इतंजार करना पड़ेगा। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार पछुआ के कारण सुबह-शाम ठंड का प्रभाव रहेगा। बीते 24 घंटों के दौरान पटना समेत गया, भागलपुर, पूर्णिया, वाल्मीकि नगर में धुंध छाई रही। पटना समेत 24 शहरों का तापमान लुढ़का है।

मुंबई में 19 साल की छात्रा के साथ गैंगरेप, दो गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) में एक छात्रा के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है।

पुलिस ने जानकारी दी है कि यहां एक फ्लैट में 19 वर्षीय कॉलेज छात्रा के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार संदिग्धों को अदालत में पेश किया गया जहां पुलिस ने आगे की पूछताछ के लिए हिरासत की मांग की है।

आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसमें धारा 376 (बलात्कार), 376 (डी) (सामूहिक बलात्कार), और 328 शामिल है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस जांच से पता चला कि पीड़िता लड़की के साथ आरोपियों की जान पहचान थी।

वह एक दूसरे को जानते थे। दोनों के पिता बीएआरसी में कार्यरत हैं। जानकारी में सामने आया है कि घटना के दिन आरोपी के परिवार के लोग बाहर गए हुए थे और फ्लेट खाली था। उसने अपने दोस्त को फ्लेट पर बुलाया और कुछ जरूरत का सामान मांगने उनके घर आई छात्रा को कुछ पीने के लिए ऑफर किया, जिसमें नशे की गोली होने की बात सामने आई है। इसे पीने के बाद वह बेहोश हो गई और दोनों ने बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया।

दावा: गाजा में हमले रोकेगा इजरायल? .. नेतन्याहू ने किया इंकार

तेलअवीव। इजरायल-हमास युद्ध के बीच इजरायल हमले रोकने वाला है। यह दावा एक रिपोर्ट के जरिए किया गया है। वाशिंगटन पोस्ट के मुताबिक हमास ने पांच दिन के लिए हमले रोकने के एवज में बंधक बनाए गए दर्जनों महिलाओं और बच्चों को मुक्त करने की पेशकश की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि छह पेज के समझौते की शर्तों के तहत पांच दिन के लिए युद्ध रोक दिया जाएगा। शुरुआती 50 या अधिक बंधकों को हर 24 घंटे में छोटे रिहा किया जाएगा। इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बंधकों को मुक्त करने के समझौतों की रिपोर्टों को गलत करार दिया है और कहा है कि अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है।

CMYK

देश-प्रदेश

उवाच

एक दूसरे की सुरक्षा के लिए आगे आएं कांग्रेसी

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने शासन प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से एक दूसरे की सुरक्षा करने का आह्वान किया है। उन्होंने रहली और अटेर विधानसभा का जिक्र कर एक्स पर लिखा कि भिंड जिले की अटेर विधानसभा में कांग्रेस पार्टी के बूथ एजेंट केशव जाटव का घर भाजपा के गुंडों ने जला दिया। यह गुंडागर्दी भाजपा प्रत्याशी और मंत्री अरविंद सिंह भदोरिया के लोगों ने की है।

मतदान को लेकर अब अटकलों का दौर

72 सीटों पर महिलाओं ने 80 प्रतिशत से ज्यादा किया मतदान

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में मतदान हो गया है। अब अलग-अलग अटकलें लग रही हैं। प्रदेश में महिलाओं ने बंपर मतदान किया है। मध्य प्रदेश की 230 सीटों में से 72 सीटों पर महिलाओं ने 80 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया है। इन सीटों पर ही सबकी नजर रहने वाली है।

महिलाओं के मतदान को लेकर भाजपा और कांग्रेस के अपने-अपने दावे हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में 29 सीटें ऐसी है, जहां महिलाओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक हैं। इस बार 1 हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 945 हो गई है। जबकि 2018 में 10 सीटों पर महिलाओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक थी। वहीं, 1 हजार पुरुषों पर महिला वोटरों की संख्या 917 थी। मप्र विस चुनाव में 230 सीटों पर शुक्रवार को मतदान हुआ। इसके बाद हार जीत को मंथन शुरू हो गया है। इस बार महिलाओं ने बढ़ चढ़कर मतदान किया है। प्रदेश की 34 सीटों पर महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया है। पिछली बार दो प्रतिशत मतदान बढ़ा तो सरकार बदल गई थी। हालांकि विंध्य की 29 सीटों में महिलाओं ने ज्यादा वोट डाले थे, जिसमें से 19 पर भाजपा जीती थी। जबकि 2018 में 44 सीटों पर महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया था। महिलाओं के बढ़े मत प्रतिशत को भाजपा लाड़ली बहना का असर बता रही है तो कांग्रेस इसे सरकार के खिलाफ बदलाव के लिए मतदान बता रही है। प्रदेश में कुल मतदान 77.15 प्रतिशत में से 78.21 प्रतिशत पुरुष और 76.03 प्रतिशत महिलाओं ने वोट किया है। पिछली बार 74.01 प्रतिशत महिलाओं ने मतदान किया था। पिछले 2018 चुनाव के मतदान को देखें तो 41 सीटों पर महिलाओं ने 80 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया था। इसमें से 27 पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। वहीं, भाजपा को सिर्फ 12 और दो सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी जीते थे। भाजपा को इन सीटों पर लाड़ली बहना योजना का लाभ मिलने की उम्मीद है तो कांग्रेस भी अपनी नारी सम्मान योजना से उम्मीद लगाए बैठी है। हालांकि इस बार दोनों ही पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला है। जावद, नीमच, मनासा, सुवासरा, मल्हारगढ़, जौरा, सैलाना, रतलाम ग्रामीण, बड़नगर, बदनावर, थांदला, राजपुर, कसरावद, महेश्वर, बागली, सोहागपुर, पिपरिया, बासौदा, बुदनी, आष्टा, इछावर, नरसिंहगढ़, ब्यावरा, राजगढ़, खिलचीपुर, सारंगपुर, सुसनेर, शाजापुर, कालापीपल, सोनकच्छ, हाटपिपलिया, गोटेगांव, नरसिंहपुर, तेंदूखेड़ा, गाड़रवाड़ा, जुनारदेव, अमरवाड़ा, चौरई, सौंसर, छिंदवाड़ा, परासिया, पांढुर्णा, मुलताई, घोड़ाडोंगरी, भैंसदेही, टिमरनी, हरदा, सिवनी मालवा, सिहोरा, शाहपुरा, डिंडौरी, बिछिया, निवास, मंडला, बैहर, लांजी, परसवाड़ा, बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी, बरघाट, सिवनी, क्योलारी, लखनादौन, राघौगढ़, विजयपुर, पिछौर, पृथ्वीपुर, जयसिंहनगर, जैतपुर, पुष्पराजगढ़, बहोरीबंद विस क्षेत्र शामिल हैं।

महिला मतदान ने भाजपा और कांग्रेस में जगाई आस

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया में महिलाओं की हिस्सेदारी ने भाजपा और कांग्रेस दोनों में सफलता की आस जगाने का काम किया है। दोनों को इस बात की उम्मीद है कि महिलाओं का बढ़ा हुआ वोट प्रतिशत उनकी किस्मत को बनाने में मददगार साबित होगा।

राज्य की 230 विधानसभा सीटों के लिए एक चरण में 17 नवंबर को मतदान हुआ है। इस बार मतदान का प्रतिशत 77.15 रहा है, जिसमें पुरुष वर्ग का मतदान 78.21 और महिला वर्ग का मतदान 76.03 प्रतिशत है। यह मतदान प्रतिशत पिछले 66 साल में सबसे अधिक है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो मतदान का प्रतिशत 75.63 था। चुनाव आयोग की ओर से जारी किए गए आंकड़े इस बात का संकेत दे रहे हैं कि कई विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं, जहां महिलाओं का मत प्रतिशत पुरुषों की तुलना में काफी ज्यादा रहा है।

इस बार के चुनाव में सभी की नजर महिला मतदाताओं पर रही है। इसकी वजह भी है क्योंकि सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं के लिए जहां लाडली बहना योजना शुरू की है तो दूसरी ओर कांग्रेस ने सत्ता में आने पर नारी सम्मान योजना शुरू करने का वादा किया है। राज्य में हुए मतदान में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की मतदान का प्रतिशत या कहें की हिस्सेदारी कम रही है। मगर, पिछले चुनाव की तुलना में इस बार महिलाएं कहीं ज्यादा मतदान करने के लिए सामने आई।

इसी के चलते कांग्रेस हो या भाजपा दोनों को लगता है कि महिलाओं का वोट उसके हिस्से में ज्यादा आया होगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि महिलाओं की चुप्पी और उसके बाद उनके वोट प्रतिशत में इजाफा इस बात का संकेत तो दे ही रहा है कि उनकी सियासी जागरूकता बढ़ी है और उन्हें राजनीतिक दल की योजनाएं भी रास आई हैं। मगर, किस दल की योजना उन्हें रास आई यह तो 3 दिसंबर को ही पता चलेगा। स्वाभाविक बात है दोनों राजनीतिक दलों को यह लगता है कि महिलाओं को उनकी योजनाएं रास आई होगी और यही कारण है कि महिलाओं ने उनके पक्ष में मतदान किया होगा।

भाजपा ने राजनगर की घटना को लेकर निर्वाचन आयोग और पुलिस महानिदेशक को सौंपा ज्ञापन

कांग्रेस प्रत्याशी ने चुनाव प्रभावित करने के लिए रचा सलमान की हत्या का षड्यंत्र : शर्मा

पुलिस ने बिना जांच भाजपा प्रत्याशी और कार्यकर्ताओं पर दर्ज किया मामला

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने छतरपुर जिले के राजनगर थाना क्षेत्र में विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले हुई घटना को लेकर चुनाव आयोग एवं पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए श्री शर्मा ने राजनगर में भाजपा के 20 कार्यकर्ताओं सहित 35 लोगों पर बिना जांच के हत्या का मामला दर्ज करने और आचार संहिता के दौरान बिना अनुमित के कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा धरना पदर्शन करने पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की।

श्री शर्मा ने कहा कि घटना स्थल पर विक्रम सिंह नातीराजा और उनके ड्राइवर सलमान खान द्वारा मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। घटना के समय सलमान द्वारा बंदूक से फायर किया गया था। सलमान एवं उसके साथी गाड़ी के ऊपर चढकर मारपीट कर रहे थे, गाड़ियों के कांच फोड़े गये एवं बंदूक, लाठी-डंडां के साथ धारदार हथियारों से हमला किया गया। विक्रम सिंह नातीराजा, उनके ड्राइवर सलमान व उनके समर्थकों की लापरवाही एवं उत्तेजना पूर्वक कार्य से उक्त घटना घटित हुई है। इसके बाद विक्रम सिंह नातीराजा द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर सलमान के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी, ताकि घटना को राजनीतिक रंग दिया जा सके, जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता आचार संहिता के बावजूद आखिर किसकी अनुमति से धरना प्रदर्शन खजुराहो थाने के सामने धरना दे रहे है। शव पर राजनीति की जा रही है। कमनलाथ और दिग्विजय सिंह को पता चल गया है कि वो चुनाव हार रहे हैं। उसकी खीझ के लिए दोनों मिलकर इस तरह के राजनीतिक हथकंडे अपना रहे है। श्री शर्मा ने कहा कि आचार संहिता के दौरान जो बिना अनुमति के धरना दे रहे हैं उन पर और जिन्होंने अनुमित दी है, उन पर भी कार्रवाई की जाए।

भाजपा प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी जुगलकिशोर शर्मा, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, निर्वाचन विभाग के प्रदेश संयोजक एस.एस. उप्पल, विधि प्रकोष्ठ के सह संयोजक अशोक विश्वकर्मा एवं एडव्होकेट सुनील गुप्ता उपस्थित रहे। ज्ञापन में कहा गया है कि खजुराहो थाना प्रभारी संदीप खरे और छतरपुर पुलिस अधीक्षक अमित सांघी कांग्रेसी मानसिकता के होने के कारण कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी विक्रम सिंह नातीराजा के प्रभाव में आकर उनको राजनीतिक लाभ पहुंचाने की दृष्टि से भाजपा प्रत्याशी को नुकसान पहुंचाने के लिए षडयंत्र में शामिल होकर झूठा प्रकरण दर्ज किया है।

श्री शर्मा ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने कांग्रेस नेताओं के दबाव में भारतीय जनता पार्टी के 20 कार्यकर्ताओं सहित 35 पर बिना जांच के हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। यह देश का ऐसा पहला मामला है, जहां दुर्घटना पर बिना जांच के 35 लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

दिग्विजय ने एसपी के आश्वासन के बाद खत्म किया धरना

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के खजुराहो क्षेत्र में कांग्रेस नेता विक्रम सिंह उर्फ नाती राजा के सहयोगी सलमान की कथित हत्या के विरोध में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का जारी धरना रविवार दोपहर समाप्त हो गया। वह शनिवार से इस मामले को लेकर धरने पर बैठे थे। सिंह ने धरना समाप्त करने के बाद कहा कि मतदान के दौरान जहां, जहां कांग्रेस प्रत्याशी और उनके समर्थकों पर हमले किए गए हैं, वे वहां जाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होने की अपील भी की है। सिंह सागर जिले के रहली भी जा सकते हैं, वहां भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की झड़प के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी के वाहनों में तोड़फोड़ की गई थी।

तेलंगाना विस चुनाव में दल बदलुओं का दबदबा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में चुनावी परिदृश्य पर दलबदलुओं का दबदबा है और कांग्रेस पार्टी ने सबसे ज्यादा संख्या में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से आए नेताओं को मैदान में उतारा है। कांग्रेस के लगभग एक-तिहाई उम्मीदवार ऐसे हैं, जो मई के बाद से बीआरएस और भाजपा से पार्टी में शामिल हुए हैं, कर्नाटक चुनावों में कांग्रेस की जीत ने तेलंगाना में सबसे पुरानी पार्टी को एक नया जीवन दिया है। बीआरएस और भाजपा के कई नेता इस शर्त पर कांग्रेस में चले गए कि उन्हें 30 नवम्बर के विधानसभा चुनावों के लिए मैदान में उतारा जाएगा। कुछ को पार्टी ने अपने खेमे में शामिल होने और उसके टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए भी आमंत्रित किया था। कुछ दलबदलुओं को वफादारी बदलने के कुछ दिनों या कुछ घंटों बाद भी टिकटों से पुरस्कृत किया गया।

यहां तक कि 30 नवम्बर को होने वाले चुनावों में कुछ ही दिन बचे हैं, पार्टी में भाग-दौड़ जारी है और जिन लोगों को टिकट नहीं मिला है, वे अगले साल के लोकसभा चुनावों के लिए नामांकन पाने या भविष्य में कुछ बड़े पद पाने की उम्मीद में अपनी वफादारी बदल रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि दलबदल की गाथा 2018 के चुनावों के तुरंत बाद शुरू हो गई थी, जब कांग्रेस के लगभग एक दर्जन विधायक सत्ता में बने रहने के बाद टीआरएस (अब बीआरएस) के प्रति वफादार हो गए थे। 119 सदस्यीय विधानसभा में 88 सीटें जीतने वाली बीआरएस एक दर्जन कांग्रेस विधायकों को अपने खेमे में शामिल करने में सफल रही। इसने तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के दोनों विधायकों सहित चार और विधायकों को लालच देकर अपनी संख्या 104 तक पहुंचा दी। सत्ता में हैट्रिक का लक्ष्य रखते हुए, बीआरएस ने लगभग सभी मौजूदा विधायकों को मैदान में उतारा है और इसकी सूची चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से दो महीने से अधिक पहले जारी की गई थी। टिकट के दावेदार, जिनकी उम्मीदें टूट गईं, उन्होंने कांग्रेस पार्टी की ओर रुख करना शुरू कर दिया।

जैसे ही कर्नाटक में हार के बाद भाजपा ने गति खो दी, उसके कई नेताओं ने भी कांग्रेस की ओर देखना शुरू कर दिया, जिसके नेता बाहें फैलाकर दलबदलुओं का स्वागत करने के लिए तैयार थे। बीआरएस और भाजपा छोड़ने वालों में से कई वास्तव में लंबे अंतराल के बाद कांग्रेस में वापसी कर रहे थे। 2014 में नए राज्य में अपनी पहली सरकार बनाने के बाद सबसे पुरानी पार्टी और टीडीपी ने पूर्व मंत्रियों सहित अपने वरिष्ठ नेताओं को बीआरएस में खो दिया था। नेताओं को लुभाने की होड़ जून में पूर्व मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और पूर्व खम्मम सांसद पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ शुरू हुई, जिन्हें कुछ महीने पहले पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए बीआरएस ने निलंबित कर दिया था। दोनों को भाजपा ने आमंत्रित किया था। लेकिन, कर्नाटक चुनाव के बाद उन्होंने कांग्रेस में शामिल होना पसंद किया। कृष्णा राव को अविभाजित महबूबनगर जिले के कोल्लापुर से टिकट दिया गया है। उन्होंने 2011 में बीआरएस में शामिल होने के लिए कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था और 2014 में बीआरएस के टिकट पर कोल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। 2018 के चुनावों में उन्हें हराने वाले हर्षवर्धन रेड्डी के चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस से बीआरएस में चले जाने के बाद उन्हें बीआरएस में दरकिनार कर दिया गया महसूस हुआ। दिलचस्प बात यह है कि जहां कांग्रेस ने उन बीआरएस नेताओं को लुभाया जो टिकट के इच्छुक थे, लेकिन उन्हें मैदान में नहीं उतारा गया, वहीं बीआरएस ने पिछले कुछ दिनों के दौरान उन कांग्रेस नेताओं को अपने पाले में कर लिया, जिन्होंने दलबदलुओं को टिकट दिए जाने के बाद विद्रोह का झंडा उठाया था।

पूर्व मुख्यमंत्री ने 130 से अधिक सीटें लाने का किया दावा

अनैतिक काम करने वालों से सख्ती से निपटेगी कांग्रेस : दिग्विजय

राजीव रंजन श्रीवास्तव

नई दिल्ली, देशबन्धु। मध्य प्रदेश का सियासी इतिहास कई तरह की उथल-पुथल और जोड़-तोड़ का साक्षी तो रहा है, लेकिन इस बार मध्य प्रदेश के चुनावों में हिंसा का जोर देखने मिला। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह का कहना है कि इसके लिए भाजपा जिम्मेदार है, जिसके संरक्षण में अनैतिक कार्य करने वालों को प्रश्रय मिला। मध्य प्रदेश में राजनगर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के पूर्व पार्षद सलमान खान की हत्या 17 नवम्बर को मतदान से पहले की गई थी। इसका इल्जाम भाजपा के कार्यकर्ताओं और प्रत्याशी पर लगा है। मृतक सलमान के परिजन इंसाफ की मांग करते हुए खजुराहो थाने के सामने बैठ गए और उनका साथ देने दिग्विजय सिंह भी पहुंच गए। 18 तारीख से लेकर 19 तारीख तक 24 घंटों से अधिक वक्त तक मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा राज्यसभा सांसद धरने पर बैठे रहे। जब पुलिस अधीक्षक ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब जाकर रविवार की शाम को ये धरना समाप्त हुआ। सलमान खान के परिजन अब उनके अंतिम संस्कार के लिए तैयार हो गए हैं। हालांकि दिग्विजय सिंह ने चेतावनी दी है कि अगर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो पुनः आंदोलन किया जाएगा।

दिग्विजय सिंह जब धरने पर बैठे थे, इस दौरान देशबन्धु डीबी लाइव के लिए प्रधान संपादक राजीव रंजन श्रीवास्तव ने उनसे विशेष बातचीत की और मध्य प्रदेश में चुनाव में हिंसा से लेकर सरकार की चोरी होने से बचाने तक कई मुद्दों पर चर्चा हुई। दिग्विजय सिंह का कहना है कि मध्य प्रदेश में इस बार कांग्रेस 130 सीटों से अधिक पर जीत दर्ज करने जा रही है और पांच साल काम करने का मौका मिलने पर श्री कमलनाथ अवैध और अनैतिक कार्य करने वालों से सख्ती से निपटेंगे। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में ही नहीं, आने वाले लोकसभा चुनावों में भी कांग्रेस मजबूती से प्रदर्शन करने जा रही है।

यहां पेश है उनसे बातचीत के खास अंश-

- ***मध्य प्रदेश में चुनावी हिंसा का इतिहास नहीं रहा है, फिर क्या कारण है कि इस बार चुनावों में इस तरह की हिंसा हुई कि किसी कांग्रेस कार्यकर्ता की जान तक चली गई।***

पिछले 20 सालों में भारतीय जनता पार्टी ने एक ऐसा कैडर तैयार कर रखा है, जो सारे अवैध धंधों में लगा हुआ है। चाहे अवैध रेत खनन हो, शराब हो, सट्टा हो, थाना और तहसील या पंचायत की दलाली हो। इन्होंने करोड़ों रूपए कमाए और जो लोग इन अनैतिक धंधों में रहे, उनमें से कई भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े। ये लोग सोचते हैं कि यहां के जो गरीब लोग हैं, उनको शराब पिलाकर वोट ले लेंगे। राजनगर विधानसभा का भी यही हाल है। यहां के भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा के खास शिष्य हैं। इनको छतरपुर का मुख्यमंत्री कहा जाता है। यहां के थानेदार, बीडीओ, पटवारी वगैरह सब इनके सिस्टम से काम करते रहे। हमारे कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह यानी नाती राजा ने पिछले महीनों में चुनाव आयोग को अनेक पत्र लिखे कि ये अधिकारी-कर्मचारी 3-3, 5-5 सालों से यहां जमा हैं और नियम कानून से काम नहीं कर रहे, बल्कि भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे हैं। लेकिन माननीय चुनाव आयोग ने इसका संज्ञान नहीं लिया। हालत ये है कि यहां के एक टीआई की गाड़ी में भाजपा का प्रचार होता रहा, शराब बंटती रही। 16-17 नवम्बर को भी ऐसा ही हो रहा था, तभी हमारे कांग्रेस उम्मीदवार से उनका आमना-सामना हो गया। दोनों दलों के काफिले आमने-सामने हो गए। सड़क पर कुछ जानवर थे, नाती राजा ने कहा कि आप निकल जाइए, लेकिन निकलने की बजाए उन्होंने उनके ऊपर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। सलमान ने नाती राजा को तो धक्का देकर गाड़ी में बिठा दिया और खुद जब बैठने की कोशिश में था,

तो इन लोगों ने उसके ऊपर गाड़ी चढ़ा दी और उसको रौंदते हुए कम से कम 15 -20 गाड़ियां निकल गईं। इसको हादसा नहीं कहा जा सकता, ये जानबूझकर की गई हत्या थी। क्योंकि उन गाड़ियों में शराब, हथियार और पैसा सभी थे। हमें संतोष इस बात का है कि जिला प्रशासन ने हत्या की धारा लगाकर मामला दर्ज किया है, अरविंद पटेरिया को भी आरोपी बनाया है। लेकिन 24 घंटे से अधिक वक्त बीतने के बाद भी गाड़ियां जब्त नहीं हुईं। इसलिए हमें धरने पर बैठना पड़ा। पीड़ित परिवार का कहना साफ है कि हमारे पार्षद सलमान को नहीं दफनाएंगे, जब तक कार्रवाई न हो। इसलिए मैंने तय किया कि पीड़ित परिवार की संतुष्टि तक थाने के सामने धरने पर बैठे रहें।

- ***आप लोगों की मुख्य मांग क्या है, आप किस तरह इस मामले पर कार्रवाई चाहते हैं।***

हम चाहते हैं कि सख्त कार्रवाई हो। पुलिस प्रशासन का कहना है कि विशेष जांच टीम लगाई गई है। वो कार्रवाई का आश्वासन दे रहे हैं। लेकिन पीड़ित परिवार का एक ही बेटा बचा है, जिस पर अब पूरा परिवार आश्रित है, तो परिवार की मांग है कि उसे सरकार शासकीय नौकरी दे और इनके साथ जल्द से जल्द इंसाफ हो।

- ***चुनाव से पहले अक्सर विरोधी दल एक-दूसरे पर धांधली के आरोप लगाते हैं, ऐसे में चुनाव आयोग का रवैया क्या रहा है?***

चुनाव आयोग में अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ हमारी लगभग एक हजार शिकायतें थी, अगर माननीय आयोग ने इन शिकायतों का संज्ञान लिया होता और कार्रवाई की होती तो आज ये नौबत ही नहीं आती। खुलेआम भाजपा नेताओं के प्रतिनिधियों ने चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की। लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

- ***हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान की चुनावी रैली में लोगों से कहा कि कमल का बटन दबाना तो ऐसा समझना मानो भ्रष्टाचारियों को फांसी दे रहे हो, इस तरह के उकसाने वाले बयान पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है?***

प्रधानमंत्री को तो ऐसा लगता है कि उनके ऊपर न कोई संविधान है न नियम न कानून। निर्वाचन आयोग ने मान लिया है कि मोदी खुदा हैं, उन्हें नोटिस नहीं दिया जा सकता। हमारे गृह मंत्री अमित शाह ने भी मध्य प्रदेश में कमल का साथ न देने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को सबक सिखाने की बात कही थी। जब प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ऐसी बात करें तो ये सरासर हिंसा को निमंत्रण देना है। दुखद ये है कि चुनाव आयोग उन्हें नोटिस तक नहीं दे रहा। फिर क्या उम्मीद करें।

- ***मतदान समाप्त होने के बाद 3 तारीख का इंतजार है, जब नतीजे आएंगे। लेकिन एक लंबा वक्त इस दौरान बिताना है, इसमें ईवीएम की सुरक्षा कैसी होगी?***

ईवीएम की निगरानी को लेकर हम पूरी तरह से सजग हैं। पूरी एहतियात बरती जा रही है। हालांकि खबर मिली है कि शिवपुरी के एक इलाके में क्रबिस्तान में बुलेरो मिली, जिसमें ईवीएम मिली। अब आप बताइए कब्रिस्तान में बुलेरो का क्या काम। इसी तरह एक ओवरलोडेड आटो रिक्शा में ईवीएम ले जाई जा रही थी। चुनाव आयोग का काम है इसको देखे, लेकिन इनसे कोई उम्मीद नहीं है। लेकिन कांग्रेस सजग है।

- ***कांग्रेस को जीत तो पिछले बार भी मिली थी, इस बार भी आपने काफी मेहनत की है। लेकिन 15 महीनों में ही पिछली सरकार चोरी कर ली गई थी इस बार आप लोग कैसे सजग हैं, रणनीति क्या है?***

कांग्रेस की जीत के लिए हम सबने मेहनत की है। कमलनाथ जी ने और बाकी सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने काफी मेहनत की है। मैंने तो अपना फर्ज ही निभाया है। लेकिन इस बार खरीद-फरोख्त की संभावनाएं कम हैं।

- ***तीन तारीख को कितनी सीटें आ रही हैं?***

मैंने पहले भी कहा है और मैं फिर से आपसे कह रहा हूं कि इस बार हम 130 से अधिक सीटें ला रहे हैं।

- ***आपने पहले मध्यप्रदेश में नर्मदा यात्रा की, जिसका लाभ पिछले चुनाव में मिला। फिर भारत जोड़ो यात्रा में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, और फिर से भारत जोड़ो यात्रा की तैयारी है। इन यात्राओं से कितना फायदा मिला?***

नर्मदा यात्रा पूरी तरह से आध्यात्मिक यात्रा थी। इसे राजनीति से जोड़ना ठीक नहीं है। भारत जोड़ो यात्रा में हम राहुल जी के साथ थे। मध्य प्रदेश में उनका बड़े पैमाने पर स्वागत हुआ, आम जनता ने राहुल जी को निकट से देखा, उन्हें समझा। और मैं समझता हूं कि उसी की वजह से धर्म के नाम पर नफरत फैलाने का असर नहीं रहा है।

- ***2018 के चुनावों में विधानसभा चुनाव जीतने के बावजूद लोकसभा में हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन इस बार मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस कितनी मजबूती से तैयार है?***

जैसी मेहनत और तैयारी से विधानसभा चुनाव हमने लड़ा, वैसी ही तैयारी लोकसभा की रहेगी। और केवल मध्य प्रदेश ही नहीं, पूरे देश में हम मजबूती से लड़ेंगे।

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 20 नवम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

चुनाव जीतने हिंसा-गालियों का सहारा

मध्यप्रदेश में एक कांग्रेसी कार्यकर्ता की हत्या तथा प्रचार रैलियों के दौरान इस्तेमाल में लाई जा रही अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर से बता दिया है कि वह चुनाव जीतने के लिये किसी भी हद तक जा सकती है। हालांकि कई लोग भाजपा की इन हरकतों को उसकी कमजोर होती स्थिति तथा पराजय का भय भी बतला रहे हैं लेकिन पूरे देश में शासन करने वाली किसी भी सरकार एवं पार्टी का यह उत्तरदायित्व होता है कि वह चुनावों में होने वाली हिंसा को रोके तथा सियासी स्पर्धा को स्वस्थ रहने दे। वैसे पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार से भाजपा ने अराजकता के नये कीर्तिमान गढ़े हैं उसके चलते इस प्रकार की अपेक्षा करना कुछ ज्यादा ही होगा।

ऐसे वक्त में जब पांच राज्यों में से तीन (मिजोरम, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश) में मतदान खत्म हो चुका है, मध्यप्रदेश के खजुराहो पुलिस स्टेशन के बाहर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अपने साथियों के साथ टेंट लगाकर धरने दे रहे हैं। उनकी मांग है कि मतदान के दिन (17 नवम्बर को) उनकी पार्टी के एक कार्यकर्ता व छतरपुर के पूर्व पार्षद सलमान खान की हत्या के आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाये। हत्या का आरोपी राजनगर के भाजपा प्रत्याशी अरविन्द पटेरिया को बतलाया जा रहा है। पहले मृतक के परिवारजन दो दिनों तक उनका मृत शरीर लेकर धरने पर बैठे थे। शनिवार की शाम दिग्विजय सिंह भी उसमें शामिल हो गये। रात उन्होंने वहीं गुजारी और रविवार की रात तक वे साथियों समेत डटे हुए थे। उनका और परिजनों का आरोप है कि शिवराज सरकार आरोपी को बचा रही है। पुलिस इन दिनों निर्वाचन आयोग के तहत कार्य करने के बाद भी शिवराज के प्रभाव में काम करती दिख रही है क्योंकि पटेरिया के विरूद्ध नामजद रिपोर्ट दायर की गई है। देखना यह होगा कि पुलिस कब तक कार्रवाई करती है।

उधर राजस्थान अब भाजपा व कांग्रेस के बीच चुनावी घमासान के मंजर देख रहा है। यहां भी भाजपा बड़ी सियासी हार का खतरा देख रही है। यहां 15 नवम्बर को मोदी ने बाड़मेर के बायतु में आयोजित एक प्रचार सभा में लोगों से अपील की थी कि 'वे कमल के बटन को ऐसा दबाएं जैसे किसी को सजा दे रहे हैं, फांसी पर चढ़ा रहे हैं।' उनके इस बयान को न सिर्फ गैर लोकतांत्रिक माना जा रहा है वरन घृणा व हिंसा को बढ़ावा देने वाला भी निरूपित किया गया है। उम्मीद थी कि अपनी इस जन आलोचना से स्वयं मोदी तथा उनकी पार्टी के अन्य नेता सबक लेंगे व अपनी भाषा को संयमित, मर्यादापूर्ण तथा शालीन बनाए रखेंगे। ऐसा तो हुआ नहीं, उसी दिन मध्यप्रदेश की अपनी आखिरी जनसभा में उन्होंने कांग्रेसी नेता राहुल गांधी को 'मूर्खों का सरदार' कह डाला। सम्भवत: उनसे प्रेरणा पाकर केन्द्रीय बाल व महिला विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राजस्थान के ही टोंक के देवली में शनिवार को हुई एक सभा में राहुल के लिये बहुत ही अशोभनीय व असंसदीय टिप्पणी कर दी, जो यह बतलाता है कि भाजपा के पास ऐसे कटु बोल करने वालों की पूरी की पूरी फौज है।

इस तरह के अनेक दृष्टांत देश के सामने पिछले लगभग एक दशक से देखने में आ रहे हैं। इस मामले में भाजपा नित नयी गिरावट दर्ज़ कर रही है और अपने साथ समग्र राजनीति को भी दूषित कर रही है। वैसे इसका कारण यह भी माना जा रहा है कि एक ओर तो भाजपा की इन पांचों राज्यों में स्थिति बहुत नाज़ुक है, तो दूसरी तरफ़, जैसा कि राजनैतिक विश्लेषक बतला रहे हैं और तमाम ओपिनियन पोल से लेकर सर्वेक्षण भी बतला रहे हैं, किसी भी राज्य में भाजपा को शायद ही सफलता मिले। इसके अलावा स्वयं मोदी का जादू हर रोज फ़ीका पड़ता जा रहा है। उनकी कही बातें असर नहीं कर रही हैं। एक ओर कांग्रेस के राहुल गांधी, उनकी बहन प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सभाओं-रैलियों में गदर मचा रहे हैं तो वहीं संगठन का प्रचार तंत्र न सिर्फ भाजपा के वार को भोथरा कर रहा है बल्कि प्रत्युत्तर में बड़े हमले कर रहा है। अब तो नौबत यहां तक आ गई है कि कांग्रेस की रैलियों, जनसभाओं एवं रोड शो में लोग चलकर आ रहे हैं, तो वहीं भाजपा की सभाओं में लोगों को ढो कर लाने के बावजूद उनमें खाली कुर्सियां अधिक होती हैं। जिस देवली की सभा का ऊपर ज़िक्र हुआ है, उसमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आने वाले थे परन्तु लोग इतने कम आए कि उसमें स्मृति को भेजना पड़ा था।

सत्ता के लिए भाजपा की अति महत्वाकांक्षा देश का लोकतांत्रिक माहौल कलुषित कर रही है। शायद उसे दो तरह की खुशफहमियां हैं- पहली तो यह कि सत्ता में रहना केवल और केवल उसी का अधिकार है। दूसरे यह कि हमेशा वही सत्ता में बनी रहेगी और उसे कोई सत्ताच्युत नहीं कर सकता। यह सोच राजा-महाराजा या किसी तानाशाह शासक की तो हो सकती है परन्तु लोकतांत्रिक प्रणाली में यह सम्भव नहीं है। सत्ताएं आती हैं, उन्हें चुनौतियां मिलती हैं और वे स्थानापन्न होती हैं। उनकी जगह पर कोई और आसीन होता है। इस परम्परा व सहज प्रणाली को कोई भी नहीं तोड़ सका है। न मोदी तोड़ पायेंगे और न ही उनकी पार्टी। जन्म-जन्मांतर तक सत्ता पर काबिज रहने की महत्वाकांक्षा उनसे चुनावी हिंसा को बढ़ावा दे रही है तो दूसरी ओर अपने राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों को अमर्यादित व गरिमाहीन शब्दों से अपमानित करने के लिये उद्धत करती है। इससे वह बाज आए तो बेहतर।

कार्यकर्ता के लिए लड़ने वाले नेता दिग्विजय

शकील अख्तर

नेता ऐसा ही होना चाहिए। दिग्विजय सिंह ने सर्दी की रात खजुराहो थाने के बाहर खुले में सोते हुए निकाल दी। 17 नवंबर को मतदान के दिन छतरपुर की राजनगर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह उर्फ नाती राजा पर भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया और उनके समर्थकों ने हमला कर दिया था। उन्हें बचाने कांग्रेस कार्यकार्ता सलमान खान आए तो उन पर धारदार हथियारों, कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। और कई गोलियां मार कर सलमान को गाड़ियों से रौंदते हुए भाग गए।

दिग्विजय ने फोन पर वहां से बात करते हुए कहा कि ऐसी क्रूर हत्या नहीं देखी। कई गाड़ियां कांग्रेस कार्यकर्ता के ऊपर से निकाल कर ले गए। घटना के बाद पूरे मध्यप्रदेश और खासतौर से बुन्देलखंड में तहलका मच गया। मध्यप्रदेश में चुनाव में ऐसी घटनाएं नहीं होती हैं। इस बार कई जगह मतदान के दिन और फिर उसके बाद भी हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। मतदान के बाद सागर जिले के रहली विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल का घर घेर कर लगातार फायरिंग की गई।

छतरपुर की हिंसा बहुत भयानक थी। कांग्रेस का आरोप है कि वहां के भाजपा प्रत्याशी पटेरिया प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और वहीं खजुराहो के सांसद वीडी शर्मा के खास हैं। इसलिए पुलिस हत्या के आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही। सलमान का परिवार शव लेकर वहीं खजुराहो थाने के बाहर बैठा है। परिवार का कहना है कि जब तक गिरफ्तारी नहीं होगी वह अन्तिम संस्कार नहीं करेगा।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दिग्विजय सिंह शनिवार को ही छतरपुर पहुंच गए। और सीधे परिवार से मिलने पहुंचे। चुनाव तक तो सारे नेता कार्यकर्ता के साथ होते हैं। मगर चुनाव के बाद कम ही नेता कार्यकर्ता और उसके परिवार के साथ खड़े होते हैं। दिग्विजय के साथ उनकी पत्नी अमृता राय भी हैं। वैसे किसी समारोह में वे साथ दिखें या नहीं दिखें मगर संघर्ष में वे साथ होती हैं। शनिवार से वे साथ ही धरने पर बैठी हैं। इससे पहले दिग्विजय की ऐतिहासिक नर्मदा यात्रा में वे पूरे साढ़े तीन हजार किलोमीटर पैदल चली थीं। आधे साल से ज्यादा।

उस नर्मदा यात्रा के बाद ही 2018 में कांग्रेस मध्य प्रदेश में सत्ता में वापस आई थी। 15 साल बाद। हालांकि ज्योतिरादित्य सिंधिया के धोखे की वजह से 15 महीने में ही सरकार गिर गई। मगर जनता के मन में इस विश्वासघात से गहरी चोट लगी। खास तौर से ग्वालियर चंबल संभाग, बुंदेलखंड में। सिंधिया इसी इलाके का खुद को ठेकेदार मानते हैं। मगर जनता जब तक सम्मान देती है, देती है। मगर फिर जैसे ही उसे लगता है कि नेता हमारे साथ धोखा कर रहा है वह गुस्से में खड़ी हो जाती है। और फिर इस इलाके में तो इसे गद्दारी कहा जाता है। और गद्दारी को सबसे खराब चीज माना जाता है। जनता इस बार ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके साथ भाजपा को कड़ा सबक देने के मूड में लगी।

उसी की प्रतिक्रिया में इस बार चुनाव में भाजपा की तरफ से ज्यादा हिंसा देखने को मिल रही है। लेकिन इसका प्रतिकार करके दिग्विजय ने एक नया इतिहास रच दिया है। सिर्फ मध्य प्रदेश में ही नहीं देश भर में एक संदेश गया है कि नेता हो तो ऐसा। जो अपने कार्यकर्ता और उसके परिवार के साथ ऐसे डट कर खड़ा हो जाए। रात खुले में निकाल दे।

कांग्रेस पिछले साढ़े नौ साल से केन्द्र की सत्ता से बाहर है। और कांग्रेस नेताओं के तौर तरीकों से कभी लगता भी नहीं था कि वे वापसी के लिए कुछ कर रहे हैं। मगर पिछले साल राहुल गांधी की संघर्षमय भारत जोड़ो यात्रा ने तस्वीर बदल दी। जनता को विपक्ष का लड़ता हुआ अंदाज ही भाता है। दिग्विजय सिंह इस यात्रा के संयोजक थे। उनके पास करीब इतनी ही बड़ी अपनी नर्मदा यात्रा का अनुभव था। राहुल के सारथी बन कर उन्होंने पूरी यात्रा संचालित की।

भारत के इतिहास में ऐसा कोई नेता नहीं हुआ जिसने साढ़े तीन-तीन, चार-चार हजार किलो मीटर की दो पैदल यात्राएं की हों। दूसरी यात्रा में भी अमृता राय कई जगह साथ चलती दिखीं।

> **कांग्रेस पिछले साढ़े नौ साल से केन्द्र की सत्ता से बाहर है। और कांग्रेस नेताओं के तौर तरीकों से कभी लगता भी नहीं था कि वे वापसी के लिए कुछ कर रहे हैं। मगर पिछले साल राहुल गांधी की संघर्षमय भारत जोड़ो यात्रा ने तस्वीर बदल दी। जनता को विपक्ष का लड़ता हुआ अंदाज ही भाता है। दिग्विजय सिंह इस यात्रा के संयोजक थे। उनके पास करीब इतनी ही बड़ी अपनी नर्मदा यात्रा का अनुभव था।**

राहुल तो बहुत ही संघर्षशील नेता हैं। यात्रा के बाद उनकी असली छवि निखर कर सामने आ गई है। जो हजारों करोड़ रुपया भाजपा ने राहुल को पप्पू बनाने में लगाया था वह पानी में बह गया। राहुल की मेहनत और साथ ही पार्टी अध्यक्ष खरगे जी और प्रियंका की करिश्माई छवि ने कर्नाटक से एक नया इतिहास रच दिया। जीत की वापसी का।

अब पांच राज्यों के चुनाव में खरगे जी राहुल और प्रियंका फिर वैसी ही मेहनत कर रहे हैं। अभी जिन तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में चुनाव हो गए वहां कांग्रेस की स्थिति अच्छी मानी जा रही है। और बाकी दोनों जगह जहां चुनाव होना है राजस्थान और तेलंगाना में वहां कांग्रेस का ग्राफ दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है। पहले मुकाबला बराबरी का माना जा रहा था। अब कांग्रेस का पलड़ा भारी बताया जा रहा है।

अगर ऐसा ही रहा तो यह विधानसभा चुनाव अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की पूर्व पीठिका साबित हो जाएंगे। मतलब 2024 का ट्रेलर होगा इन विधानसभा चुनावों का नतीजा। राहुल की मेहनत रंग ले आएगी।

राहुल के पास ऐसे नेता होंगे जो कार्यकर्ताओं में जोश जगा सकें। जनता मन बना रही है। मगर उसे मतदान केन्द्रों तक उसी मन से लाना कार्यकर्ताओं का काम होता है। और कार्यकर्ता जब उत्साह से दिल से यह काम करता है तो जनता अपने मन के साथ कार्यकर्ता का जोश भी जोड़ लेती है।

बड़े नेता की सर्वोच्च सफलता यह होती है कि वह अपने साथ के नेताओं में वही जोश और जज्बा पैदा कर सके जो उसके अंदर है। और फिर नेता उसी जोश को कार्यकर्ताओं में ट्रांसफर कर सके।

उमंग और उत्साह ऊपर से नीचे बहता है। 2014 में कांग्रेस के सब शिखर नेता ढीले पड़ गए थे तो बाकी नेता और कार्यकर्ता भी। और आज जब जोश बढ़ा हुआ है तो वह नीचे के कार्यकर्ता तक और बढ़चढ़ कर जा रहा है। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के खजुराहो थाने के बाहर उमड़ पड़ी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ बेमिसाल थी। जब दो बार के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह वहां आकर धरने पर बैठ जाएं, रात खुले में गुजार दें, तो आप समझ सकते हैं कि कार्यकर्ता का मनोबल कितना ऊंचा हो जाएगा। और जनता पर कितना सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। दिग्विजय ने वहां से डीबी लाइव/देशबन्धु को इंटरव्यू देते हुए कहा कि- भाजपा सरकार जाने वाली है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की 130 से ज्यादा सीटें जीतेगी। उन्होंने चुनाव आयोग से भी कहा कि वह देखे कि कोई गड़बड़ नहीं होने पाए।

दिग्विजय का यह धरना ऐतिहासिक हो गया। कांग्रेस के कार्यकर्ता अब तीन दिसंबर मतगणना के दिन तक चार्ज रहेंगे। ईवीएम मशीनों की निगरानी करते हुए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

क्यों करें सप्ताह में सत्तर घंटे काम?

■ **प्रेरणा**

जाने-अनजाने 'इंफ़ोसिस' के संस्थापक नारायण मूर्ति ने देश में एक बहस छेड़ दी है। मोहनदास और नारायण मूर्ति किसी दौर में साथ काम करते थे। एक पोडकास्ट में दोनों चर्चा कर रहे थे कि विकास की रफ़्तार कैसे बढ़ाई जाए। नारायण मूर्ति ने उस बातचीत में कहा था कि देश के विकास के लिए नौजवानों को चाहिए कि वे सप्ताह में 70 घंटे काम करें। उन्होंने उदाहरण देते हुए यह भी कहा था कि जिस तरह जर्मनी, जापान ने दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अपने देश को खड़ा करने के लिए जी-जान से मेहनत की, भारत के नौजवानों को भी वैसी ही मेहनत करनी होगी।

नारायण मूर्ति ने काम करने को कहा, लोग बात करने पर टूट पड़े। देश के कोने-कोने से, हर उम्र व पेशे के लोगों ने मूर्ति का ऐसा प्रतिवाद किया जैसे किसी ने उनकी दुखती रग पर पांव रख दिया हो। प्रतिक्रिया आई कि भारतीय दरअसल कितने घंटे काम करते हैं? शहरों में काम करने वालों के घंटे किस तरह गिनेंगे? अपने काम पर जाने के लिए जो लोग घंटों सफर में बिताते हैं, वे इस हिसाब में जुड़ेंगे या नहीं? महिलाओं का क्या, जो चौबीस घंटे, सातों दिन घर के काम करती हैं, बच्चे संभालती हैं और कमाई भी करती हैं? गांव में किसान बिजली के इंतजार में रात-रात भर जागते हैं, उसका हिसाब कौन रखेगा?

बड़ी संख्या में मजदूर दूसरे राज्यों में जाकर सप्ताह में 70 घंटे से कहीं ज्यादा मेहनत करते हैं ताकि चार पैसे बचाकर घर भेज सकें। कोविड के दौरान जब हजारों कामगार शहरों से अपने गांव की तरफ़ लौटने लगे थे तब कहीं देश और इसके शासकों को पहली बार पता चला था कि दौड़ते-भागते हमारे आधुनिक शहर किसके कंधों पर खड़े हैं! ट्विटर पर एमके निधि बताते हैं कि केरल से प्रति सप्ताह चलने वाली 35 सीटों की एक बस ओडिशा के लिए एक सीट का 3500 रुपये किराया लेती है और कभी खाली नहीं चलती। कोई हिसाब लगाएगा कि ये मजदूर प्रति सप्ताह कितनी मेहनत करते होंगे ताकि टिकट और अपने दैनिक खर्च निकाल सकें तथा घर भी पैसे भेज सकें?

विकास एक आधुनिक परिकल्पना है। ज्यादा-से-ज्यादा और जल्दी-से-जल्दी पाने की तीव्र इच्छा विकास की गाड़ी को दौड़ाते हैं। यह सपना देखना और दिखाना कि कैसे कोई एक आदमी पांच रुपया और लोटा लेकर गांव से चला था और कुछ ही वर्षों में देश का सबसे अमीर आदमी बन गया, विकास की कहानी का एक अध्याय लिखता है। फिर यह कि कितनी जल्दी हम पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था का ओहदा हासिल करें, दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन जाएं, यह विकास की दूसरी कसौटी है। आज तो इसे एक राष्ट्रीय उद्देश्य का दर्जा ही दे दिया गया है।

कहा जा रहा है कि इसके लिए देश का हर नागरिक हाड़तोड़ मेहनत करे, एक सप्ताह में 70 घंटे तो कम-से-कम करे ही! इन सभी सपनों में जो बात छिप जाती है या छिपाई जाती है वह यह है कि एक किसान / मजदूर या कारकून के लिए ईमानदारी से मेहनत करते हुए करोड़पति बनना वह सपना है जो कभी साकार नहीं होगा। ऐसे सपने दिखाकर कुछ गिने-चुने लोग तेजी से देश के सबसे अमीर आदमी बन सकते हैं, यह तो हम प्रत्यक्ष देख ही रहे हैं। इस खेल की शर्त ही यह है कि सभी जी-जान लगाकर दौड़ें, ताकि कोई एक या दो जीत सके और राष्ट्रीय गर्व का प्रतिमान खड़ा कर सके।

क्या यह बात सूर्य की तरह साफ़ नहीं है कि हमारे समाज में पूंजी और बुद्धि को अनुपातहीन और बेमेल महत्व दिया गया है? वैसे सभी जानते हैं कि बिना श्रम के पूंजी का कोई अर्थ नहीं है, लेकिन मानते नहीं हैं। जीवन के लिए यदि ये दोनों जरूरी हैं तो यह भी जरूरी है कि इनकी हैसियत बराबर की मानी जाए। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि बीमारी की रोकथाम ज्यादा महत्वपूर्ण है या उसका इलाज? आप झट से जवाब देंगे-रोकथाम ज़्यादा महत्वपूर्ण है! लेकिन अगर रोकथाम ज्यादा महत्वपूर्ण है तो हमारा सफाई कर्मचारी उस रोकथाम का पहला सिपाही है; उस सफाई कर्मचारी को डॉक्टर से पहले रखना चाहिए। यही बात खेती और उद्योग पर भी लागू होती है। पूंजी, बुद्धि और श्रम का ऐसा गलत समीकरण हमने बना रखा है कि श्रम को पूंजी के सामने हम कुछ मानते ही नहीं हैं।

> **हमारे समाज में पूंजी और बुद्धि को अनुपातहीन और बेमेल महत्व दिया गया है? वैसे सभी जानते हैं कि बिना श्रम के पूंजी का कोई अर्थ नहीं है, लेकिन मानते नहीं हैं। जीवन के लिए यदि ये दोनों जरूरी हैं तो यह भी जरूरी है कि इनकी हैसियत बराबर की मानी जाए। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि बीमारी की रोकथाम ज्यादा महत्वपूर्ण है या उसका इलाज?**

नारायण मूर्ति इसी के भोले शिकार हैं। कंप्यूटर, सॉफ्टवेर और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- इन सबकी दिशा में हम गए ही इसलिए कि इंसानी मेहनत / श्रम को बचाया जा सके या उस पर होने वाला खर्च कम किया जा सके। हमारी स्कूली शिक्षा विद्यार्थियों को पढ़ाती है कि श्रम करना नीचा है, उससे कोई विकास नहीं होता। शिक्षा व व्यवस्था तो ऐसी बनाई है मूर्ति जैसों ने और फिर कहते हैं कि 70 घंटे युवकों को मेहनत करनी चाहिए!

मनुष्य अपनी रोजी-रोटी के लिए श्रम करता है! जब रोटी महंगी हो जाती है तो वह और ज्यादा मेहनत करता है। अभाव में जीने वाले करोड़ों लोग पहिए पर दौड़ने वाले चूहे की तरह सतत दौड़ते रहते हैं। पूंजी पर चलने वाली व्यवस्था का यह आधारभूत नियम है कि पूंजी तभी तेजी से बढ़ सकती है जब श्रम सस्ता हो; नैसर्गिक संसाधनों को लूटने की खुली छूट हो; सरकारी टैक्स कम-से-कम हों; टैक्स की चोरी व्यवस्था के भीतर की जा सकती हो। इसलिए नारायण मूर्ति जैसे लोग जब युवाओं से 70 घंटे मेहनत की बात करते हैं तब वो उनकी बात करते हैं जिनके श्रम का कोई मोल नहीं और विकास के पहिये में सभी जुत जाएं, ताकि दो-चार लोग दुनिया के सबसे अमीरों में अपना नाम लिखवाएं और विश्वगुरु बन जाएं।

गांधीजी जब 'दूसरी गोलमेज परिषद' के लिए इंग्लैंड गए थे तो उनसे बार-बार निवेदन किया गया था कि आप यहां तक आ ही गए हैं तो अमेरिका के लोगों के बीच पहुंचकर, उन्हें भी अपना संदेश दें। आइंस्टाइन ने भी गांधीजी से ऐसा ही अनुरोध किया था। गांधीजी ने जवाब में तब जो कहा था वही आज भी भारत व दुनिया के लिए सबसे मतलब की बात है। उन्होंने कहा था कि-जब तक अमेरिका पूंजी के पीछे की अपनी पागल दौड़ छोड़ता नहीं है, उसे देने के लिए मेरे पास कुछ है ही नहीं। इसलिए मूर्ति यदि 70 घंटे की मेहनत की पैरवी के साथ यह भी बता सकें कि युवाओं को इतनी मेहनत क्यों करनी चाहिए, तो गांधीजी और हमारा सबका ज्ञानवर्धन हो सकेगा।

(लेखिका गांधीवादी-अर्थशास्त्र की अध्येता हैं।)

गुरवाणी विचार

अव्वल अल्लाह नूर उपाइआ कुदरत के सब बंदे

ऐसा नाम एकन निरमोलक पुनि पदारथ पाइआ
अनिक जतन करि हिरेदे राखिया- रतन न छपै छपाइआ।
हरि गुण कहते कहन न जाई-जैसे गूंगे की मठिआई (रहाओ)
रसना रमत सुनत सुख स्वरना- चित चेते सुख होई।
कहो भीखन हुए नैन जहं देखा तहं सोई।।

गुरवाणी की यह पंक्तियां गुरु ग्रंथ साहिब के अंग 659 से ली गई है। इसमें भक्त भीखण जी मानव मन को समझाइश देते हुए कह रहे हैं कि प्रभु परमात्मा का नाम एक ऐसा अनमोल पदारथ है जो रतन जवाहर की तरह बहुमूल्य है। मनुष्य को पूर्व जनमों के पुण्य से यह मानवदेही मिली है। इस मानव देही को पाने के लिए देवता भी तरसते हैं। बिना प्रभु परमात्मा के सिमरन बंदगी किए मानवदेही की प्राप्ति नहीं हो सकती। इंसान इस प्राप्ति को छिपाने की कोशिश करता है। फिर भी यह हीरे-जवाहरात को कितना भी छिपा कर रखे उसे लोग समझ नहीं पाते कि उसे छिपा नहीं सकते। फूल में खुशबू रहती है लोग उसे कितना ही बंद कमरे में रखें लेकिन उसकी खुशबू छिप नहीं सकती। ठीक इसी प्रकार प्रभु प्राप्ति एक ऐसा जवाहर हीरा है जिसे हम कितना भी छिपाएं उसकी खुशबू फैल ही जाती है।

हरि प्रभु परमात्मा की सिमरन बंदगी करते-करते जो आनंद की अनुभूति है उसकी प्राप्ति के स्वाद से रस की प्राप्ति होती है। उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। एक गूंगे इंसान को मिठाई खिलाई जाए तो वह उसका स्वाद बता नहीं पाएगा। ठीक इसी प्रकार प्रभु परमात्मा की प्राप्ति से प्राप्त आनंद की अनुभूति को वह नहीं बता पाएगा पर हर वक्त वह महसूस कर पाएगा और आनंदित हर वक्त रहेगा।

इस रतन रूपी प्रभु नाम की सिमरन बंदगी करते रहने पर हमारी जिव्हा को भी सुख मिलता है। कानों को प्रभु कथा सुनने से आनंद की अनभूति होती है। हर वक्त फिर नेत्रों को ऐसा महसूस होता है कि प्रभु परमात्मा सर्वत्र विराजमान है। हम सब एक परमात्मा की संतानें हैं और प्रभु परमात्मा ने प्रत्येक प्राणी की रचना कर फिर उसी कृति में विराजमान होकर उसके द्वारा किए जा रहे प्रत्येक क्रियाकलापों को देख रहा है। इस तरह जिस-जिस इंसान ने प्रभु सिमरन बंदगी कर उसकी प्राप्ति कर ली है उसने यह महसूस कर लिया है कि प्रत्येक इंसान में प्रभु परमात्मा मौजूद है। इस तरह सब एक दूसरे के भाई हैं। न ही कोई बुरा है। भक्त कबीरदास जी यही बात कह रहे हैं-

अव्वल अल्लाह नूर उपाइआ कुदरत के सब बंदे।
एक नूर ते सब जग उपजिया कौन भले को मंदे।।

इस तरह हर इंसान अच्छा है बुरा कोई भी नहीं है। सुख दुख अपने अपने किए कर्मों के अनुसार उसे प्राप्त होता है। इसीलिए भक्त भीखणजी इंसान को समझा रहे हैं कि प्रभु परमात्मा के नाम सिमरन करते मेरी आंखों में ठंडक आ गई है। मैं जहां पर भी नजर दौड़ाता हूं मुझे उस जगह प्रभु परमात्मा नजर आने लगा है। इसलिए हर इंसान को चाहिए कि वह प्रभु सिमरन कर उसकी प्राप्ति कर लें। तभी हमारा मानव जीवन पाकर धरा पर आना सार्थक समझा जाएगा और हम इस लोक और परलोक में भी सुखपूर्वक जिंदगी बिता पाएंगे और हमें सांचे दरबार में भी स्थान प्राप्त हो पाएगा।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

पूंजी-प्रधान हो गए हैं पर्व-त्यौहार

समाज में जैसे-जैसे आधुनिकता का समावेश हो रहा है, वैसे-वैसे हमारे तीज-त्यौहारों पर भी उसका प्रभाव स्पष्ट देखा जा रहा है। दीवाली जैसा हमारा पारम्परिक त्यौहार भी आधुनिकता की चपेट से नहीं बच पाया है। पहले लोग दीवाली के दिन श्रद्धापूर्वक अपने घर के अंदर व बाहर सरसों तेल अथवा घी के दीये जलाते थे और रात के समय सपरिवार पूजन में शामिल होते थे, लेकिन अब प्रतीकात्मक कुछ दीये जलाने की रस्म निभाने के साथ मोमबत्तियों व रंग-बिरंगी लाइटों का इस्तेमाल होने लगा है। पूजन तथा घर में खाने के लिए तरह-तरह के पकवान घरों में ही बनाए जाते थे, लेकिन अब बाजार की मिठाईयों व ड्राई-फ्रुट्स का चलन हो गया है। हल्के पटाखों की जगह कानफोडू और अत्यधिक जहरीला धुआं उगलने वाले पटाखों ने ले ली है। हर तरफ दिखावे की होड़ और उपहार संस्कृति नजर आने लगी है।

एक विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती कुसुम शंकर कहती हैं कि पहले लोगों में अपने घर में अधिक-से-अधिक दीये जलाने और घर की मुंडेर पर दीयों की कतार सजाने के लिए अपार उत्साह देखा जाता था। लोग दीये जलाने के लिए प्राय: बच्चों के हाथों से ही रूई की बाती बनवाते थे, लेकिन दीयों के लिए बाती भी अब बाजार से रेडीमेड मिलती है और लोगों में दीयों के बजाय रंग-बिरंगी मोमबत्तियों व इलेक्ट्रॉनिक लाइटों के प्रति आकर्षण बढ़ गया है।

प्रकाश पर्व दीवाली पर पहले जो सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिलता था, अब वो बात नहीं रही। लोगों के बीच पहले इस अवसर पर जो सौहार्द देखा जाता था, वह खत्म सा हो गया लगता है और दीवाली पर पूरी तरह आधुनिकता हावी नजर आती है। पाश्चात्य संस्कृति में रंगे बहुत से युवा भी अब दीवाली पर अपने परिवारजनों के साथ पूजा-पाठ में भाग न लेकर क्लबों व पार्टियों में इस अवसर पर अपने तरीके से जश्न मनाते हैं।

बाजार की मिठाईयों का चलन बढ़ने के कारण दीवाली के अगले दिन बहुत से लोगों के गले खराब नजर आते हैं क्योंकि बाजार की मिठाईयां शुद्ध नहीं रही।

दीवाली के बदलते अंदाज पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बैंक अधिकारी एसके नागपाल कहते हैं कि पहले जहां आस-पड़ोस में एक-दूसरे के घर जाकर मिठाईयां भेंट करके बधाई देने की परम्परा थी और आपसी मेलजोल तथा भाई-चारे का माहौल देखने को मिलता था, वहीं अब लोग आस-पड़ोस में मिठाईयां या उपहार बांटने के बजाय उन्हीं लोगों को उपहार देते हैं, जिनसे उनका कोई लाभ हो और उपहारों में भी मिठाईयों का चलन तो खत्म हो गया है। मिठाईयों की जगह अब महंगे ड्राई फ्रुट्स अथवा महंगे-महंगे उपहार दिए जाते हैं।

पहले जहां धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परम्परा थी, वहीं अब लोग बर्तन खरीदने के बजाय विभिन्न स्कीमों का लाभ उठाकर इस अवसर पर फ्रिज, टीवी, एसी इत्यादि खरीदते हैं। नागपाल मानते हैं कि अब दीवाली पर दिखावा ज्यादा बढ़ गया है और उसी के अनुरूप खर्च भी बढ़ रहा है।

योगेश कुमार गोयल

महापर्व छठी मैया का विशाल आयोजन तिलवारा घाट पर

जबलपुर, देशबन्धु। यूपी बिहार एकता मंच तिलवारा घाट के तत्वाधान में समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह महामंत्री रघु तिवारी कोषाध्यक्ष अमित पंडित के नेतृत्व में प्रत्येक वर्ष अनुसार इस वर्ष भी तिलवारा घाट में छठ महापौर का आयोजन किया गया। जिसमें सभी श्रद्धालु जन ने बढ़-चढ़कर अपनी रुचि दिखाई एवं हिस्सा लिया। तिलवारा घाट छठी माई के जयकारे से गूंज उठा। तिलवारा घाट संगठन के महामंत्री रघु तिवारी ने यह जानकारी देते हुए बताया है कि एक छठ पूजा ही ऐसा महापर्व है जिसने उगते हुए सूरज एवं डूबते हुए सूरज को अर्घ्य दिया जाता है वैदिक पंचांग के अनुसार हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को छठ महापर्व मनाया जाता है, लेकिन इससे दो दिन पहले यानी चतुर्थी तिथि को नहाय-खाय के साथ छठ पूजा की शुरुआत हो जाती है। छठ का पहला अर्घ्य षष्ठी तिथि को दिया जाता है। यह अर्घ्य अस्ताचलगामी सूर्य को दिया जाता है। इस समय जल में दूध डालकर सूर्य की अंतिम किरण को अर्घ्य दिया जाता है। माना जाता है कि सूर्य की एक पत्नी का नाम प्रत्यूषा है और ये अर्घ्य उन्हीं को दिया जाता है। संध्या समय अर्घ्य देने से कुछ विशेष तरह के लाभ होते हैं। इससे नेत्र ज्योति बढ़ती है, लम्बी आयु मिलती है और आर्थिक सम्पन्नता आती है। इस समय का अर्घ्य विद्यार्थी भी दे सकते हैं। इससे उनको शिक्षा में भी लाभ होगा। इस बार छठ का पहला अर्घ्य रविवार को दिया गया। एवं दूसरा अर्घ्य आज सुबह सूर्य की पहली किरण को दिया जायेगा। जबलपुर शहर के प्रथम नागरिक जगत बहादुर सिंह के द्वारा समिति के निवेदन पर महापौर के द्वारा छठ की संपूर्ण व्यवस्था करवाई गई। समिति के अध्यक्ष के द्वारा यह बताया गया कि छठी मैया के इस महापर्व पर जिस भी स्त्री एवं पुरुष के द्वारा छठी मैया का व्रत रखा गया है उसके लिए कल परण की व्यवस्था एवं उसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन रखा गया है।

कंचनपुर तालाब में मनाया छठ महोत्सव

पवित्र पर्व छठ पूजन के अवसर पर कंचन युग सेवा समिति एवं संदीप राठौर मित्र मंडल द्वारा कंचनपुर तालाब में छठ महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में हजारों व्रती महिलाओ ने डूबते सूर्य को अर्ध देकर सूर्य आराधना की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, विधायक अशोक रोहाणी, माला सिंह, संदीप राठौर के साथ मित्र मंडल के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

छठ महापर्व की तैयारियों का महापौर ने लिया जायजा

जबलपुर, देशबन्धु। उत्तर भारत के प्रमुख त्यौहार छठ महापर्व दिनांक 17 नवम्बर से प्रारंभ हो गया है। यह पर्व नदी एवं तालाबों के किनारे भगवान सूर्य की उपासना के साथ शुरू होगा। छठी मईया और छठ पूजा के व्रतधारियों के स्वागत के लिए सतरंगी रंगोली से घाटों और तालाबों के परिसर को महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने खूबसूरत ढंग से सजवाया। जहां सभी व्रतधारी साफ स्वच्छ और सुंदर वातावरण में शाम की पूजा की। छठ महापर्व की तैयारियों का महापौर ने जायजा लिया और सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद करवाई।

श्री अन्नू ने गौरीघाट, तिलवाराघाट, गुलौआ और शहर के अन्य 11 पूजा स्थलों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने छठ महापर्व के दौरान व्रतधारियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो और पूजा स्थलों, घाटों, एवं तालाबों के आस-पास की सफाई व्यवस्था बहुत ही उत्तम रहे इस बात का ध्यान रखकर सारी व्यवस्थाएं करवाई। महापौर ने सभी पूजा स्थलों और पहुंच मार्गो पर प्रकाश की उत्तम व्यवस्था, पार्किंग, आदि व्यवस्थाओं पर वे स्वयं नजर रखेगें और व्रतधारियों को छठी मईया की पूजा अर्चन करने में कोई परेशानी नहीं होगीं। उन्होंने बताया कि पूजा के दौरान सभी व्यवस्थाएँ दुरूस्त रहेंगी। उन्होंने बताया कि आवश्यकतानुसार फायर सेफ्टी, एम्ब्यूलेन्स, बचाव दल, पीने का पानी आदि की भी व्यवस्था रहेगी।

उल्लेखनीय है कि उत्तर भारतीयों का सबसे बड़ा महापर्व छठ पूजा है जो अब संस्कारधानी जबलपुर में भी रहने वाले लोगों के द्वारा धूमधाम और श्रद्धाभाव से छठ पूजा मनाई जाती है। चार दिवसीय महापर्व की शुरूआत 17 नवम्बर से प्रारंभ है जो 20 नवम्बर की सुबह तक चलेगा। चार दिवसीय इस महापर्व के लिए महापौर ने सभी घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश, पार्किंग, आदि की व्यवस्था व्यवस्थित कराई गई है।

राद्रुविवि में संभाग स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। संभाग स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन महिला-पुरूष वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता आयोजन 22 नवंबर को शारीरिक शिक्षण विभाग में सुबह 11 बजे से आयोजित की जा रही है। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से संबंधित समस्त महाविद्यालयों के प्रतियोगी अपने महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी के साथ इलिजिविलिटी तथा अन्य प्रपत्रों के साथ सुशील शर्मा मो. 8109127276 और प्रवीण पाण्डेय मो. 7415981270 से शारीरिक शिक्षण विभाग में संपर्क करें।

अंतर महाविद्यालयीन कराते टीम का चयन 1 दिसम्बर को- संभाग स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन कराते महिला-पुरूष टीम का चयन को शारीरिक शिक्षण विभाग जबलपुर में सुबह 10.30 बजे से किया जाएगा। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से संबंधित जबलपुर जिले/ संभाग के सभी महाविद्यालयों के प्रतियोगी अपने महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी के साथ इलिजिविलिटी एवं ऑनलाइन प्रवेश रसीद एवं अन्य प्रपत्रों के साथ डॉ. मनीष मिश्रा मो. 8318582397 और महिपाल सिंह मो. 8319047946 शारीरिक शिक्षण विभाग में संपर्क करें।

अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता 2 दिसम्बर से- संभाग स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन क्रॉस-कंट्री 10 किलोमीटर महिला-पुरूष प्रतियोगिता 2 दिसम्बर को शारीरिक शिक्षण विभाग जबलपुर के तत्वावधान में सुबह 7 बजे से आयोजित की जाएगीं। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से संबंधित समस्त महाविद्यालयों के प्रतियोगी अपने महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी के साथ इलिजिविलिटी एवं ऑनलाइन प्रवेश रसीद एवं अन्य प्रपत्रों के साथ डॉ. प्रसन्नजीत चटर्जी मो. 9425324231 और अंतरिक्ष शर्मा मो. 8319934327 शारीरिक शिक्षण विभाग में संपर्क करें।

डब्ल्यूसीआर के पीसीएमएम के तानाशाही रवैये से डब्ल्यूसीआरईयू आक्रोशित

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य भंडार प्रबंधक (पीसीएमएम) के लगातार कर्मचारी विरोधी कार्यप्रणाली व तानाशाही पूर्ण रवैये के खिलाफ वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन आक्रोशित है। लगातार अधिकारी की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए उच्च स्तर पर मांग करने के बावजूद कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आने पर यूनियन ने सोमवार 20 नवम्बर से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन आंदोलन का निर्णय लिया था, लेकिन ऐन वक्त पर महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय के हस्तक्षेप के बाद यूनियन महामंत्री मुकेश गालव ने आंदोलन को 22 नवम्बर की शाम तक स्थगित करने का निर्णय लिया है।

इस संबंध में यूनियन के जबलपुर मंडल सचिव रोमेश मिश्रा ने बताया कि पमरे के पीसीएमएम द्वारा लगातार कर्मचारी विरोधी कार्य किया जा रहा है। छोटी-छोटी बातों पर एसएफ 5 जैसे मेजर पेनाल्टी चार्जशीट जारी किया जा रहा है। वहीं अपने चहेतों स्टाफ को नियम विरुद्ध उपकृत करने का कार्य किया जा रहा है। यूनियन ने इस संबंध में पमरे प्रशासन को पीसीएमएम की अनुचित कार्यप्रणाली पर रोक लगा कर कर्मचारियों की प्रताडना को बंद करने की मांग की थी, लेकिन कोई ठोस परिणाम नहीं निकला, जिसके बाद यूनियन ने रेल प्रशासन को धरना-आंदोलन 20 नवम्बर से करने का अल्टीमेटम दिया और इसके लिए पमरे महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष टेंट आदि भी लगा दिये गये थे।

कॉम. रोमेश मिश्रा ने बताया कि यूनियन द्वारा पीसीएमएम के खिलाफ धरना-आंदोलन की जानकारी जब महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय को लगी तो उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए पमरे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी को निर्देश दिया कि यह प्रकरण मेरी जानकारी में आया है, आगामी 22 नवम्बर को यूनियन के महामंत्री कॉम. मुकेश गालव के साथ मीटिंग में इसका निराकरण किया जायेगा, तब तक आंदोलन स्थगित करवाएं, जिस पर प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी ने यूनियन महामंत्री का. मुकेश गालव को जीएम मैडम के संदेश से अवगत कराते हुए आगामी 22 नवम्बर को मीटिंग की जानकारी दी। जिसके बाद श्री गालव ने धरना-प्रदर्शन को आगामी 22 नवम्बर की शाम तक स्थगित करने का निर्णय लिया है।

जीएम के हस्तक्षेप के बाद अनिश्चितकालीन आंदोलन 22 की शाम तक स्थगित

राष्ट्रनेत्री इंदिरा गांधी को कांग्रेस कमेटी ने अर्पित की पुष्पांजलि

जबलपुर, देशबन्धु। भारत देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जन्म जयंती पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने सिविक सेंटर स्थित प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के सदस्यों ने इंदिरा गांधी के पदचिन्हों का अनुसरण करने की शपथ ली। पुष्प अर्पित कार्यक्रम के मौके पर कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग के प्रदेश महामंत्री शिवकुमार सोनी, उपाध्यक्ष डॉ. रमेश रजक, विजय डटहा, मनोज नामदेव, सुशीला कनौजिया, प्रेमसुख चक्रवर्ती सतीश बर्मन नारायण विश्वकर्मा सहित अनेक पिछड़ा मोर्चा के पदाधिकारियों और सदस्य मौजूद रहे।

स्ट्रांगरूम पर नजर रखने उम्मीदवारों ने तैनात किये अपने प्रतिनिधि

जबलपुर, देशबन्धु। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में बने स्ट्रांगरूम पर नजर रखने उम्मीदवारों द्वारा अपने कार्यकर्त्ताओं को तैनात किया गया है। निष्पक्ष, पारदर्शी एवं स्वतंत्र निर्वाचन सुनिश्चित करने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में स्ट्रांगरूम की निगरानी के लिये चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को अपने प्रतिनिधि नियुक्त करने की अनुमति है।

निर्वाचन आयोग के इन्हीं निर्देशों के मुताबिक उम्मीदवारों द्वारा स्ट्रांगरूम की निगरानी रखने नियुक्त कार्यकर्ताओं की सुविधा के लिये जिला प्रशासन द्वारा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में पण्डाल लगाया गया है, जहां स्ट्रांगरूम के भीतर और बाहर लगाये गये प्रत्येक सीसीटीव्ही कैमरे की लाइव तस्वीरें चौबीस घण्टे एलईडी स्क्रीन पर प्रदर्शित की जा रही है।

सीसीटीव्ही कैमरों की लाइव तस्वीरें प्रदर्शित करने प्रशासन ने लगाई एलईडी स्क्रीन

मतदान के बाद जिले की आठों विधानसभा क्षेत्र की ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट मशीनों को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में बने स्ट्रांगरूम में तीन स्तरीय सुरक्षा के बीच रखा गया है। स्ट्रांगरूम की सुरक्षा की मुख्य जिम्मेदारी केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बल के जवान सम्हाल रहे हैं। इसके अलावा स्ट्रांगरूम के भीतर तथा इसके चारों ओर कई सीसीटीव्ही कैमरे लगाये गये हैं।

हाथी ने किया घर को ध्वस्त, मलबे में दबा आठ वर्षीय बालक, मां को भी आयी चोट

अनूपपुर, देशबन्धु। जिले की जैतहरी तहसील एवं रेंज अंतर्गत चोलना गांव में गत रात एक दांत वाला नर हाथी जो निकट तीन दिनों से छत्तीसगढ़ के मरवाही रेंज से अनूपपुर जिले की सीमा में प्रवेश कर निरंतर विचरण करते हुए शनिवार एवं रविवार की मध्य रात्रि धनगवां बीट के जंगल से निकल कर चोई, कुकुरगोड़ा होते हुए कुकुरगोड़ा के कछराटोला में वापस लौटते समय एक घर में तोड़फोड़ कर घर के अंदर रखे देशी शराब को पीने बाद मदमस्त हो कर चोलना गांव में उत्पाद मचाते हुए एक कच्चे घर में तोड़फोड़ की। जिसमें घर में सो रहें मां-बेटा पर दीवाल गिरने से मलवा में दब गया। हो-हल्ला करने पर पिता एवं पड़ोसियों द्वारा बालक को मलबे से बाहर निकाला। सूचना पर भाजपा नेता अनिल गुप्ता द्वारा एंबुलेंस से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी में उपचार कराया। जानकारी के अनुसार विगत 16 नवंबर की रात एक दांत वाला एक नर हाथी छत्तीसगढ़ के मरवाही वन परीक्षेत्र से मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के जैतहरी रेंज के ग्राम चोलना में गुजरनाला की सीमा में प्रवेश करने साथ ही विभिन्न टोला-मोहल्ला से गुजरे वहां खेत,बाडियों में लगे धान, सब्जी एवं अन्य फसलों को अपना आहार बनाते हुए तीन दिनों से निरंतर धनगवां बीट के जंगल में दिनभर आराम कर रात होने पर आसपास के ग्रामों में कट कर रखी धान की फसलों को अपना आहार बनाया।

शनिवार- रविवार रात्रि कुकुरगोड़ा पंचायत के कछराटोला के कच्चे मकान को दो-तीन स्थानों से तोड़ते हुए घर के अंदर रखी धान की फसल के साथ दो अलग-अलग प्लास्टिक के बड़े डिब्बे में रखे देसी शराब को पीने बाद मदमस्त तरीके से कुकुरगोड़ा के विभिन्न टोला-मोहल्ला से पड़ोस के बचहाटोला में पहुंचकर जंगल में घुस गया। इस दौरान सैकडो की संख्या में एकत्रित ग्रामीण, वन विभाग की टीम के साथ खोजते रहे, लेकिन देर रात तक हाथी नहीं मिल सका। रात्रि 1 बजे के लगभग चोलना गांव निवासी बुद्धसेन केवट के कच्चे मकान में हाथी ने अचानक हमला कर तोड़फोड़ की जिससे घर के अंदर सो रहें मां- बेटा हाथी द्वारा तोड़े गए दीवाल के मलवे में दब गए।

कर्तव्य पथ का सपना ले उत्तराखंड रवाना हुए रादुविवि एन एस एस के स्वयंसेवक

जबलपुर, देशबन्धु। कर्तव्य पथ (पूर्व नाम राजपथ) नई दिल्ली परेड करना स्वयंसेवक के लिए एक सपने जैसा होता है इसी क्रम में भारत सरकार युवा कार्य और खेल मंत्रालय द्वारा पूरे भारतवर्ष के लगभग 45 लाख स्वयंसेवकों में से सर्वश्रेष्ठ 200 स्वयंसेवकों का चयन गणतंत्र दिवस शिविर के लिए किया जाता है, जो कि विभिन्न स्तर पर चयन प्रक्रिया में पारंगत एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन देने वाले स्वयंसेवकों के चयन से पूरा होता है। इस वर्ष कर्तव्य पथ पर पूरे भारतवर्ष से केवल 200 सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक छात्राओं का ही चयन किया गया है क्योंकि इस वर्ष कर्तव्य पथ महिला सशक्तिकरण की थीम पर समर्पित है।

इस बार यह शिविर 20 नवंबर से 29 नवंबर 2023 तक हरिद्वार उत्तराखंड में आयोजित हो रहा है, जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर क्षेत्र से चयनित 06 छात्राएं जिनका नाम क्रमशः स्मृति चतुर्वेदी, श्रद्धा नागपुरे, शालिनी बर्मन, रवीना मसराम, स्वाती मौर्य व प्रियंका बर्मन राष्ट्रीय सेवा योजना रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए सहभागिता करेंगे।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़. कपिल देव मिश्रा तथा कुल सचिव डॉ दीपेश मिश्रा ने राष्ट्रीय स्तर पर स्वयंसेवकों की सहभागिता कर रहे हेतु उन्हें अग्रिम शुभकामनाएं दी । साथ ही समस्त छात्र छात्राओं को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक प्रोफ. अशोक कुमार मराठे, कार्यक्रम अधिकारी ओपन यूनिट डॉ. देवांशु गौतम, विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के कार्यक्रम अधिकारी डॉ शैलेश प्रसाद, डी एन जैन महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप सेन सहित विभिन्न वरिष्ठ स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं ने स्टेशन पहुंचकर धूमधाम से बधाई दी और अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं भी दी। वरिष्ठ स्वयंसेवकों में प्रशांत कुमार चापेकार, अरविन्द लोधी, सुबेन्दु मन्ना, अमित शिवहरे, सुयश श्रीवास्तव, रोशन प्रजापति, अंकित लखेरा, मौसमी गौतम, रेणुका यादव, साक्षी मिश्रा, आरती चौधरी, मौसमी गौतम, मीनाक्षी गौतम, तृप्ति चतुर्वेदी, श्रुति चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय विज्ञान नाटिका उत्सव आज से

जबलपुर, देशबन्धु। राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान एवं अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय जबलपुर में ''राष्ट्रीय विज्ञान नाटिका''का दो दिवसीय राज्य स्तरीय आयोजन 20 एवं 21 नवंबर को होगा। आयोजन में प्रदेश भर के प्रतिभागी सम्मिलित होंगे। प्रदेश के 9 जोन पर आयोजित हुई प्रतियोगिताओं के विजेता टीम राज्य स्तरीय आयोजन में प्रतिभागिता करेंगी।

समरसता सेवा संगठन ने भगवान सहस्त्रबाहु जयंती पर किया विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। भारत के इतिहास के साथ की गई छेड़छाड़ के कारण देश मे जाति भेद को बढ़ावा मिला और लोग सिर्फ जातियों में विभक्त नहीं हुए, बल्कि लोगों ने अपने-अपने जातियों के आराध्य बना लिए, जो सबके थे उन्हें सीमित कर दिया, इसे दूर करने और जातिवाद तोड़ने के लिए समरसता से अच्छा कोई कार्य नहीं है और यह कार्य यह संगठन बहुत अच्छे से कर रहा है। यह बात समरसता सेवा संगठन द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु जयंती के अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इतिहासकार डॉ. आनंद सिंह राणा ने होटल श्रीराधा सिविक सेंटर में कही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रजनीश गुप्ता (सहायक महाप्रबंधक आयुध निर्माणी खमरिया), मुख्य वक्ता वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. आनंद सिंह राणा एवं समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन मंचासीन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतमाता, भगवान श्रीराम, नर्मदा जी एवं भगवान सहस्त्रबाहु के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम के प्रथम चरण में वक्ताओं ने विचार गोष्ठी को संबोधित किया। दूसरे चरण में सामजिक जनो का सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि सहायक प्रबंधक आयुध निर्माणी खमरिया रजनीश गुप्ता ने विचार गोष्टी को संबोधित करते हुए कहा हमारी धर्म परंपरा ने चार वर्णों के उल्लेख किया गया है यहां जाति व्यवस्था नहीं थी जो लोग जिस कार्य को अच्छे से और रुचि से करते थे उन्हें उस कार्य के आधार पर जाति से जोड़ दिया जाता था और यह सिर्फ पहचान के लिए था किंतु कालांतर में बाहरी आक्रांताओं ने देश पर कब्जा करने के उद्देश्य से जातिवाद को बढ़ावा दिया और लोगों के साथ-साथ महापुरुषों को भी बांट दिया।

कार्यक्रम में मुरारीलाल ताम्रकार, राजेश जायसवाल, सुबोध पैगवार, प्रदीप चौकसे, प्रमोद रामकृष्ण ताम्रकार, मनोज जसाठी, योगेश पैगवार, प्रमोद वर्मा, प्रीति ताम्रकार, प्रकाश ताम्रकार, लखन महलावर, नंदा ताम्रकार, अतुल ताम्रकार, सुधीर ताम्रकार, अभय ताम्रकार, अजय ताम्रकार, अनिल ताम्रकार, राजेन्द्र ताम्रकार, श्यामलाल मंजुलता ताम्रकार अभिषेक जसाठी, प्रतिभा पंडा, मोहन ताम्रकार, साकेत ताम्रकार, अमित गुप्ता, दिनेश शिवहरे, जायसवाल, ज्योति राय, रेखा चौकसे आदि का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. वाणी अहलूवालिया, आलोक पाठक, संजय यादव, प्रमोद पंडा, कौशल किशोर दुबे, नंदा वर्मा, रत्नेश मिश्रा, शैलेश साहू, कृष्णकुमार उमरे, संजय गोस्वामी, करोड़ीलाल अग्रवाल, सुरेश पांडे, परमवीर सिंह, कैलाश कोष्टा, पुनीत मिश्रा, विजय चौरसिया, मनीष शिवहरे, संदीप अग्रवाल, अतुल पांडे, प्रदीप पटेल, ओंकार रजक आदि बड़ी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित थे।

श्रीगुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व हर्षोल्लाष के साथ मनाया गया

जबलपुर, देशबन्धु। संस्कारधानी में सिख समाज ने रविवार को गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व मनाया। इस अवसर पर गोरखपुर गुरूद्वारे में नगर संकीर्तन निकाला गया। नगर संकीर्तन में सिख समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। जगह-जगह लगे मंचों पर नगर संकीर्तन का स्वागत किया गया। जिसमें नगर के प्रथम नागरिक महापौर जगत बहादुर अन्नू सिंह भी शामिल रहे। नगर संकीर्तन गोरखपुर गुरूद्वारे शुरू हुआ और शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सिविक सेंटर पहुंचा। जहां गुरूद्वारे में नगर संकीर्तन का समापन किया गया। संस्कारधानी में गोरखपुर गुरुद्वारा से नगर प्रधान रजिंदर सिंह, गुरदीप सिंह, सुरिंदर होरा ने नगर कीर्तन की शुरुआत की गई। जिसमें की मुख्य रूप से जबलपुर गुरुद्वारा मदन महल, गुरुद्वारा हाथी ताल, गुरुद्वारा, रांझी एवं खमरिया, गुरुद्वारा आदर्श नगर द्वारा एवं शहर के सभी अन्य गुरुद्वारा के प्रमुख लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्तिक पूर्णिमा हिंदूओं के साथ सिख धर्म के लिए भी बहुत खास होती है, क्योंकि इस दिन गुरु नानक देव का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इसे प्रकाश पर्व या गुरु पूरब के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व सिख समुदाय के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना गया है, क्योंकि इस दिन सिख धर्म के प्रवर्तक गुरु नानक देव जी का जन्म हुआ था। गुरु नानक जयंती पर गुरुद्वारे में अखंड पाठ, नगर कीर्तन आदि जैसे अनुष्ठानों का आयोजन किया गया।

गोरखपुर गुरुद्वारे से निकाला नगर संकीर्तन जुलूस

गुरु नानक जी का जन्म- गुरु नानक जी जन्म पाकस्तिान पंजाब प्रांत के तलवंडी में हुआ था। गुरु नानक जी की माता का नाम तृप्ता और पिता का नाम कल्याणचंद था। सिख धर्म के पहले गुरु होने के साथ-साथ उन्हें एक महान दार्शनिक, समाज सुधारक, धर्म सुधारक, सच्चा देशभक्त और योगी के रूप में आज भी याद किया जाता है। गुरू नानक देव जी के बचपन में ही कई तरह के चमत्कार देखने को मिले हैं। माना जाता है कि कि ईश्वर ने नानक जी को कुछ अलग करने के लिए प्रेरित किया था।

भारत सहित विदेशों में दिए उपदेश-गुरू नानक देव जी ने भारत के साथ ही विदेश में अफगानिस्तान, ईरान और अरब देशों में भी उपदेश दिए हैं। उनकी निजी जिंदगी की बात करें तो उनकी शादी 16 साल की उम्र में सुलक्खनी से शादी हुई। उनके दो बेटे श्रीचंद और लखमीदास हुए। गुरु पर्व का त्यौहार उनके जीवन की उपलब्धियों और विरासत का सम्मान करता है। गुरु नानक जी के अनुसार जप से चित्त एकाग्र हो जाता है, और आध्यात्मिक-मानसिक शक्ति मिलती है। मनुष्य का तेज बढ़ जाता है 'सोचै सोचि न होवई, जो सोची लखवार। चुपै चुपि न होवई, जे लाई रहालिवतार।' अर्थात ईश्वर के प्रति आस्था सिर्फ सोचने से नहीं होती, इसलिए नाम जपे। ईमानदारी से मेहनत कर जीवन यापन करना। गुरु नानक जी ने कहा था कि मेहनत से अर्जित किया धन अमीर की गुलामी से कई गुना बेहतर है। अपनी कमाई का कुछ हिस्सा दान में या दूसरे की भलाई के लिए खर्च करना। सिख इसी आधार पर आय का दसवां हिस्सा साझा करते हैं, जिसे दसवंध कहते हैं। इसी से लंगर चलता है। इस मौके पर मधु यादव (अर्जुन अवार्ड, पूर्व हॉकी कप्तान महिला इंडिया टीम), दीपक सेठी, गोरखपुर गुरुद्वारा से प्रधान राजेंद्र सिंह छाबड़ा, गुरदीप सिंह सलूजा, कुणाल छाबड़ा, राजू दुआ,अमित सिंह सलूजा, खुशी, सोनिया, सुप्रिया छाबड़ा, मिली माखन, शैली दुआ, कनक अडनानी, स्वीटी, निशा अंबानी, प्रभजोत, सिल्की, डिंपी छाबड़ा, अन्य समाज एवं अनेक लोगों ने सिख समाज के साथ अन्य समाज ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

संस्कारधानी में पहली सूर्या हाफ मैराथन का आयोजन

2024 लखनऊ में सेना दिवस पर समापन होगा

जबलपुर, देशबन्धु। पहले सूर्या हाफ मैराथन को 19 नवंबर को सूर्या कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि द्वारा जबलपुर में हरी झंडी दिखाई गई। मुख्यालय मध्य कमान के तत्वावधान में मध्य भारत क्षेत्र, जबलपुर द्वारा आयोजित हाफ मैराथन, कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का हिस्सा है, जो भारतीय सेना के मध्य कमान (जिसे सूर्या कमांड भी कहा जाता है) के जिम्मेदारी क्षेत्र लखनऊ में सेना दिवस 2024 के पहले आयोजित किया जा रहा है। बहुप्रतीक्षित सूर्या हाफ मैराथन में 3000 से अधिक सैन्य कर्मियों, पुलिस कर्मियों, फिटनेस प्रेमी, एनसीसी कैडेटों, महिलाओं और स्कूली बच्चों ने भाग लेकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

कोबरा ग्राउंड हाफ मैराथन

कोबरा ग्राउंड में शुरू हुई, हाफ मैराथन में तीन श्रेणियों 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी में पोडियम फिनिशरों के लिए आकर्षक पुरस्कार शामिल थे। जिसमें सभी आयु समूहों और विभिन्न फिटनेस स्तरों के लोगों को भाग लेने का अवसर मिला। धावकों ने छावनी के हरे और सुंदर वातावरण को पार किया, जिसमें जबलपुर में स्थित भारतीय सेना के प्रशिक्षण केंद्र भी शामिल थे। जहां भारतीय सेना के सैनिकों को युद्ध के लिए तैयार किया जाता है। धावकों को प्रेरित करने के लिए प्रभावशाली हथियारों और उपकरणों का प्रदर्शन भी किया गया।

इस प्रकार रहे परिणाम

ओपन में पुरुष वर्ग में पहला स्थान बंगारिया विक्रम भरत सिंह और महिला वर्ग में प्राजक्ता गोडबोले ने जीता। अनिल कुमार यादव और रिया राजेश राठौड़ ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में 10 किमी दौड़ जीती। 5 किलोमीटर दौड़ में सौरव अशोक तिवारी और मिताली दीपक भोयर ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में जीत हासिल की। प्रत्येक श्रेणी में हाफ मैराथन के पूरा होने के बाद पुरस्कृत किया गया। मध्य कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल मुकेश चड्ढा ने भी दौड़ में भाग लिया और धावकों का उत्साहवर्धन किया। हाफ मैराथन के दौरान युवाओं सहित जबलपुर के लोगों में काफी उत्साह दिखाया। महालक्ष्मी सुब्रमणि क्षेत्रीय अध्यक्ष ने हाफ मैराथन में प्रतिभागियों को प्रेरित किया। लेफ्टिनेंट जनरल एमके दास, जीओसी मध्य भारत क्षेत्र, जबलपुर, और एमके दास, पूर्व सैनिक, सैन्य कर्मियों के परिवार और अन्य गणमान्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे। ओलंपियन निशानेबाज और पद्मश्री सूबेदार मेजर जीतू राय और हमारे देश के कई खिलाड़ी जैसे बॉक्सर और एशियाई खेलों के पदक विजेता सूबेदार नरेंद्र बेरवाल, अर्जुन पुरस्कार विजेता मधु यादव, भी प्रतिभागियों को प्रेरित करने के लिए उपस्थित थे।

सेना दिवस 2024 लखनऊ में होगा

सूर्या हाफ मैराथन, सेना दिवस 2024 लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। सूर्या कमान एरिया ऑफ़ रिस्पांसिबिलिटी (एओआर) में कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का भाग है। मध्य भारत क्षेत्र के लोग इस बात पर गौरवान्वित हैं, कि यह पहली बार हैं, कि सेना दिवस लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। 76वें सेना दिवस 15 जनवरी, 2024 में औपचारिक सेना दिवस परेड और शाम को एक कॉम्बैट डिस्प्ले भी होगा। जहां भारतीय सेना की शक्ति विश्व भर को नज़र आएगी। आने वाले महीनों में भारतीय सेना रक्तदान अभियान, वृक्षारोपण, स्कूल आउटरीच कार्यक्रम, प्रेरक व्याख्यान और रक्षा उपकरण प्रदर्शन जैसी गतिविधियां भी आयोजित कर रही है जिनका समापन लखनऊ में सेना दिवस के साथ होगा।

बगलामुखी सिद्ध पीठ में सूर्य षष्टि पर विधिवत पूजन सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य आश्रम सिविक सेंटर मढ़ाताल में कार्तिक शुक्ल षष्टि सूर्य षष्टि के उपलक्ष्य में विधिवत पूजन संपन्न किया गया। अनेक भक्तों ने मिलकर भगवान भुवन भास्कर को अर्घ्य देकर सूर्य अर्चन भी किया गया। ब्रह्मचारी चैतन्यानन्द महाराज ने बताया कि भगवान सूर्य समस्त रोगों को नष्ट करने वाले हैं। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य की उपासना पर बड़ा जोर दिया गया है। ज्योतिष में जिसका सूर्य बलवान होता है, सब ग्रह निर्बल रहते हुए भी अनुकूल फल देने वाले हो जाते हैं, यह सूर्य षष्ठी त्रिदिवसीय कार्यक्रम माना जाता है, आज सायंकाल का अर्घ्य देकर भगवान अस्त होते सूर्य को नमस्कार किया जाता है, ऐसा करके व्यक्ति पूरे वर्ष भर रोगों से मुक्त हो जाता है। पूजन में उपस्थित आचार्य गौरीशंकर तिवारी, सदन तिवारी, डॉ हर्ष रिछारिया,

मधु यादव, शैलेन्द्र सिंह, दिव्या सिंह, हिमांशु यादव, अर्चना नामदेव, जय सिंह, साधन सिंह, राकेश, रूसिया एवं समस्त भक्तजन उपस्थित रहे।

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा भेड़ाघाट के लिए हर 15 मिनट में मिलेंगी बसें

नर्मदा भक्तों को किराए में 10 प्रतिशत की रहेगी छूट

जबलपुर, देशबन्धु। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा 27 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा को प्रातः 8.30 बजे पूज्य संत महात्मा एवं देश के शहीद परिवारों के सानिध्य में निकाली जाएगी। नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉक्टर सुधीर अग्रवाल एवं सचिन विश्वकर्मा के अनुसार एक दिन पहले सभी बसों की धुलाई होगी। नर्मदा भक्तों के लिए साफ बसे 100 से अधिक जिसमें मेट्रो चलो बस हर 15 मिनट में दमोह नाका, बलदेव बाग चौक, पनागर, बरेला के आसपास सभी क्षेत्रों से निकलेंगी। जिसका संगम तीन पत्ती चौक पर होगा ।तीन पट्टी चौक से हर 10 मिनट में शास्त्री ब्रिज दशमेश द्वार त्रिपुरी चौक मेडिकल से भेड़ाघाट के लिए मिलेगी जिसका किराया नर्मदा भक्तों को अपने पास से स्वयं चुकाना होगा।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्‌गति दे भगवान

हरीराम पटैल-अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मकान नम्बर 889, राम जी का बगीचा नऊआनारा, इंदिरा गांधी वार्ड, गढ़ा निवासी हरीराम पटैल का स्वर्गवास 18 नवम्बर को हो गया है। वे सुंदर पटेल, रामशंकर पटैल एवं राकेश पटैल के पिता थे। उनकी अंतेष्ठी चौहानी शमशान घाट गढ़ा में संपन्न हुई।

अशोक दानी- गुप्तेश्वर निवासी अशोक दानी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

सुभन्द्रा चौधरी- आचार्य विनोबा भावे वार्ड सिंधी सिंगल क्वाटर नं. 6 के पास निवासी हुब्बी लाल चौधरी की धर्मपत्नी सुभन्द्रा चौधरी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

इमरती बाई झारिया- गुजराती मोहल्ला गोरखपुर निवासी पूरन लाल झारिया की धर्मपत्नी श्रीमती इमरती बाई झारिया (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

प्रियांशु चौधर्री- बापू नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री धर्मेंद्र चौधरी के अल्पायु पुत्र प्रियांशु का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

केआर मोहनदासन- राजुल अपार्टमेंट मदनमहल निवासी केआर मोहनदासन (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्याम लाल चौधरी- रामहरख का बगीचा नेहरू वार्ड निवासी श्याम लाल चौधरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

जयंती चौकसे- नेता कॉलोनी अधारताल निवासी चंद्रपाल चौकसे कीधर्मपत्नी श्रीमती जयंती चौकसे (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

भीकम लाल कतिया- इंद्रा बस्ती गौराब तालाब के पास रतननगर निवासी भीकम लाल कतिया (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

मीन बहादुर- दाना बाबा सैनिक सोसायटी शक्तिनगर निवासी मीन बहादुर (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

अशीष गजभिये- आचार्य विनोबा भावे वार्ड पूर्वी करियापाथर निवासी प्रताप सिंह गजभिये के पुत्र आशीष गजभिये (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

सुख चैन उईके- बरसाना मोहल्ला गंगासागर रोड निवासी सुख चैन उईके (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

हीरा लाल रैकवार- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री हीरा लाल रैकवार (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

शांति बाई कोरी- सफेद कुआं पोलीपाथर निवासी राम सेवक कोरी की धर्मपत्नी शांति बाई कोरी (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

राम सेवक बेन- रामपुर बेन मोहल्ला निवासी श्री राम सेवक बेन (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

जानकी बाई ठाकुर- चांदमारी ओम कला मंदिर रोड लालमाटी निवासी श्री छोटे लाल ठाकुर की धर्मपत्नी जानकी बाई ठाकुर (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मुन्नी बाई रैकवार- खेरमाई वार्ड दुर्गा चौक निवासी तुलसी राम रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई रैकवार (62) का निधन हो गया।

अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

दैनिक राशिफल

सोमवार 20 नवम्बर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। कार्तिक शुक्लपक्ष अष्टमी। नक्षत्र-घनिष्ठा।

मेष आज आप में ताजगी और स्फूर्ति का अभाव रहेगा। स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी। अतः क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क आज के दिन आपको चिंता रहित और खुश रखेगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ विशेष समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलेगा।

वृषभ हाथ में लिए हुए काम समय पर पूरा न होने पर हताशा का अनुभव होगा। कार्य सफलता में थोड़ा विलंब होगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब होगा।

सिंह आज के दिन आप तन-मन से स्वस्थ रहेंगे। आपकी रचनात्मकता नया स्वरूप प्रदान कर सकेगी। प्रिय व्यक्ति के साथ की मुलाकात सुखद रहेगी।

मिथुन आज दिन की शुरुआत आरामदायक, प्रसन्नतापूर्वक और स्फूर्ति के साथ करेंगे। समूह भोजन का आयोजन करेंगे।

कन्या आज के दिन सभी कामों में प्रतिकूलता का अनुभव होगा। स्वास्थ्य खराब होगा। मन चिंताग्रस्त रहेगा। अनबन होने से अशांति रहेगी।

क.

तुला वर्तमान समय भाग्यवृद्धि का है। ऐसे में नए काम शुरू करने के लिए आज का दिन शुभ है। योग्य जगह पर पूंजी निवेश लाभदायक रहेगा।

मकर आज आप धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियों में ज्यादा व्यस्त रहेंगे। पूजा- पाठ या धार्मिक कामों के पीछे धन खर्च होगा। कम सफलता मिलने से हताशा पैदा होगी।

वृश्चिक पारिवारिक कलह-द्वेष का अवसर न आएं, इसका ध्यान रखें। पारिवारिक सदस्यों के साथ गलतफहमियों से बचें। मन में उत्पन्न नकारात्मक विचारों को दूर करें। मेल- मिलाप रहेगा।

कुंभ आज आप नए काम की शुरुआत या उसकी योजना बना सकेंगे। नौकरी या व्यवसाय में लाभ की प्राप्ति होगी। मित्र प्रगति में सहायक होगी।

धनु आज आपके निर्धारित काम में सफलता और आर्थिक लाभ की संभावना है। सपरिवार मांगलिक कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। तीर्थयात्रा पर जाने की संभावना है।

मीन नौकरी या व्यवसाय में सफलता मिलने तथा उच्च अधिकारियों के अच्छे व्यवहार से आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। व्यापारियों के व्यापार में वृद्धि होगी।

मा.

मैहर शारदा माता तीर्थक्षेत्र का जो वैभव दिख रहा है, उसमें प्रधान पुजारी देवी पांडे की थी महिती भूमिका: शुक्ल

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश के जनसंपर्क मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मैहर शारदा माता के प्रधान पुजारी देवी पांडे जी के निधन पर उनके निज निवास पहुंचकर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि मैहर आने वाले हर भक्त प्रधान पुजारी से आशीर्वाद लेकर अपने को धन्य महसूस करता था। मुझे हमेशा परिवार के सदस्य की तरह स्नेह करते थे, उनके देवलोक गमन पर मुझे अत्यंत ही दुख हुआ है। माता शारदा तीर्थ स्थान पर उन्होंने सेवा न्यास के माध्यम से समाज सेवा के कई प्रकल्प चलकर मैहर आने वाले हर तीर्थ यात्री को सुविधा मिले, उसके लिए प्रयास किया और सफल रह है। उनका व्यक्तित्व विराट और चुंबकीय था, आज मैहर शारदा माता तीर्थ क्षेत्र का जो वैभव दिख रहा है, उसमें उनकी माहिती भूमिका थी। हर दर्शनार्थ को स्नेहल स्पर्श से आशीर्वाद प्रदान करते थे, जब तक उनसे मुलाकात ना हो जाए तो बहुत श्रद्धालु इंतजार करते रहते थे। उनका देवलोक गमन हम सभी के लिए कष्ट कारक है। ईश्वर उन्हें श्री चरणों में स्थान दें और पूरे परिवार को उनके भक्तों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

संत नामदेव जयंती पर निकाली जायेगी शोभायात्रा

जबलपुर, देशबन्धु। संत शिरोमणि नामदेव महाराज की 753 वीं जयंती का मुख्य आयोजन गढ़ा फाटक नामदेव भवन में 23 नवंबर को आयोजित किया गया है। श्री नामदेव आश्रत ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट सुशीत नामदेव और नवयुवक सभा के प्रांतीय अध्यक्ष मनोज नामदेव ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि संत नामदेव जयंती पर 28 वां वर्ष है, शोभायात्रा की तैयारियां पूर्ण कर ली गई। संत की जयंती पर निकाली जाने वाली शोभायात्रा में संतों, धर्माचार्यों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। 23 नवंबर को संत नामदेव जयंती पर सुबह 11.30 बजे हवन-पूजन के उपरांत गढ़ाफाटक में संतों के उद्‌बोधन एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। शोभायात्रा जुलूस को भव्यता के साथ निकाले जाने एडवोकेट सतीश नामदेव, मनोज नामदेव, अनूप नामदेव, सोमनाथ नामदेव, एडवोकेट शैलेष नामदेव, यूर्सान्श नामदेव, गौरव नामदेव, आशा नामदेव, पूनम नामदेव, निर्मला नामदेव, सुजाता नामदेव आदि ने आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

शासकीय जमीन पर हो रहे अतिक्रमण तत्काल हटाए जाएं: संघ

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रांताध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि नगर निगम अधिकारी-कर्मचारी एवं लोक निर्माण विभाग की उदासीनता के चलते शासकीय आवासीय कॉलोनी, स्कूल, कॉलेज परिसर और उनके आसपास आये दिन कुछ ना कुछ अतिक्रमण होते रहता है।

इसके वाबजूद नगर निगम और न ही लोक निर्माण विभाग ना कोई अन्य विभाग आम जनता की शिकायत पर कार्रवाई करने से कतराते है। क्योंकि जिम्मेदार विभाग की उदासीनता के चलते यह अतिक्रमण होते हैं। इन अतिक्रमणकारियों पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की जाती है। जिससे इन्हें अतिक्रमण करने के लिए बल मिलता है।

संघ के जिलाध्यक्षबरॉबर्ट मार्टिन, जियाउरहीम, हेमंत ठाकरे, दिनेश गौंड़, राकेश श्रीवास, एनोस विक्टर, गुडविन चार्ल्स, सुधीर अवधिया, मनीष मिश्रा, धनराज पिल्ले, राजकुमार यादव, फिलिप अन्थोनी, सुधीर पावेल, विनोद सिंह, उमेश सिंह ठाकुर, सुनील झारिया, क्रिस्टोफर नरोन्हा, राजेन्द्र सिंह, रामदयाल उईके, अफरोज खान, देवेन्द्र पटेल, रऊफ खान, मनीष झारिया, गोपीशाह, रवि जैन, नेत राम, नीरज मरावी, वीरेन्द्र श्रीवास, विजय झारिया, सुनील स्टीफन, विनय रामजे, प्रदीप पटेल, रामकुमार कतिया, सरीफ अहमद अंसारी, आशीष कोरी, संतोष चैरसिया, एस.बी.रजक, सुखराम विश्वकर्मा आदि ने कमिश्नर तथा कलेक्टर से मांग की है, कि शासकीय परिसर, स्कूल, कॉलेज, शासकीय कॉलोनी और उसके आसपास हो रहे अवैध अतिक्रमण को शीघ्र रोके जाने, तत्काल हटाए जाने के लिए नगर निगम एवं राजस्व विभाग को निर्देशित करें।

साथ ही इसके लिए गाइड लाइन तैयार कर समय-समय पर निरीक्षण किया जाऐं।

रसल चौक स्थित होटल में चले बम, सीसीटीवी फुटेज आया सामने

पुलिस नकाबपोश बदमाशों की कर रही तलाश

जबलपुर, देशबन्धु। ओमती थाना अंतर्गत रसल चौक बराड स्थित एक आलीशान होटल में 17 नवंबर की देर रात दो वाहनों में सवार 6 नकाबपोश बदमाशों ने बमबाजी कर दी। और भाग निकले। सूत्रों से जानकारी के अनुसार इस होटल में जय घनघोरिया साझेदार हैं। उल्लेखनीय है कि 17 नवंबर को पूर्व विधानसभा क्षेत्र के बाई का बगीचा इलाके में मतदान के दिन भाजपा व कांग्रेस समर्थकों में जमकर टकराव हुआ था। जिसमें फायरिंग, बमबाजी और पत्थरबाजी भी हुई थी।

जानकारी के अनुसार 17 नवंबर मतदान की शाम बाई का बगीचा स्थित कांग्रेस के पूर्व पार्षद राममोहन गुप्ता कल्लन के कार्यालय में कांग्रेस व भाजपा समर्थकों के बीच विवाद हुआ था। जिसमें फायरिंग, बमबाजी और पत्थर चलाये गये थे। इस घटना में कांग्रेस के दो कार्यकर्ता, भाजपा प्रत्याशी अंचल सोनकर, नरेन्द्र वर्मा, व एक अन्य युवक और एएसआई घायल हुये थे। घटना के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के रिपोर्ट पर मामले को जांच में लिया है। लेकिन रात होते-होते ओमती थाना क्षेत्र के रसल चौक इलाके के बराट स्थित एक होटल में 17 नवंबर की रात 6 नकाबपोश युवकों ने पहले रेकी की उसके बाद देर रात को बमबाजी की घटना को अंजाम दे दिया। सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि दो वाहनों में 6 नकाबपोश बदमाश पहले होटल के अंदर घुसे। उसके बाद बाहर निकल कर बमबाजी की। इस घटना की तह तक जाने पर पता चला कि कुछ माह पहले इस होटल का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने किया था। और इस होटल में पूर्व विधानसभा क्षेत्र के लखन घनघोरिया के छोटे भाई जय घनघोरिया साझेदार हैं। होटल में बम चलने की सूचना होटल के स्टाफ ने अपने वरिष्ठों को दी। जिसके बाद ओमती थाना में इस घटना की सूचना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

राजनीतिक विवाद को बनाया निजि

सूत्रों से जानकारी के अनुसार बाई का बगीचा में भाजपा-कांग्रेस के समर्थकों में हुये विवाद में जय घनघोरिया पर भी आरोप लगे थे। होटल में बमबाजी की घटना को इस विवाद से जोड़कर भी पुलिस देख रही है। ऐसा भी माना जा रहा है कि राजनीतिक विवाद को निजि करते हुये होटल संचालक को आर्थिक क्षति पहुंचाने की कोशिश की गई है। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में शिकायत दर्ज कर नकाबपोश बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

चरित्र संदेह पर महिला की सिर में पत्थर पटक हत्या

जबलपुर, देशबन्धु। सिविल लाईन थाना अंतर्गत छुई खदान क्षेत्र में एक पति ने चरित्र संदेह के चलते अपनी पत्नि की सिर में पत्थर पटक कर हत्या कर दी। और फरार हो गया। पुलिस को आरोपी पति की तलाश है। घटना के संबंध में सिविल थाना प्रभारी धीरज कुमार राज ने बताया कि छुई खदान निवासी शारदा सिंह ठाकुर अपनी पत्नि अंगूरी बाई के चरित्र पर संदेह करता था। इसके पूर्व में भी शारदा सिंह का अपनी पत्नि से विवाद हुआ था। रविवार की बीती रात दोनों सिविल लाईन से छुई खदान अपने घर जा रहे थे। रास्ते में शारदा सिंह ने विवाद करते हुये अंगूरी बाई से मारपीट कर दी। जिससे अंगूरी बाई जमीन पर गिर गई। जिसके बाद शारदा ने वहीं बड़ा पत्थर उठाकर अंगूरी के सिर पर पटक कर उसे मौत के घाट उतार दिया। और मौके से फरार हो गया। वहां के राहगीरों ने पुलिस को घटना की सूचना। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को तत्काल शासकीय अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद अंगूरी बाई को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना के संबंध में आसपास के लोगों से पूछताछ की। जिसमें पता चला कि मृतक महिला अंगूरी बाई अपने पति शारदा सिंह के साथ छुई खदान में रहती है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार पति की तलाश शुरू कर दी है।

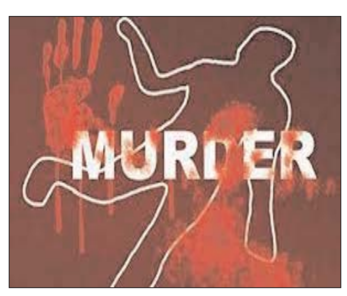

जुए के फड़ों पर छापा, 32 जुआरी गिरफ्तार, 33 हजार 790 रूपये जप्त

जबलपुर, देशबन्धु। शहर के तीन थाना थाना क्षेत्रों गढ़ा, सिविल लाईन और संजीवनी नगर में पुलिस ने छापा मारकर एक दर्जन से अधिक जुआरियों को पकड़ा है। इस संबंध में गढा थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि बीती रात सूचना मिली कि एसएमजी मैरिज हॉल सूपाताल में लगी लाईट की रोशनी में कुछ जुआरी जुआ खेल रहे हैं। पुलिस ने सूचना पर मौके पर दबिश दी। जहां जुआरी पुलिस को देखकर भागने लगे। जिन्हें पकड़ा गया। जिन्होंने पूछताछ में अपने अपने नाम क्रमशः समीर चावड़ा निवासी पंसारी मोहल्ला, गोरखपुर, जनरैल सिंह निवासी पावन भूमि सैनिक सोसायटी, अभिनव शिवहरे निवासी शक्तिनगर, तेजिन्दर कपूर निवासी कृपाल चौक मीनाक्षी अपार्टमेण्ट, कार्तिक गुप्ता निवासी 90 क्वाटर शक्तिनगर, अवधेश सिंह ठाकुर निवासी शक्तिनगर, शाश्वत सिंह तोमर निवासी गुप्तेश्वर मंदिर के पास गोरखपुर, प्रियांश जैन निवासी साई बरात घर के पास शक्तिनगर, सचिन चौकसे निवासी जॉनसन टावर गोरखपुर, विजय तिवारी निवासी एमपीईबी कॉलोनी रामपुर गोरखपुर, रौनक राजपूत निवासी शक्तिनगर, अनुराग नागेश निवासी एलआईसी इंद्राबस्ती, रोहित यादव निवासी शारदा मंदिर के पास गढ़ा, विकल शर्मा निवासी नवनिवेश कॉलोनी संजीवनीनगर बताये। पुलिस ने जुआरियों के विरूद्ध जुआ एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

इसी प्रकार सिविल लाईन थाना प्रभारी धीरज कुमार राज ने बताया कि बीती रात पुलिस को सूचना मिली कि पावर हाउस के पास अलग-अलग जगह पर कुछ जुआरी जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी। जहां पावर हाउस के पास बिजली के खम्बे के नीचे

चार थाना क्षेत्र में की गई कार्रवाई

जुआरी जुआ खेलते दिखे। पुलिस ने जिन्हे घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में जुआरियों ने अपने नाम कार्तिक रजक निवासी बस्ती नम्बर 2 नर्मदानगर गोहलपुर, रोहित कोल निवासी कुदवारी अमखेरा, अधारताल, दीप गोस्वामी निवासी जाग्रतीनगर अमखेरा गोहलपुर, मोहम्मद शाह नवाज निवासी बगीचा नम्बर 98 लियो कम्पाउण्ड केण्ट, जागेश्वर सिंह निवासी नेहरूनगर पुल नम्बर 2 अन्ना बस्ती केण्ट बताये।

इसी प्रकार पावर हाउस कॉलोनी रोड के बाजू में दबिश देते हुये पुलिस ने सौरभ ठाकुर निवासी बस्ती नम्बर 2 गोहलपुर नर्मदानगर, विजय मिश्रा निवासी अमखेरा रोड मालगुजार परिसर गोहलपुर, प्रकाश गुप्ता निवासी अमखेरा रोड बस्ती नम्बर 2 गोहलपुर प्रदीप साहू निवासी पावर हाउस के पास सिविल लाईन को जुआ मन्ना खेलते हुये पकड़ा है। वहीं धर्मशाला के पीछे कॉलोनी में पुलिस ने दबिश देते हुये अभिषेक दास निवासी ईसाई कब्रिस्तान के बाजू वाली गली घमापुर, विरेन्द्र सोनकर निवासी इंद्रामार्केट पावर हाउस के पास, अभिषेक कुचबंधिया निवासी शीतलामाई तेल मिल घमापुर, विनोद शर्मा निवासी धनवंतरीनगर पूजा होम्स संजीवनीनगर, शनि शर्मा निवासी अंचल नगर छुई खदान को जुआ खेलते हुये दबोचा है।

संजीवनी नगर में जुआरी धराये

इसी तारतत्मय में संजीवनी नगर थाना में पुलिस को सूचना मिली कि कुछ जुआरी रेल्वे लाईन के किनारे जुआ खेल रहे हैं। जिसमें पुलिस ने मौके पर दबिश देते हुये सुमंत बर्मन, रोहित यादव, खीरसागर पटेल, दिलराज पटेल को ताश पत्तों पर रूपयों की हारजीत का दाव लगाकर जुआ मन्ना खेलते हुये पकड़ा है। पुलिस ने जुआरियों के पास एवं फड़ से ताश के 52 पत्ते एवं 2 हजार 280 रूपये जप्त किये गये।

सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी

जबलपुर,देशबन्धु। तिलवारा थाना में रविवार की दोपहर में अमरीश पुरी गोस्वामी उम्र 38 वर्ष निवासी शाहनाला बस्ती थाना तिलवारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह धनवंतरी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रेस्टोरेंट चलाता है। उसकी पत्नी एक सप्ताह पूर्व स्वास्थ्य खराब होने की वजह से इलाज के लिये जिला अस्पताल छिंदवाडा में भर्ती है।

वह 17 नवंबर की रात 9 बजे घर पर ताला लगाकर अपने बच्चों को लेकर अपने रेस्टोरेंट धनवतरी नगर चला गया था। 17 नवंबर की देर रात घर वापस आया बाउंडरी वाल में लगे गेट का ताला खोल कर अंदर जा कर देखा तो घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। कमरे के अंदर रखी अलमारी के लॉकर का ताला टूटा हुआ व सामान बिखरा हुआ था अलमारी के लाकर में रखा सोने का पुराना मंगलसूत्र एक तोले का, कुछ नगदी रूपये गायब थे। कोई अज्ञात चोर सूने मकान का ताला तोड़कर घर के अंदर घुसकर जेवर एवं नगदी रूपये चोरी कर ले गया है। पुलिस ने रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

जेल में बंद कैदी की उपचार के दौरान मौत

जबलपुर, देशबन्धु। सिविल लाईन थाना में जेल प्रहरी अनुराग शर्मा उम्र 53 वर्ष केन्द्रीय जेल जबलपुर ने लिखित सूचना दी कि विचाराधीन बंदी दयाराम सिंह पिता सुखलाल सिंह उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम हिरौला थाना मानपुर जिला उमरिया को अपराध क्रमांक 511/23 धारा 147, 148, 149, 188, 114, 115, 117, 294, 307, 323, 342, 352, 332, 333, 337, 325, 327, 506, 506, 120 बी भादवि में न्यायालय उमरिया द्वारा जेल वारण्ट 27 सितंबर के तहत जिला जेल उमरिया में दाखिल कराया गया था। उक्त विचाराधीन बंदी को उपचार के लिये 2 नवंबर को जिला जेल उम्ररिया के जेल बल की अभिरक्षा में उपचार के लिये मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। मेडिकल कॉलेज में 2 नवंबर से लगातार उपचरार्थ भर्ती विचाराधीन बंदी दयाराम सिंह की दौरान उपचार के रविवार सुबह लगभग 9-50 बजे मृत्यु हो गयी है। सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है।

आज सोमवार- बिना हैल्मेट गाड़ी चलाने वालों पर होगी चालानी कार्रवाई

जबलपुर, देशबन्धु। जिले में सड़क दुर्घटनाओं एवं सड़क दुर्घटना में मृत्यु/घायल की संख्या को कम करने के लिये पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह के निर्देशानुसार ऐसे दुपहिया वाहन चालक जो हेलमेट धारण कर वाहन चालन नहीं करते हैं, ऐसे वाहन चालकों पर पुलिस द्वारा प्रत्येक सोमवार को विषेश हेलमेट अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के तहत दो पहिया वाहन चालक जो बिना हेलमेट वाहन चलाते पाये जायेंगे, उन पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। पुलिस अधीक्षक ने संस्कारधानी वासियों से अपील की है कि दो पहिया वाहन चलाते समय व सवार होते समय सिर पर हमेशा आईएसआई मार्क वाला हेलमेट अवश्य धारण करें, तथा चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बैल्ट अवश्य पहनें।

पुलिस कर्मी का मोबाइल लूटकर भागा बदमाश गिरफ्तार, साथियों की तलाश

जबलपुर, देशबन्धु। शारदा नगर रांझी में पुलिस कर्मी अजय गुरुंग का मोबाइल फोन लूटकर भागे बदमाश को गिरफतार कर लिया गया है। वहीं उसके साथियों को पकड़ने के लिए पुलिस की टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार 6वीं बटालियन एसएएफ रांझी में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ अजय गुरूंग उम्र 52 वर्ष मोटर साइकिल से रात 11 बजे के लगभग अपने बेटे शुभम के साथ शारदा नगर से अपने घर जाने के लिए निकला. जब वह पानी की टंकी के पास रामनगर के सामने से गुजर रहा था. इस दौरान व्हीकल मोड़ की ओर से आए मोटर साइकिल सवार तीन लड़कों में एक ने पुलिस कर्मी अजय गुरुंग को धक्का देकर गिराया और मोबाइल फोन लूट कर भाग निकले। पुलिस कर्मी अजय गुरुंग उनके बेटे शुभम व पान वाले ने पीछा कर एक लुटेरे को तो पकड़ लिया। वहीं दो आरोपी भागने में सफल रहे। पकड़े गए लुटेरे संदीप अहिरवार उम्र 21 वर्ष निवासी चौधरी मोहल्ला मड़ई रांझी को पुलिस के हवाले किया गया. जहां पर पूछताछ में संदीप अहिरवार ने अपने दो साथियों के नाम बताए, जिन्हे पकड़ने के लिए पुलिस की टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

एनकेजे फाटक के पास चल रहा था जुआफड़

कटनी, देशबन्धु। रेल ईकाई जबलपुर के क्षेत्रातंर्गत प्लेट फार्म, रेलवे कालोनी व चलित ट्रेनों के माध्यम से हो रहे अवैधानिक रूप से नगदी रुपयों के आवागमन एवं अवैधानिक गतिविधि के विरूद्ध मध्य प्रदेश चुनाव आयोग व्दारा चलाई जा रही मुहिम के तहत पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर शिमाला प्रसाद एवं एएसपी इसरार मंसूरी, डीएसपी रेल लोकेश मार्को से मिले निर्देशों के पालन में एएसपी रेल कटनी सारिका पाण्डेय के मार्गदर्शन मे चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना प्रभारी निरीक्षक अरूणा वाहने

पांच जुआड़ियों से नगदी मोबाइल समेत 62400 रूपये की जब्ती

जीआरपी थाना कटनी एवं जीआरपी थाना कटनी के स्टाफ का नेतृत्व थाना प्रभारी जीआरपी कटनी निरीक्षक अरूणा वाहने द्वारा किया जा रहा है। 18 नवंबर को निरीक्षक अरूणा वाहने, एसआई अजय सिंह धुर्वे, प्रधान आरक्षक अनुराग तिवारी, अजय श्रीवास्तव, आरक्षक मुकेश पान्डेय को सूचना मिली कि एनकेजे कटनी फाटक के पास 5-6 लोग तास के पत्तों पर पैसा लगा कर हारने जीतने का जुआ खेल रहें है। पुलिस टीम ने मौके से उमेश कुमार पटेल पिता नत्थू लाल पटेल उम्र 38 साल निवासी ग्राम नयागाँव एनकेजे थाना एनकेजे, मुन्ना शुक्ला उर्फ मणीशंकर शुक्ला पिता श्रीराम शुक्ला पिता उम्र 49 साल निवासी गायत्री नगर, अंशु खटीक पिता अशोक खटीक उम्र 25 साल निवासी गायत्री नगरस, अरूण कुमार वंशकार पिता रामजी वंशकार उम्र 26 साल निवासी उडिया मोहल्ला तथा छोटू राजपाल पिता रामलाल राजपाल उम्र 29 साल निवासी ग्राम पड़रिया थाना एन के जे को गिरफ्तार कर उनके पास से 21 हजार 400 रुपए जब्त किए गए। मुन्ना शुक्ला उर्फ मणिशंकर शुक्ला के पास एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल कीमती 13000/- रूपये का एवं आरोपी अंशु खटीक के पास के एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल कीमती 16,000/- रूपये एवं आरोपी छोटू राजपाल के पास से एक रेडमी नोट 8 कंपनी का मोबाइल कीमती 12,000/- रूपये का मौके से कुल कीमती 62400/ रूपये का मशरूका जप्त किया गया।

विक्षिप्त अधेड़ ने लगायी फांसी

जबलपुर, देशबन्धु। बेलखेड़ा थाना में अभिषेक मेहरा निवासी ग्राम कुटरी ने सूचना दी कि उसके पिता नंदकुमार मेहरा दिमागी रूप से विक्षिप्त हैं घर से बिना बताये कहीं भी चले जाते थे। घर से चले गये थे जिनकी सूचना थाना में दी थी। ो उसे गांव में पता चला कि कुटरी के जंगल में किसी व्यक्ति ने फांसी लगा ली है उसने जाकर देखा उसके पिता पेड़ से रस्सी से फांसी लगाकर खत्म हो गये थे। सूचना पर पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम के लिये भिजवाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

ग्रामीणों ने दहशत, खेत जाने से डर रहे किसान, अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

बरही में बाघ का आतंक, दो जानवरों को बनाया निवाला

कटनी, देशबन्धु। बरही के ग्राम बगहैया में पिछले चार दिनों से बाघ का आतंक बना हुआ है।

इस दौरान बाघ दो जानवरों को अपना निवाला बना चुका है। ग्रामीणों में इतना खौफ है कि वो दहशत में अपने खेत तक नहीं जा पा रहे हैं। बाघ के आतंक की जानकारी लोगों ने प्रशासनिक और वन विभाग के अधिकारियों को दे दी है परंतु अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। बताया जाता है कि बाघ लोगों के घरों के पास तक पहुंच जा रहा है और घरों के आंगन में घूमने वाले गाय बछड़ों को खा रहा है। लोगों को इस बात का डर सता रहा है कि कहीं बाघ ग्रामीणों पर हमला न करने लगें। बगहैया ग्राम में रहने वाले बुजुर्ग जवाहर ने बताया कि विगत दिवस बाघ घर के पास तक आ गया और उसने बछड़े को खा लिया। बाघ के कारण हम लोग अपने खेत तक नहीं जा पा रहे हैं। शासन-प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा, कोई आता ही नहीं है। फारेस्ट अधिकारी भी नहीं आते हैं। एक अन्य युवक देवेन्द्र पटेल ने बताया कि दो दिन पहले तालाब के पास भी देखा गया। प्रशासन को सूचना दी गई थी। कुछ अधिकारी आये, देखने सुनने के बाद चले गए। तीसरे दिन फिर एक बछड़े को खा लिया।

दुकान की शीट तोड़कर दुकान में चोरी

जबलहपुर, देशबन्धु। रांझी थाना में रविवार दोपहर में आन मोहम्मद खान उम्र 28 वर्ष निवासी मेन रोड़ नगर निगम आफिस के सामने रांझी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि अपने घर के बगल में सिलाई मशीन बेचने की दुकान चलाता है। बीती रात लगभग 9 बजे दुकान बंद करके घर जाकर खाना खाकर सो गया था।

रविवार की सुबह जाकर देखा तो दुकान के पीछे का दरवाजा खुला था ऊपर की शीट टूटी हुयी थी दुकान में जाकर देखा तो दुकान में बेचने के लिये रखी हुयी सिलाई मशीन नहीं थी, दुकान में लगा सीसीटीवी कैमरा चैक किया तो करीबन 2 बजे कुछ लोग दुकान के अंदर आते दिख रहे थे दुकान में रखी हुयी इकरा कंपनी की 14 सिलाई मशीन, लक्ष्मी कंपनी की 2 सिलाई मशीन, टाईशन कंपनी की 1 सिलाई मशीन, उषा कंपनी की 3 सिलाई मशीन कीमती लगभग 90,000 रूपये की गायब थी। कोई अज्ञात चोर दुकान मे रखी 20 सिलाई मशीने चोरी कर ले गया है रिपोर्ट पर धारा 457, 380 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

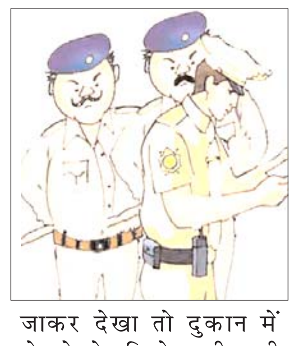

गारंटी पीरियड में ही दम तोड़ रही पुरवा से पटपरा सड़क

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से 30 लाख की लागत से मनाई गई थी 1.5 किलोमीटर सड़क

बरेला, देशबन्धु। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत पुरवा सेपटपरा होते हुए 4 वर्ष पूर्व 30 लाख की लागत से लगभग1.5 किलोमीटर लंबा मार्ग ग्राम पटपरा तक बनाया गया है। वर्तमान में यह रोड गारंटी पीरियड में होने के बावजूद ठेकेदार द्वारा मेंट नेंस ना करने के कारण दम दम तोड़ रही है

सड़क से झांक रही हैं गिट्टियां- ठेकेदार द्वारा बारिश पश्चात रोड में सील कोट ना किए जाने के कारण रोड में बड़ी-बड़ी नुकील गिट्टीया स्पष्ट झांक रही हैं रोड में अनेकों जगह गड्ढे हो गए हैं रोड में डामलका नामोनिशान तक नहीं है।

गायब है सोल्डर पट्टी- 1. 5 किलोमीटर लंबे मार्ग में दोनों और नियमानुसार हार्ड मोरम की सोल्डर पट्टी बनाना आवश्यक है ताकि बारिश के दौरान पानी रोड में ना भरे और रोड की सुरक्षा बनी रहे किंतु ठेकेदार द्वारा सोलडर पट्टी नहीं बनाई गई है

मेंटेनेंस दर्शाने के लिए लगे हैं केवल बोर्ड- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना मेंमेंटनेंस के दौरान घास एवं झाड़ियों को काटना ,रेन कटर बनाना, सोल्डर का संधारण ,क्रेकहोल एवं क्रेक भरना, सड़क किनारे नाले को संधारण, पुलियों की रंगाई -पुताई साल भर में एक या दो बार करना नितांत आवश्यक है किंतु यह सब केवल दर्शने वाले बोर्ड लगाकर विभाग अपनी इतिश्री कर रहा है जबकि हकीकत में वास्तविकता से कोसों दूर है स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों एवं ठेकेदार की मिलीभगत से रोड मे मेंट नेंस कीकेवल खानापूर्ति की जा रही है जिसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री सड़क योजना के उच्च अधिकारियों से कोसमघाट बलहवारा मार्ग का औचक निरीक्षण करने की मांग की है।

मझौली में गुमशुदा व्यक्ति की तालाब में मिली लाश

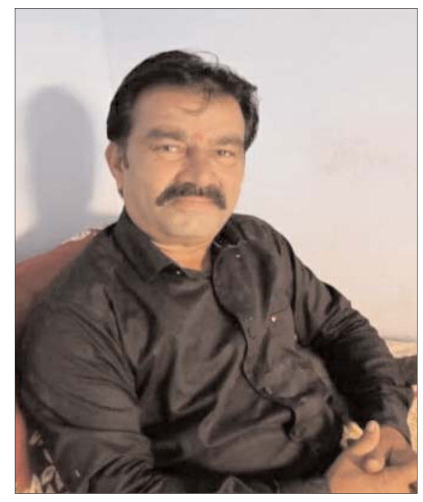

मझौली, देशबन्धु। मामला थाना मझौली के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 2 का है मृतक का भाई रामेश्वर नामदेव द्वारा पुलिस थाना मझौली मैं बताया गया कि मेरा भाई हरिहरशरण नामदेव उर्फ पेन्टर पिता बाबूलाल नामदेव उम्र 50 वर्ष निवासी वार्ड नं. 02 मझौली थाना मझौली जिला जबलपुर जो दिनांक 17/11/23 के शाम करीब 05/00 बजे विवरण- मैं वार्ड नं. 02 मझौली में रहता हूँ टेलरिंग का काम करता हूँ।

मेरा छोटा भाई हरिहरशरण नामदेव पेन्टिंग का काम करता है कभी कभी शराब का सेवन भी करता है दिनांक 17/11/23 को शाम 05/00 बजे घर से निकला था इसके बाद रात 09/00 बजे तक वापस घर नही पहुँचा तो मैने उसको फोन किया जो नशे की हालत में बोला की आ रहा हूँ। रात 10/30 बजे फिर से फोन लगाया जो नीलेश सोनकर निवासी मझौली ने फोन उठाया और बताया कि ये मोबाईल मुझे दुर्गा घाट मझौली पर पड़ा मिला है। जो उससे मैं मोबाईल ले आया। इसके बाद आस पास एवं रिश्तेदारी में फोन लगाकर पता किया परन्तु अभी तक कोई पता नही चला हुलिया रंग गोरा, लम्बाई 05 फुट, काले रंग की शर्ट एवं जीन्स पेंट पहना है। कि रिपोर्ट पर गुमइंसान कायम कर जांच मे लिया गया। पुलिस द्वारा मामले को संज्ञान में लेकर गुमशुदा की तलाश जारी की गई जिस जगह पर गुमशुदा का मोबाइल पाया गया है उसी जगह पर मझौली थाना प्रभारी द्वारा जांच कराई गई जांच में उसे व्यक्ति की लाश तालाब में पाई गई जिससे मृतक की पहचान की जा चुकी है मृतक को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल मर्चुरी भेजा गया पुलिस द्वारा मामले की जाँच की जा रही।

सार-समाचार

खड़ी बाइक को चालू करते समय लगी आग, धू-धूकर जली, हुई खाक

छतरपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के छतरपुर शहर के छत्रसाल चौराहे में एक खड़ी बाइक में आग लगने का मामला सामने आया है। इससे बाइक पल भर में धू-धू कर जलने लगी। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड ने आग को बुझाया। तब तक बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो गई थी।

जानकारी के मुताबिक, घटना शनिवार देर रात शहर के छत्रसाल चौराहे की है। जहां बाइक चालक और प्रत्यक्षदर्शी शिवम पटेल ने बताया कि वह झमटुली बर्द्वहा का रहने वाला है। वह उसके दो साथियों सुखलाल प्रजापति और मनोज पटेल के साथ छतरपुर स्थित मनोज के कमरे पर बाइक से जा रहे थे। तभी वह रास्ते में बंद हो गई, जिसे वह चालू कर रहे थे। लेकिन वह चालू नहीं हो रही थी। इसी बीच एक अंकल आए, उन्होंने बाइक चालू करने के लिए अलग-अलग प्रयोग किए। तेल की पाइप निकाली, चोक दबाई और प्लग निकाला। इस दौरान बाइक की टंकी से पेट्रोल भी गिर गया। बाइक चालू की तो उसमें चिंगारी से आग लग गई। हम लोग बुझाना चाह रहे थे, तौलिया से भी बुझाया पर नहीं बुझी। आग ने भयानक रूप ले लिया तो हम लोग दूर भाग खड़े हुए।

शिवम ने बताया कि बाइक उनकी नहीं है किसी और व्यक्ति की छतरपुर तक मांगकर लाए थे। हम तीनों और अब उसमें आग लग गई है। एक तो बाइक हमारी नहीं दूसरे की है और वह भी जल गई।

बांधवगढ़ में आदिवासी महिला सीएचओ से चुनाव ड्यूटी के दौरान छेड़छाड़

सेक्टर मजिस्ट्रेट पर केस दर्ज

उमरिया, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र 89 के आकाशकोट इलाके में सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में एसडीओ पीआईयू पंकज गुप्ता को नियुक्त किया गया था। उनके सेक्टर में पांच पोलिंग बूथ पठारी कला, धवईझर, माली और तुम्मादर शामिल थे। इसी क्षेत्र में ग्राम बड़वार में पदस्थ 25 वर्षीय आदिवासी महिला सीएचओ निवासी थाना मानपुर क्षेत्र की डियूटी मेडिकल सुविधा के लिए लगाई गई थी। इसी दौरान पंकज गुप्ता ने बीमारी का बहाना बना कर महिला सीएचओ को बुलाया और छेड़खानी की। इस घटना की शिकायत पर सेक्टर मजिस्ट्रेट के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, 17 नवंबर को मतदान के दौरान दिन में लगभग ढाई बजे पोलिंग बूथ तुम्मादर में सेक्टर मजिस्ट्रेट पंकज गुप्ता ने एएनएम को फोन कर बुलाया। फिर कहा कि हमारी तबीयत खराब लग रही है, हमको दवा चाहिए। जबकि सीएचओ पोलिंग बूथ क्रमांक 160 पठारी कला में थीं। फोन आते ही वह तत्काल तुम्मादर पहुंचीं, जहां पोलिंग बूथ के बगल वाले कमरे में सेक्टर मजिस्ट्रेट पंकज गुप्ता लेटे हुए थे। उन्होंने कहा कि हम मोबाइल में दवा सर्च किए हैं, इसको देख लो। सेक्टर मजिस्ट्रेट के इतना कहने पर वह जैसे ही मोबाइल देखने को झुकीं तो एसडीओ पंकज गुप्ता सेक्टर मजिस्ट्रेट ने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ कर अपनी तरफ खींच लिया। इसके कारण वह उनके ऊपर गिर गईं, तब पंकज गुप्ता से वह बोलीं कि सर आप ये क्या कर रहे हैं। इस पर पंकज गुप्ता बोले कि तुम्हारे विभाग में ये सब चलता है, क्यों परेशान हो। तब महिला सीएचओ किसी तरह अपने आप को छुड़ा कर वहां से चिल्लाते हुए बाहर की तरफ भागीं। फिर अपने साथी सीएचओ संजीव उइके को फोन से सूचना दी। इसके बाद संजीव द्वारा तत्काल सीएमएचओ डॉक्टर आरके मेहरा को खबर दी गई। खबर मिलते ही सीएमएचओ तुम्मादर पहुंचे और सीएचओ को अपनी गाड़ी से उमरिया ले आए।

टीआई कोतवाली राजेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि पीड़िता ने सारी घटना बताई। उसके बाद कोतवाली थाने में अपराध क्रमांक 647 पर धारा 354 आईपीसी और एससी एसटी एक्ट 3(2)(ङ्क) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

बढ़े हुए वोट प्रतिशत पर मंथन का दौर शुरू

राजनीतिक गलियारों में हार-जीत का गणित लगा रहे कार्यकर्ता

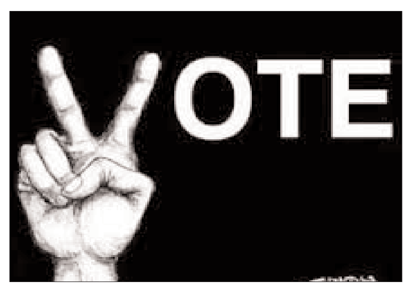

गांधीग्राम, देशबन्धु। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद अब मतदाता, पार्टी और प्रत्याशियों सभी को प्रतीक्षा है तीन दिसंबर की, जब जनादेश सामने आएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत के आधार पर राजनीतिक दल जीत-हार का अपना-अपना गणित लगा रहे हैं, इस पर मंथन का दौर जारी है। वर्तमान में राजनीतिक गलियारों में मतदान में बढ़े हुए वोट प्रतिशत को लेकर जीत हार के गणित पर मंतव्य चालू हो गया है। लगभग 80 प्रतिशत अधिक मतदान होने पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह वर्तमान सत्ता पक्ष के विरोध में मतदान हुआ है लोगों ने उत्साह से वोट किया,इस कारण वोट प्रतिशत बढ़ा है कांग्रेसियों का कहना है कि यह परिवर्तन की लहर है।

वहीं भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि लाडली बहना वा केन्द्र एवम राज्य सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर मतदाताओं ने जागरूकता दिखाते हुए उनके पक्ष में मतदान किया है इसका लाभ उनके प्रत्याशी को मिलेगा। विधानसभा प्रत्याशियों का भाग्य वोटिंग मशीन में कैद है जो 3 दिसंबर को खुलेगा जिससे प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा।फिलहाल हर गली, मोहल्ले में अपने अपने प्रत्याशियों को लेकर राजनैतिक दलों के कार्यकर्ता जीत की उम्मीद जता रहे हैं।

ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

अनूपपुर, देशबन्धु। शनिवार-रविवार की रात्रि खलिहान से ट्रैक्टर में वापस घर ने लौट रहें किसान कि बंजारीतालाब की मेढ़ में अनियंत्रित होकर पलट गया जिससे किसान ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। पुलिस रविवार को शव का पोस्टमार्डम उपरांत बाद अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौप कर जांच प्रारंभ की। जानकारी अनुसार जिले के जैतहरी थाना अंतर्गत जैतहरी नगर के बंजारीटोला में शनिवार-रविवार की रात्रि किसान 35 वर्षीय विष्णु पिता कल्लू बैगा खलिहान से धान की करही को साफ कर ट्रैक्टर से वापस लौट रहा था जहां बंजारी तालाब की मेढ़ में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया जिससे ट्रैक्टर चला रहें विष्णु बैगा की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर जैतहरी पुलिस रविवार को घटनास्थल पर पहुंच कर पंचनामा की कार्यवाही कर शव का पोस्टमार्डम करा अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौप कर जांच प्रारंभ की।

ठेल नदी के ऊपर बाइक चालक को बचाने के चक्कर में नीचे गिरी कार

अमरवाड़ा, देशबन्धु। एन.एच.ए.आई. की सड़को का हाल बेहाल है चाहे वह नरसिंगपुर रोड हो या नागपुर रोड या फिर सिवनी रोड, यहां ऊबड़ खाबड़ और पुल-पुलियों के ऊपर गड्ढे आम हो गए है जिसके कारण दुर्घटनाऐं बढ़ रही है।

एन.एच.ए.आई. के अधिकारी लापरवाही बरत रहे है, कोई सुनने वाला नहीं है। यही कारण है कि एन.एच.ए.आई. की लापरवाही से लगातार अमरवाड़ा समीप हाईवे में सड़क हादसे देखने को मिल रहे हैं। रविवार को सुबह सारणी निवासी दंपत्ति अपने घर से नरसिंहपुर की तरफ जा रहे थे तभी ठेल नदी के ऊपर बनी पुलिया में अचानक एक बाइक चालक सामने से आ गया। जिसको देख कार चालक बाइक चालक को बचाने के चक्कर में पुलिया के नीचे जा गिरा। जिसके बाद घटना को देख आसपास के राहगीरों ने पुलिया के नीचे उतरकर दंपति को कार से बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार दोनों दपत्तियों को अंदरूनी गंभीर चोटें आई है। जहां से उन्हें अमरवाड़ा में औपचारिक इलाज के बाद छिंदवाड़ा रेफ्र कर दिया गया। बताया जा रहा है की पुलिया के ऊपर सड़क पूरी तरह टूटी हुई है। इसके अलावा बड़े-बड़े गड्ढे भी है। जिनसे बचने के चक्कर में वाहन चालक आमने-सामने आ जाते हैं और घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। ठेल नदी में सड़क और पुलिया को लेकर लगातार खबरें प्रकाशित की जा चुकी है परंतु एन.एच.ए.आई. आमजनों के जीवन के साथ खुलेआम खिलवाड़ कर रहा है। जिस पर जिला प्रशासन या स्थानीय प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। पुलिया के ऊपर बनी सड़क पूरी तरह टूट चुकी है। इसके साथ-साथ पुलिया के ऊपर ही बड़े-बड़े गड्ढे हैं। जिनको सभी वाहन चालक गड्ढे से बचने के चक्कर में घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। पूर्व में भी पुलिया के ऊपर घटिया तरीके से मरम्मत का कार्य किया गया। जो की महज कुछ ही दिनों में फ्रि से जस के तस हो गई। बरहाल देखना होगा कि अब खबर प्रशासन के बाद जिला प्रशासन या स्थानीय प्रशासन कब तक पुलिया का मरम्मत कार्य सही ढंग से करा पाएंगे यह पता नहीं है लेकिन इन गड्ढ़ो के चलते आम यात्रियों की जान खतरे में पड़ती जा रही है।

निष्पक्ष चुनाव, डाक मतपत्र का उपयोग सराहनीय कार्य

मतदान दल कर्मी, जिला निर्वाचन अधिकारी को दिया धन्यवाद

गांधीग्राम, देशबन्धु। मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह,जबलपुर शाखा जिला अध्यक्ष अटल उपाध्याय ने प्रदेश के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को विधानसभा निर्वाचन 2023 के चुनाव कार्य में लगे समस्त मतदल के अधिकारियों को द्वारा डाक मतपत्र का उपयोग करने एवं चुनाव में अति सराहनीय कार्य किए जाने पर धन्यवाद दिया है।

मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा द्वारा की गई अपील परअधिकांश अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा अपने डाकमत पत्र का उपयोग किया गया है, समस्त अधिकारी, कर्मचारी प्रशंसा के पात्र है, साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारी व जबलपुर कलेक्टर श्री सौरभ के.सुमन जी को जिले की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं तथा निष्पक्ष,निर्भीक व शांतिपूर्ण मतदान हेतु हार्दिक बधाई प्रेषित की है।

मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जबलपुर शाखा जिला अध्यक्ष अटल उपाध्याय, विश्वदीप पटेरिया,बीरेंद्र तिवारी, ,राजेंद्र तेकाम, आशुतोष तिवारी,मनीष लोहिया, रजनीस पांडे, मंसूर बेग, नरेंद्र सैन,अभिषेक मिश्रा, हर्ष मनोज ,योगेंद्र मिश्रा, मनोज राय, विनय नामदेव, सतीश उपाध्याय, ब्रजेश मिश्रा, इंद्रप्रताप, अर्जुन सोमवंशी, अजय दुबे ने जिला निर्वाचन अधिकारी से आगामी चुनाव में समस्त दल के कर्मचारियों को परिचय पत्र ,समय पर नाश्ता, भोजन देने , आवागमन के रास्ते में जाम ना लगने के निर्देश संबंधित विभाग को जारी करने की मांग की है।

साइड पर एलईडी स्क्रीन, रोड पर रहे दर्शक वर्ल्ड कप देखने के लिए बेताब रहे नगरवासी

. बरेला, देशबन्धु। वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हो रहे रोमांचक मुकाबले को देखने के लिए नगर वासी बेताब रहे यहां पर नगर में किसानी मोहल्ले में बड़ी स्क्रीन पर मैच का प्रसारण किया गया जहां पर साइट पर एलईडी स्क्रीन लगी हुई थी तथा दर्शक् रोड पर ही बैठे हुए थे तथा च कुछ लोग दुपहिया वाहनों में खड़े होकर मैच देख रहे थे।इस कारण रोड पर जाम की स्तिथि रही तथा बड़े वाहन साइड से ही क्रॉस होकर निकल रहे थे इसी प्रकार नगर के आसपास भी ग्रामीण क्षेत्रों में. भी बड़ी स्क्रीन पर मैच का लाइव प्रसारण ग्रामीणों को दिखाया गया ग्राम जमुनिया में. सरपंच श्वेता भानु नवेरिया द्वारा,ग्राम गाडरखेड़ा में पूर्व जनपद अध्यक्ष संजय पटेल द्वारा. बड़ी स्क्रीन पर मैच का प्रसारण दिखाया गया। रोमांचक होते जा रहे मैच को देखने के लिए नगर वासियों की दीवानगी. एवं खेल प्रेमियों की दीवानगी देखने को मिल रही थी।

घर से मजदूरी करने गए प्रेमी युगल का पेड़ से लटकता मिला शव

गांव वालों ने जताई हत्या की आशंका

सिंगरौली, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के बरगवां थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक युवक-युवती का शव मिला। दोनों के शव पेड़ से लटक रहे थे। शव को देखकर गांव के लोग वहां पर इकट्ठा हो गए। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पड़री गांव के रहने वाले पवन कोल और रानी कोल शनिवार को मकान के छत की ढलाई में मजदूरी करने गए थे, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटे। रविवार की सुबह दोनों का शव रमपुरवा गांव में लोगों को पेड़ पर लटकते हुए मिला।

ग्रामीणों ने जताया हत्या की आसंका

गांव वालों के मुताबिक युवक-युवती एक दूसरे के साथ प्यार करते थे। लोगों का मानना है कि एक साथ दोनों आत्महत्या नहीं कर सकते हैं। मृतक युवक के शरीर पर चोट के भी निशान हैं और दोनों के पैर जमीन पर थे, जिससे यह प्रतीत होता है कि आत्महत्या नहीं, बल्कि किसी ने हत्याकर दोनों के शव को पेड़ पर लटका दिया।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

बरगवां थाना प्रभारी आरपी सिंह का कहना है कि शनिवार की रात युवक और युवती घर से मजदूरी करने निकले थे। उनका शव पेड़ पर लटका हुआ मिला है। दोनों के शव का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के पैनल से कराया जाएगा, जांच रिपोर्ट के बाद आत्महत्या या हत्या के बारे में कुछ कहना सही होगा, फिलहाल जांच की जा रही है।

पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

वहीं, प्रेमी जोड़े का शव मिलने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं भी चल रही हैं। कुछ ग्रामीणों ने दबी जुबान बताया कि दोनों के रिश्ते से दोनों के घर वाले खुश नहीं थे। इसी वजह से दोनों की हत्या करने के बाद शव को पेड़ पर लटका दिया, ताकि यह लग सके की दोनों ने आत्महत्या की है। हालांकि ग्रामीण यह नहीं बता पाए कि इस वारदात को लड़के या लड़की के परिवार ने अंजाम दिया। हालांकि पुलिस अभी आत्महत्या मान कर चल रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला साफ हो पाएगा।

ऑस्ट्रेलिया का सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त

सिडनी, (आईएएनएस)। प्रशिक्षण उड़ान पर निकले दो पूर्व सैन्य विमान रविवार को ऑस्ट्रेलिया में मॉर्निंगटन प्रायद्वीप के ऊपर टकरा गए, जिससे एक विमान पानी में गिर गया। द हेराल्ड सन ने बताया कि एक विमान माउंट मार्था के तट से लगभग 12 किमी दूर समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जबकि दूसरा विमान लगभग 1ः45 बजे अपने बेस पर वापस आ गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, खोज और बचाव दल मेलबर्न से लगभग 50 किमी दक्षिणपूर्व में स्थित माउंट मार्था में पानी की खोजबीन कर रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के समुद्री अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वाइपर एस-211 मार्चेट्टी हल्के विमान में दो लोग सवार थे। अधिकारियों ने बताया, ऑस्ट्रेलियाई समुद्री सुरक्षा प्राधिकरण समझता है कि प्रत्येक विमान में दो लोग सवार थे, एक विमान एस्सेनडॉन हवाई क्षेत्र में सुरक्षित रूप से उतरा, जबकि दूसरा पोर्ट फिलिप में पानी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एबीसी न्यूज के हवाले से बताया कि तीन एएमएसए बचाव हेलीकॉप्टर रविवार दोपहर तक घटनास्थल पर मौजूद रहे और विक्टोरिया जल पुलिस की कई नावें, तटरक्षक बल और जेट स्की पानी में देखी गईं।

जो यहूदी सांसद इजरायल के लिए संसद में भरते थे हुंकार, क्यों नेतन्याहू पर ही बरस रहे?

नई दिल्ली। पिछले डेढ़ महीने से इजरायल-हमास के बीच जंग जारी है। इस बीच, कई देशों समेत जेरुशलम में भी इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। कहीं गाजा पर इजरायली हमलों के खिलाफ नेतन्याहू के खिलाफ मोर्चा खुला है तो कहीं हमास के कब्जे से बंधकों की रिहाई नहीं करा पाने का गुस्सा फूटा है। इन्हीं सब प्रकरणों के बीच अमेरिकी संसद में यहूदी सांसदों ने भी नेतन्याहू के खिलाफ आवाज बुलंद की है। अमेरिकी यहूदी सांसद सेन. जॉन ओस्सोफ़, जो डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर इजरायल पर सर्वसम्मति बनाने की मांग करने वाली आवाज़ रहे हैं और जिन्होंने 2021 में कांग्रेस में प्रवेश करने के बाद से यहूदी राज्य की अत्यधिक आलोचना करने से सावधानीपूर्वक परहेज किया है, ने गाजा में हमास के खिलाफ चल रहे इजरायली सैन्य अभियान की तीखी आलोचना की है। जॉन ओस्सोफ़ ने गाजा पट्टी में सीजफायर का आह्वान किया है।

इसके साथ ही गाजा पट्टी में भीषण बमाबारी और गोलीबारी बंद करने के लिए इजरायल से आह्वान करने वाले वह पहले यहूदी सांसद बन गए हैं। एक और यहूदी सांसद ने इजरायल-हमास युद्ध में फिलीस्तीनियों की बड़े पैमाने पर हो रही मौतों को अस्वीकार्य कहा, जबकि तीसरे सांसद ने गाजा की त्रासदी को नैतिक विफलता की एक बड़ी समस्या करार दिया है। जॉन ओस्सोफ़ अब तक वेस्ट बैंक में कुछ इज़राइली नीतियों के ही आलोचक रहे थे लेकिन हाल के वर्षों में उन्होंने उस आलोचना को कम कर दिया था और कई प्रमुख इज़रायली सांसदों के साथ संबंध बनाने के लिए काम करते हुए दो-राज्य समाधान के महत्व के बारे में बात करने पर बहुत फोकस किया था। उन्होंने जेरूसलम में अमेरिकी सुरक्षा समन्वयक के लिए फंडिंग बढ़ाने और फिलिस्तीनी-अमेरिकी पत्रकार शिरीन अबू अकलेह की हत्या की स्वतंत्र जांच को प्रोत्साहित करने जैसे बड़े पैमाने पर सर्वसम्मति बनाने की पहल का नेतृत्व भी किया है लेकिन अब वह इजरायल पर आक्रामक हो गए हैं। ओस्सोफ़ द्वारा की गई हालिया आलोचना अतीत की तुलना में कहीं ज्यादा धारदार है और यह सवाल उठाती है कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर उनकी ही रणनीति के खिलाफ एक नई प्रवृत्ति की शुरुआत तो नहीं है।

बाइडेन ने गाजा में इजरायल के सैन्य अभियान का समर्थन किया है लेकिन नागरिकों की यथासंभव रक्षा करने का भी आह्वान किया है। अब जैसे-जैसे इजरायल-हमास युद्ध गहराता जा रहा है और लड़ाई दक्षिण गाजा की ओर बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे फ़िलिस्तीन में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है और पूरे गाजा पट्टी में मानवीय संकट गहरा गया है। अमेरिकी यहूदी प्रतिनिधियों ने इस पर गहरा असंतोष जाहिर किया है और इजरायल के खिलाफ सख्त रुख दिखाया है। इनमें ओस्सोफ़ के अलावा वर्मोंट की बेक्का बैलिंट और मिनेसोटा के डीन फिलिप्स भी शामिल हैं।

आज का इतिहास

1815-यूरोप में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए रूस, प्रशिया, आस्ट्रिया और इंग्लैंड ने गठबंधन किया।
1829-रूस के निकोलायेव और सेवेस्तोपोल क्षेत्र से यहूदियों को निकाला गया।
1866-अमेरिका के वांशिगटन में हावर्ड विश्वविद्यालय की स्थापना।
1917-कलकत्ता (अब कोलकाता) में बोस अनुसंधान संस्थान की स्थापना।
1929-मिल्खा सिंह का जन्म। भारत के ऐसे प्रसिद्ध धावक जिन्हें लोग %फ्लाइंग सिक्ख% के नाम से जानते हैं।
1942-ब्रिटिश सेना ने लीबिया की राजधानी बेनगाजी पर दोबारा क़ब्ज़ा किया।
1945-जापान का अमेरिका के समक्ष पूर्ण आत्मसमर्पण एवं द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति।
1949-इजरायल में यहूदियों की संख्या दस लाख हुई।
1955-पॉली उमरीगर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में भारत की ओर से पहला दोहरा शतक लगाया।

मध्य प्रदेश विस चुनाव में वोट देने में भोपाल पिछड़ा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को हुए मतदान के दौरान देर रात तक सामने आए आकड़ों के अनुसार 76 प्रतिशत से अधिक रिकार्ड मतदान हुआ है। राजधानी भोपाल में जहां मात्र 66 फीसदी मतदान दर्ज हुआ, वहीं बालाघाट जैसे नक्सली और आदिवासी इलाके में 85 फीसदी से ज्यादा मतदान ने इस जिले को सुर्खियों में ला दिया। आदिवासी क्षेत्र मंडला और डिंडोरी में भी लगभग 83 फीसदी मतदान दर्ज हुआ।

राजस्थान में बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं ने किया मतदान

जयपुर। राजस्थान में 25 नवम्बर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में 54 हजार से अधिक बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता घर बैठे मतदान कर चुके हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि 80 वर्ष उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाता भारत निर्वाचन आयोग की पहल पर पहली बार घर से ही उत्साहपूर्वक मतदान कर रहे हैं। बुधवार से शुरू हुई होम वोटिंग में शुक्रवार तक प्रदेश भर में 54 हजार 215 मतदाताओं ने घर से मतदान किया है। गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में मंगलवार को होम वोटिंग के पहले दिन 9,687 बुजुर्ग तथा 2,655 दिव्यांग, बुधवार को 10,354 बुजुर्ग एवं 2701 दिव्यांग, गुरूवार को 14,311 बुजुर्ग एवं 3123 दिव्याग एवं शुक्रवार को 10,807 मतदाताओं ने घर से मतदान करने की सुविधा का लाभ लिया।

छत्तीसगढ़ में शहरी इलाके मतदान में रहे फिसड्डी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विस चुनावों के दूसरे एवं आखिरी चरण में 75 फीसदी से अधिक प्रतिशत मतदान हुआ। शहरी इलाके चुनाव आयोग की तमाम कोशिशों के बाद भी मतदान में फिसड्डी रहे जबकि आदिवासी एवं ग्रामीण इलाकों में जमकर वोटिंग हुई और 21 विधानसभा क्षेत्रों में तो यह 80 प्रतिशत पार कर गई। देर रात जारी अंतिम आकड़ों के अनुसार हालांकि पिछले विधानसभा चुनावों के मुकाबले वोटिंग लगभग एक प्रतिशत कम हुई है। पिछली बार दूसरे चरण की 72 सीटों पर हुए मतदान का प्रतिशत 76.62 था।

केसीआर से डरे हुए हैं दोनों राष्ट्रीय दल : राव

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने शनिवार को भाजपा व कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों राष्ट्रीय दल केसीआर से डरे हुए हैं। उन्हें लगता है कि अगर वह तेलंगाना में जीत जाते हैं, तो वह महाराष्ट्र आएंगे और बांसुरी बजाएंगे। महाराष्ट्र में 150 पंचायतों ने प्रस्ताव पारित कर उन्हें तेलंगाना में मिलाने का अनुरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों दलों के बीच एक-दूसरे के खिलाफ मजबूत उम्मीदवार नहीं उतारने की मौन सहमति है। राव ने कहा कि जब तेलंगाना में केसीआर की हार होती है तो वे सुरक्षित महसूस करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनकी पार्टी की बैठकों को महाराष्ट्र के लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। तेलंगाना की उपलब्धियां गिनाते हुए राव ने कहा कि राज्य ने धान उत्पादन में पंजाब को पीछे छोड़ दिया है।

बाइडेन ने नेतन्याहू को मनाया, 5 दिन के लिए रुकेगी जंग! इजरायल-हमास युद्ध में पहली बार होगा ऐसा

तेलअवीव। इजरायल और हमास के बीच एक महीने से ज्यादा वक्त से चल रही जंग पर कुछ समय के लिए विराम लगने वाला है। रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया है कि जंग को पांच दिनों के लिए रोका जा सकता है। हालांकि अभी इसके समय का खुलासा नहीं किया गया है। हुञ्जङ्क की खबर है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को मना लिया है। उधर, कतर भी हमास को मनवाने में कामयाब रहा है। हालांकि खुद नेतन्याहू और संयुक्त राष्ट्र ने अभी युद्धविराम की अटकलों को खारिज किया। यह जरूर कहा है कि इस पर काम चल रहा है। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका और कतर की मध्यस्थों के जरिए इजरायल और हमास पांच दिन के लिए समझौता करने को तैयार हो गए हैं। बेंजामिन नेतन्याहू हमास के ठिकानों पर गोलीबारी रोकने के लिए इस शर्त पर तैयार हुए हैं क्योंकि हमास इसके दर्जन भर महिलाओं और बच्चों की रिहाई के लिए तैयार हो गया है।

छह पन्नों का समझौता

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इजरायल और हमास के बीच छह पेज का समझौता हुआ है। जिसमें कहा गया है कि इज़रायल और हमास कम से कम पांच दिनों के लिए युद्ध को रोकेंगे। हमास के 7 अक्टूबर को शुरू किए हवाई हमले के बाद से इस युद्ध को एक महीने से ज्यादा का वक्त हो गया है। हमास ने पहले इजरायल में 6000 रॉकेट छोड़कर जंग की शुरुआत की थी। फिर इजरायली शहरों और कस्बों में जमकर कत्लेआम मचाया। साथ ही 240 इजरायली लोगों को बंधक बनाकर अपने साथ ले गए थे। तब से बिना रुके इस लड़ाई में अब तक कम से कम 15 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा मानवीय क्षति गाजा पट्टी में हुई है। यह खूबसूरत फिलिस्तीनी शहर श्मशान घाट में तब्दील हो चुका है। हर ओर मलबा और तबाही के निशान हैं। इजरायली सेना ने यहां जमकर कहर बरपाया है।

द टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट है कि संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रवक्ता ने कहा हम अभी तक किसी समझौते पर नहीं पहुंचे हैं, लेकिन हम समझौते पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे। यह बहुत करीब है। अपनी रिपोर्ट में, वाशिंगटन पोस्ट ने अरब और अन्य राजनयिकों का हवाला देते हुए कहा कि दोहा, कतर में कई हफ्तों की बातचीत के दौरान इस समझौते पर काम चल रहा है, जो युद्धविराम और बंधकों की रिहाई की दिशा में मध्यस्थता के रूप में काम कर रहे हैं।

युद्धविराम की हिंट कैसे मिली

शनिवार को, इजरायल के चैनल 12 ने बताया कि इजरायल चाहता है कि उन परिवारों को अपने लोग फिर से मिलें, जो एक महीने से हमास के कब्जे में हैं। इस दिशा में लगातार काम चल रहा है। हालांकि प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को कुछ बंधकों की रिहाई के बदले हमास से समझौते की खबरों को खारिज किया था। उन्होंने कहा कि अभी तक ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है।

पाकिस्तान की सैन्य सहायता तत्काल बंद करो, अमेरिकी सांसदों ने गिना दीं पाक की करतूतें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की करतूतों और राजनीतिक भविष्य को देखते हुए अमेरिका के 11 सांसदों ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को पत्र लिखकर तत्काल सैन्य सहायता रोकने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका में जब तक लोकतांत्रिक प्रक्रिया से निष्पक्ष रूप से चुनाव नहीं संपन्न नहीं हो जाते और एक स्थायी सरकार का गठन नहीं हो जाता, उसे सहायता देना ठीक नहीं है। सांसदों ने अमेरिका से मिलने वाली मदद के गलत इस्तेमाल की आशंका जाहिर की है। इसके अलावा पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर होने वाले अत्याचार और ईशनिंदा के कड़े कानून पर भी सांसदों ने आपत्ति जाहिर की है। बता दें कि इमरान खान को हटाने के बाद शहबाज शरीफ की सरकार पाकिस्तान में थी। हालांकि इस समय पाक में कार्यवाहक सरकार है। जल्द ही पाकिस्तान में चुनाव भी कराए जाने हैं और इससे पहले लंदन से नवाज शरीफ पाकिस्तान में पहुंच गए हैं। जिन सांसदों ने बाइडेन प्रशासन से यह मांग की है उनमें इमरान खान की करीबी इल्हाना ओमर भी शामल है। ओमर की छवि कट्टरपंथी मुसलमान की है।

अमेरिकी सांसदों ने कहा कि विदशी सहायता कानून की धारा 502 बी के तहत विदेश मंत्रालय को इस बात का पता लगवाना चाहिए कि अमेरिकी सहायता का दुरुपयोग तो नहीं हो रहा है।

इसके अलावा इस मदद का इस्तेमाल मानवाधिकार उल्लंघन में कितना किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में स्वतंत्र चुनाव होने चाहिए जिनमें सभी दल हिस्सा ले सकें।

ईशनिंदा कानून पर कड़ी आपत्ति- सांसदों का कहना है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने के लिए पाकिस्तान में ईशनिंदा के कानून में कड़े प्रावधान किए गए हैं।

पाकिस्तान में 2023 में पास होने वाले आपराधिक कानून (संशोधन) विधेयक पर कड़ी आपत्ति है। इसी में ईशनिंदा का कानून भी आता है। पहले भी इसका इस्तेमाल अल्पसंख्यों के विरोध में होता रहा है। अभी इस विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। इस पत्र में 16 अगस्त की घटना का जिक्र किया गया है जिसमें भीड़ ने चर्च में भी आग लगा दी थी। इसके अलावा गिलगित बाल्टिस्तान में शिया समुदाय के लोगों ने भी बिल का विरोध किया है।

सुडोकू 6381

					3		2	4
			1	4				
				9			5	7
7	3					4		5
8								3
5		4					8	2
9	1			5				
				8	2			
4	7		3					

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6381

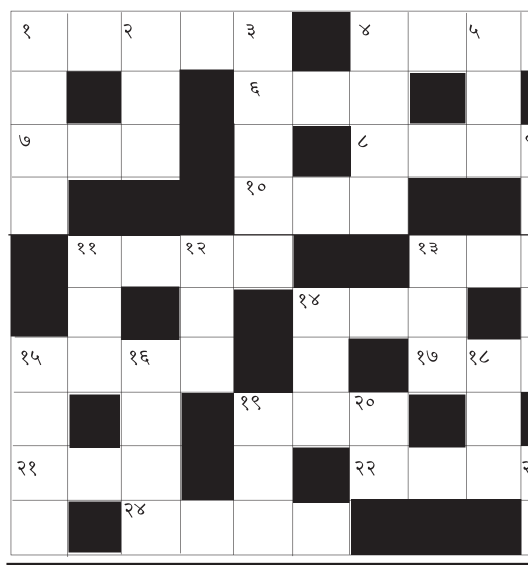

बायें से दायें:-

१. दिखाई देता हुआ
४. बहुत ही मशहूर
६. पैदायशी अंधा
७. जोड़ा, जो दो की संख्या में हो
८. नीरस, फीरा, बेमज़ा
१०. बंधन कड़ा करना, कसकर बांधना
११. कर या शुल्क का अतिरिक्त भार जो विशेष परिस्थितियों में किसी पर डाला जाए
१३. निंदा, जुगुप्सा
१४. लाल कमल, चांदी, विष्णु, कपूर
१५. जिस पर असर पड़ा हो
१७. के स्थान पर, के बदले में (उर्दू)
१९. इम्तहान, गुण-दोष, योग्यता आदि जानने के लिए किया गया काम
२१. मिलाने वाला, जोड़ने वाला
२२. राहगीरों को लूटने का काम (उर्दू)
२४. अदालत

ऊपर से नीचे:-

१. शिव, धृतराष्ट्र का एक पुत्र, दृढ़तापूर्वक अस्त्र चलाने वाला
२. श्रीकृष्ण
३. चंद्रमा
४. दोष या खराबी का दूर होना
५. सैनिक
९. जिसे नृत्य करना पसंद हो, मोर
११. हैरानी, अचरज
१२. विभक्त, भाग किया हुआ
१३. साहित्य, सम्मान (उर्दू)
१४. दस से बारह वर्ष की कन्या, कुँआरी कन्या, दुर्गा
१५. प्रतिद्वंद्वी, शत्रु, विरोधी
१६. वह विषाक्त कन्या जिसके संसर्ग करने से मृत्यु हो जाती है
१८. उचित, ठीक (उर्दू)
१९. प्रारंभ, शुरूआत
२०. जड़ी-बूटियों या खनिजों का रासायनिक विधि से बनाया गया नमक
२३. जो ऊपर न हो, अधो

वर्ग पहेली-6380

१ ज	न	२ मा	न	३ स		४ प	द	५ चि	न्ह
ड़		त		६ म	र्या	दा		ना	
७ म	ध्दि	म		य		र्प		८ ब	९ हु
ति				१० पा	षा	ण			न
	११ बु	ल	१२ बु	ल			१३ इं	का	र
	ला		लं		१४ हा	द	सा		मं
१५ क	वा	१६ य	द		ज		१७ न	१८ क	द
र्ज		म		१९ व	त	२० न		च्छ	
२१ दा	न	व		णि		२२ व	नो	प	२३ ज
र		२४ रा	म	ज	न	नी			ल्द

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आयोजन *विदेश मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में दी जानकारी*

22 नवम्बर को जी-20 का वर्चुअल शिखर सम्मेलन

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। भारत की अध्यक्षता में जी-20 का वर्चुअल शिखर सम्मेलन 22 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विगत दस सितंबर को नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के समापन सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि भारत की जी-20 अध्यक्षता के समापन से पहले भारत जी20 नेताओं के एक आभासी शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

इसी के अनुरूप प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में जी-20 नेताओं का आभासी शिखर सम्मेलन 22 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष सहित सभी जी-20 सदस्यों के नेताओं, साथ ही नौ अतिथि देशों और 11 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों को आमंत्रित किया गया है। ज्ञातव्य है कि नयी दिल्ली जी-20 शिखर सम्मेलन में नेताओं की घोषणापत्र को सर्वसम्मति से अपनाया गया था।

वर्चुअल शिखर सम्मेलन, नई दिल्ली शिखर सम्मेलन के प्रमुख, चयनित परिणामों/कार्य बिंदुओं को आगे बढ़ाएगा और साथ ही तब से हुए विकास की समीक्षा भी करेगा। कल 17 नवंबर को आयोजित दूसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के विचार-विमर्श भी चर्चा में शामिल होंगे।

वर्चुअल जी20 शिखर सम्मेलन में प्रासंगिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफार्मों सहित विभिन्न

जी-20 निर्णयों के प्रभावी कार्यान्वयन पर जोर दिये जाने की भी उम्मीद है।

भारत के पास 30 नवंबर तक जी-20 की अध्यक्षता है। 2024 में ब्राज़ील की जी-20 की अध्यक्षता के दौरान जी-20 ट्रोइका में भारत, ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका शामिल होंगे।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टू प्लस टू वार्ता सोमवार को

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा तथा विदेश मंत्रियों के बीच दूसरी टू प्लस टू मंत्री स्तरीय वार्ता सोमवार को यहां होगी। ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस और विदेश मंत्री सुश्री पेनी वोंग वार्ता के लिए रविवार को दो दिन की भारत यात्रा पर आ रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्षों के साथ वार्ता की सह अध्यक्षता करेंगे। टू प्लस टू वार्ता से पहले दोनों देशों के मंत्री द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। दोनों देशों के बीच पहली टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता सितंबर 2021 में हुई थी।

खेल जगत

भारतीय पावरलिफ्टर ने मास्टर्स इवेंट में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली। भारत को एक प्रेरक उपलब्धि हासिल हुई है। एक 45 वर्षीय भारतीय पावरलिफ्टर ने हाल ही में आयोजित डब्ल्यूपीसी विश्व चैंपियनशिप और विश्व कप में एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। दिल्ली के रहने वाले दलजीत सिंह ने किर्गिस्तान में हुए डब्ल्यूपीसी विश्व कप में 270 किलोग्राम डेडलिफ्ट खींचने से पहले मैनचेस्टर (यूके) में आयोजित डब्ल्यूपीसी विश्व चैंपियनशिप में 300 किलोग्राम स्क्वाट प्रदर्शन करके मास्टर्स वर्ग में अपना नाम रिकॉर्ड में दर्ज कराया है। वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग कांग्रेस (डब्ल्यूपीसी) विश्व चैंपियनशिप 31 अक्टूबर से 5 नवंबर तक आयोजित की गई थी, जबकि डब्ल्यूपीसी विश्व कप 18-19 नवंबर को आयोजित किया गया था।

विराट व केएल राहुल के अर्धशतकों के बावजूद भारत 240 पर ढेर

- ■ ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टार्क ने चटकाए तीन, कमिंस व हेजलवुड ने दो-दो विकेट
- ■ ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर जोश इंग्लिश ने लपके पांच कैच

सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली। विराट कोहली और केएल राहुल के बेहद धीमे अर्द्धशतकों और कप्तान सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की 47 रन की तूफानी पारी के बावजूद कप्तान पैट कमिंस (2/34) की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क(3/55) और जोश हेजलवुड (2/60) ने रफ्तार के साथ धार दिखाकर भारत को पहले बल्लेबाजी की दावत देकर उसकी पारी अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप 2023 के फाइनल में एक लाख 30 हजार दर्शकों के नीले सागर की मौजूदगी में मात्र 240 रन समेट दी। अपने सभी मैच जीत कर फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम का यह मौजूदा संस्करण में दूसरा सबसे कम स्कोर है। भारत की टीम इससे पहले मौजूदा संस्करण में लखनउ में इंग्लैंड के खिलाफ 229 पर सिमट गई थी। लखनउ में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने कहर बरपा इंग्लैंड को मात्र 129 रन पर ढेर कर मैच सौ रन से जिताया था। मिचेल स्टार्क का यह तीसरा और संभवत- आखिरी वन डे विश्व कप है और इसमें उन्होंने अपने इसका समापन कुल 65 विकेट लेकर इसके इतिहास के तीसरे सबसे कामयाब गेंदबाज के रूप में किया।

कप्तान कमिंस की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने बेहतरीन नियंत्रण के साथ गेंदबाजी की उसके विकेटकीपर जोश इंग्लिश ने विकेट के पीछे मुस्तैद प्रदर्शन कर पांच कैच लपके ही साथ ही ट्रेविज हेड ने ऑफ स्पिनर ग्लेन मैक्सवेल की गेंद पर भारत के भारत के कप्तान रोहित शर्मा का कवर से पीछे दौड़ते हुए कैच लपक आउट करना बेहद अहम साबित हुआ। रोहित के आउट होने के बाद विराट और केएल राहुल सहित भारतीय बल्लेबाज रनों के लिए तरस गए। सूर्य कुमार यादव (18 रन, 28 गेंद, एक चौका) पारी के 48 वें और जोश हेजलवुड के नौवें ओवर की तीसरे धीमे बाउंसर को पुल करने के विकेटकीपर जोश इंग्लिश को कैच थमा बैठे और भारत ने नौवां विकेट 226 रन पर खोया और 50 वें अंतिम ओवर की आखिरी गेंद पर मोहम्मद सिराज के रन आउट होने से पारी 240 रन पर समाप्त हुई।

विराट कोहली ((54 रन, 63गेंद , चार चौके) की दूसरे विकेट के लिए कप्तान रोहित शर्मा (47 रन, 31 गेंद, तीन छक्के, चार चौके) के साथ 46 तथा केएल राहुल (66 रन, 107 गेंद, एक चौका) के साथ चौथे विकेट के लिए 67 रन की भागीदारी के बावजूद भारत बड़ा स्कोर नहीं बना पाया। केएल राहुल पारी के 42 वें और मिचेल स्टार्क के दूसरे स्पैल के पहले आठवें ओवर में उनकी ऑफ स्टंप पर गिर कर सीधी रहती गेंद को खेलने की कोशिश में विकेटकीपर जोश इंग्लिश को कैच थमाकर छठे बल्लेबाज के रूप में आउट होकर लौटे तब भारत ने अपना छठा विकेट 203 रन पर गंवा दिया। स्टार्क ने अपने अगले ओवर में मोहम्मद शमी (6) को भी विकेटकीपर जोश इंग्लिश के हाथों कराया भारत ने सातवां विकेट 44 वें ओवर में 211 रन गंवा दिया और इससे उसकी सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया और जसप्रीत बुमराह(1) लेग एडम जम्पा के आखिरी ओवर में उनकी आफ स्टंप पर गिर कर भीतर आती गेंद को चूके और गेंद उनके पैड पर पड़ी और अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट किया

भारत की ओर से लगभग 16.2 ओवर में कोई भी बाउंड्री नहीं लगाई और इसके बाद केएल राहुल ने भारत की पारी के 27 वें ओवर मैक्सवेल के पांचवें ओवर की दूसरी गेंद को पैडल स्कूप कर विकेटकीपर और फाइन लेग के उपर से उड़ा अपना और टीम का पहला चौका जड़ा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस के गेंदबाजी बदलावों और उसके क्षेत्ररक्षको के चुस्त क्षेत्ररक्षण ने विराट कोहली को संभल कर खेलने को मजबूर किया। विराट कोहली ने बेहतरीन गेंदबाजी करने वाले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की शार्ट कोण बनाकर भीतर आती गेंद को रक्षात्मक ढंग से खेलने की कोशिश की और गेंद उनके बल्ले का भीतर किनारा लेकर उनका ऑफ स्टंप उड़ा ले गई और नरेन्द्र मोदी स्टेडियम मोटेरा में मौजूदा सवा लाख से ज्यादा भारतीयों के नीले जनसमूह में सन्नाटा जा गया। कमिंस ने अपने छठे और पारी के 29 वें ओवर की तीसरी गेंद पर विराट को बोल्ड कर अपना दूसरा विकेट चटका उनकी और केएल राहुल की चौथे विकेट की 67 रन की भागीदारी को तोड़ा। कमिंस ने इससे पहले अपने दूसरे ओवर में श्रेयस अय्यर(4) को आउट कर पहली कामयाबी हासिल कर भारतीय बल्लेबाजों को पूरा तरह बांध कर रखा दिया था। विराट ने पारी के 26 वें एडम जम्पा के चौथे ओवर की पहली गेंद को लॉन्ग ऑफ खेल कर एक रन दौड़ कर 56 गेंदों में चार चौकों की मदद से अपना अर्द्धशतक पूरा किया। केएल राहुल ने पारी के 35 वें और मिचेल स्टार्क के सातवें ओवर की पांचवीं गेंद शॉर्ट गेंद को हल्के से खेल कर एक रन दौड़ कर अपना 86 गेंद खेल कर एक चौके की मदद से अपना अर्द्धशतक पूरा किया। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने राउंड द' विकेट आकर कोण ऑफ स्टंप से बाहर निकलती गेंद पर रवींद्र जडेजा (9) को विकेटकीपर जोश इंग्लिश के हाथों लपकवा कर भारत का स्कोर 36वें ओवर में पांच विकेट पर 179 कर दिया। जडेजा ने आउट होने से पहले केएल राहुल के साथ पांचवें विकेट के लिए30 रन की उपयोगी भागीदारी की। केएल राहुल ने लेग एडम जम्पा की गेंद को लॉन्ग ऑन पर खेल एक रन दौड़ कर 40.5 ओवर में भारत के स्कोर को पांच विकेट पर 200 रन पर पहुंचाया।

कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया से पहले बल्लेबाजी की दावत पाकर भारत की पारी का आगाज किया। रोहित ने अपने चिर परिचित दे दनादन अंदाज में भारत की पारी का आगाज किया। शुभमन गिल (4) ने बाएं हाथ के ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की शॉर्ट ऑफ लेंग्थ गेंद को पुल करने की कोशिश और मिड ऑन पर जम्पा को कैच थमा दिया। भारत ने गिल के रूप में जब पांचवें ओवर की दूसरी गेंद पर 30 रन पर पहला विकेट गंवाया तो स्टेडियम में सन्नाटा छा गया। विराट कोहली ने स्टार्क के चौथे और पारी की सातवें ओवर की शुरू की तीन गेंदों पर लगातार तीन चौके जड़े और भारत ने अपने 6.3 ओवर में अपने 50 रन पूरे किए। यह वन डे विश्व कप फाइनल में सबसे तेज किसी भी टीम द्वारा बनाए 50 रन थे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 6.6 ओवर में भारत के खिलाफ 2003 के विश्व कप फाइनल में 50 रन पूरे किए थे। विराट ने वाइड मिड ऑन के उपर से, अगली गेंद को बैकवर्ड पॉइंट के बीच से और फिर बेहतरीन कवर ड्राइव कर ये तीन चौके जड़े। रोहित शर्मा (47 रन, 31 गेंद, तीन छक्के, चार चौके) अपना आक्रामक अंदाज जारी रखते हुए ऑफ स्पिनर ग्लेन मैक्सवेल के दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर के लॉन्ग ऑन के उपर से उड़ा अपना तीसरा छक्का और अगली गेंद को कट कर कवर के बीच से चौका जडने के बाद अगली गेंद को उड़ाने की कोशिश में कवर से दौड़ते हुए ट्रेविज हेड ने बेहतरीन कैच लपका और भारत ने 76 रन पर दूसरा विकेट खो दिया। भारत ने पहले पॉवरप्ले में दो विकेट खोकर 80 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान तेज गेंदबाज पैट कमिंस के दूसरे और पारी के 11 वें ओवर की दूसरी गेंद पर ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद पर श्रेयस अय्यर (4 रन,3 गेंद, एक चौका) ने बल्ला चलाया और गेंद उनके बल्ले का हल्का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर जोश इंग्लिश के दस्तानों में चली गई और भारत अपना तीसरा तीसरा विकेट मात्र 81 रन पर गंवा कर बड़े संकट में फंस गया। भारत ने पांच गेंदों में पांच रन के भीतर ये दो विकेट गंवाए।

ट्रेंट बोल्ट के अंतर्राष्ट्रीय भविष्य पर गैरी स्टीड ने दिए अच्छे संकेत

टी10 लीग में डेक्कन ग्लेडियेटर्स के लिए खेलेंगे

दुबई। न्यूजीलैंड पुरुष टीम के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने स्वीकार किया कि उन्होंने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के अंतर्राष्ट्रीय भविष्य के बारे में अभी तक बातचीत नहीं की है और भविष्य में उनके टीम में रहने की संभावना से इनकार नहीं किया है।

दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के लिए अपना केंद्रीय अनुबंध छोड़ने के बाद बोल्ट सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला के माध्यम से विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के लिए लौट आए।2023 वनडे विश्व कप में न्यूजीलैंड का अभियान सेमीफाइनल चरण में समाप्त होने के बाद बोल्ट बांग्लादेश में न्यूजीलैंड की आगामी दो मैचों में शामिल नहीं है जबकि, वह अबू धाबी टी10 लीग में डेक्कन ग्लेडियेटर्स के लिए खेलेंगे।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने स्टीड के हवाले से कहा, ऐसा नहीं लगता कि ट्रेंट हमारे घरेलू समर में बहुत अधिक खेलेंगे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। मुझे अभी भी उनके साथ बातचीत करने की जरूरत है।

बोल्ट इसके बाद 2024 में 19 जनवरी से 18 फरवरी तक संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आईएलटी 20 में एमआई अमीरात के लिए खेलेंगे। आईएलटी 20 महीने के दूसरे भाग में, न्यूजीलैंड को तैयारी के लिए फरवरी 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मैच भी खेलने हैं। पुरुष टी20 विश्व कप उस वर्ष 4-30 जून तक वेस्ट इंडीज और यूएसए में हो रहा है।

स्टीड ने कहा, मुझे लगता है कि इसकी पूरी संभावना है हम उसे दोबारा देखेंगे बशर्ते उसकी खेलने की इच्छा बनी रहे। मुझे लगता है कि वह अभी भी एक विश्व स्तरीय गेंदबाज है।

कोहली ने पोंटिंग को पीछे छोड़ा, रोहित ने एक संस्करण में कप्तान के रूप में सर्वाधिक रन बनाए

अहमदाबाद। भारत के बल्लेबाज विराट कोहली रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 फाइनल के दौरान एकदिवसीय विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

इसके अलावा, भारत के कप्तान रोहित शर्मा श्रीलंका के महान कुमार संगकारा को पछाड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए। जहां कोहली ने 37 पारियों में 1744 रन बनाकर पोंटिंग को पीछे छोड़ दिया, वहीं रोहित ने 28 पारियों में 1560 रन बनाकर संगकारा को पीछे छोड़ दिया। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर 44 पारियों में 2278 रन के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पोंटिंग 42 पारियों में 1743 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

इसके अलावा, रोहित ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पुरुष एकदिवसीय विश्व 2023 फाइनल के दौरान कप्तान के रूप में एक संस्करण में सबसे अधिक विश्व कप रन बनाने के मामले में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को भी पीछे छोड़ दिया। रोहित ने अपने 29वें रन के साथ विलियमसन को पीछे छोड़ते हुए उनकी 578 रन की संख्या को पार कर लिया, जो 2019 संस्करण में आया था। वह 10वें ओवर में 47 रन के स्कोर पर ग्लेन मैक्सवेल की गेंद पर आउट हो गए और अपना अभियान 597 रन के साथ समाप्त किया।

इस रिपोर्ट को लिखे जाने तक, कोहली (32*) और केएल राहुल (8*) की बल्लेबाजी के साथ भारत 15 ओवर में 97-3 रन बना चुका था।

फ्री फिलिस्तीन लिखी टी-शर्ट पहनकर पिच पर आए युवक ने कोहली को गले लगाया

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के दौरान सुरक्षा में चूक देखी गई, जब फ्री फिलिस्तीन लिखी टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति मैदान में घुस गया। भारत की पारी के चौदह ओवरों के दौरान कई युवा अप्रत्याशित रूप से पिच पर आ गए और विराट कोहली को गले लगा लिया। अहमदाबाद की अपराध शाखा सहित सुरक्षा बलों ने तुरंत हस्तक्षेप किया, घुसपैठिए को पकड़ लिया और स्टेडियम से हटा दिया। घटना के बाद खुद को ऑस्ट्रेलिया का जॉन बताने वाले व्यक्ति को चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन ले जाया गया। हिरासत में रहते हुए उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनका प्राथमिक मकसद कोहली से मिलना और फिलिस्तीन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करना था। इस बीच, भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने मेन इन ब्लू का समर्थन किया और उन्हें विश्व कप जीतने के लिए शीर्ष दावेदार बताया। उन्हें स्टेडियम में गो, इंडिया! के नारे के साथ घरेलू टीम का हौसला बढ़ाते देखा गया। गार्सेटी ने सौहार्द का प्रदर्शन करते हुए 1983 की विश्व कप विजेता टीम के सदस्यों के साथ क्रिकेट खेला और केक काटकर जश्न मनाया।

सार संक्षेप

भारतीय रग्बी टीमें पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए नहीं कर सकी क्वालीफाई

ओसाका। एशिया रग्बी क्षेत्रीय क्वालीफायर 2023 में भारतीय रग्बी पुरुष और महिला टीमें अपने-अपने मुकाबलों में मिली हार के कारण पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहीं। जापान के ओसाका में योडोको सकुरा स्टेडियम में आज खेले गये मुकाबले में भारतीय पुरुष रग्बी टीम क्लासिफिकेशन मैच में सिंगापुर पर 12-7 से जीत के साथ सातवें स्थान पर रही। भारतीय महिला रग्बी टीम प्लेट फाइनल में कजाकिस्तान से 39-0 से हार गई। ओसाका से केवल शीर्ष टीम ने पेरिस 2024 ओलंपिक में रग्बी के लिए क्वालीफाई किया, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें 2024 में अंतिम ओलंपिक क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में खेलेंगी। जापानी महिला रग्बी टीम ने फाइनल में चीन को 21-14 से हराकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। हांगकांग ने थाईलैंड को 12-0 से हराकर तीसरा स्थान पर रहा। भारतीय महिला रग्बी टीम चार-टीम पूल ई में तीसरे स्थान पर रही। टीम ने गुआम को 28-21 से हराया, लेकिन चीन ने 62-0 और हांगकांग ने 29-5 से हारकर भारत को प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। ग्रुप की शीर्ष दो टीमों ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। तीसरे स्थान पर रहे भारत ने प्लेट फाइनल में जगह बनाई जबकि गुआम ने कजाकिस्तान के खिलाफ प्लेट सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। कजाकिस्तान ने गुआम को बाहर कर दिया और फिर प्लेट फाइनल में भारत को 39-0 से हराया। इस बीच, एशियाई खेलों में भाग नहीं लेने वाली भारत की पुरुष रग्बी टीम को कठिन पूल ए में जापान से 50-0 से, चीन से 41-7 से और दक्षिण कोरिया से 43-0 से हार गया। हालाँकि, भारत ने सातवें स्थान के लिए सिंगापुर को 12-7 से हराया। भारतीय पुरुष और महिला रग्बी टीमों ने कभी भी ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी है।

जोकोविच ने सेमीफाइनल में अल्काराज को हराया, फाइनल में सिनर से भिड़ंत

ट्यूरिन। नोवाक जोकोविच ने शनिवार देर रात एटीपी फाइनल्स में कार्लोस अल्काराज़ के साथ एक साल की तनावपूर्ण लड़ाई का बेहतरीन प्रदर्शन किया, जहां विश्व नंबर 1 ने सेमीफाइनल में 6-3, 6-2 से जीत हासिल की। सर्बियाई खिलाड़ी ने लगातार गहरे प्रहार करके अपने शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी को कुछ आक्रमण के अवसर दिए और प्रत्येक सेट में अल्काराज़ की सर्विस को ब्रेक करके घरेलू पसंदीदा जानिक सिनर के साथ चैंपियनशिप-मैच की भिड़ंत तय की।

अपनी जीत के साथ, सर्बियाई खिलाड़ी रिकॉर्ड सातवीं बार प्रतिष्ठित सीज़न के फाइनल में चैंपियन बनने के एक मैच के भीतर आगे बढ़ गए। 36 वर्षीय खिलाड़ी ट्यूरिन में ग्रुप प्ले में 2-1 से पिछड़ गए, जहां उसकी एकमात्र हार उनके अगले प्रतिद्वंद्वी सिनर के खिलाफ हुई। एटीपी टूर की रिपोर्ट के अनुसार, 88 मिनट की भिड़ंत के दौरान जोकोविच ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अल्काराज के साथ चार एटीपी हेडटू-हेड भिड़ंत में अपनी तीसरी जीत दर्ज की।

इस साल जोकोविच और अल्काराज की पिछली मुलाकातों में विंबलडन के फाइनल में स्पैनियार्ड की शानदार पांच सेट की जीत और सिनसिनाटी चैंपियनशिप मैच में जीत के लिए जोकोविच का मैच प्वाइंट बचाना शामिल है। 36 वर्षीय सर्ब चैंपियनशिप मैच में ग्रुप हार का बदला लेने वाला छह साल में तीसरा खिलाड़ी बनने का प्रयास करेगा। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने खिताबी मुकाबला जीतने के लिए दानिल मेदवेदेव (2021) और जोकोविच (2018) से ग्रुप हार को पलट दिया। जोकोविच ने पहले भी एक बार यह उपलब्धि हासिल की है, उन्होंने रोजर फेडरर से ग्रुप हार के बाद वापसी करते हुए 2015 का खिताब जीता था।

कांग्रेस ने इंदिरा गांधी, मनमोहन सिंह द्वारा 1983, 2011 विश्व कप विजेता टीमों के स्वागत को साझा किया

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और मनमोहन सिंह द्वारा 1983 और 2011 विश्व कप विजेता टीमों की रिसेप्शन पार्टियों की झलकियां साझा की हैं और टीम इंडिया की रविवार को इसी तरह की जीत की कामना की।

कांग्रेस महासचिव (संचार) रमेश ने 1983 विश्व कप टीम के स्वागत समारोह में इंदिरा गांधी का लगभग दो मिनट लंबा वीडियो साझा किया और कहा, चालीस (40) साल पहले भारत ने पहली बार क्रिकेट विश्व कप जीता था। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बाद में नई दिल्ली में विजेता टीम के लिए एक स्वागत समारोह की मेजबानी की। टीम इंडिया आज एक बार फिर 1983 और 2011 को दोहराए! एक अन्य पोस्ट में उन्होंने 2011 की भारतीय क्रिकेट टीम के राष्ट्रपति प्रतिभा सिंह पाटिल और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्वागत की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने पोस्ट के साथ तस्वीरें संलग्न करते हुए कहा, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा आयोजित 2011 टीम इंडिया के स्वागत समारोह की कुछ तस्वीरें साझा कर रहा हूं। भारत ने 2023 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के लिए लगातार सभी 10 मैच जीते हैं और फ़ाइनल में पहुंची है।

सुडोकू 6381 का हल

1	5	9	6	7	3	8	2	4
2	8	7	1	4	5	3	6	9
6	4	3	2	9	8	1	5	7
7	3	6	8	2	9	4	1	5
8	2	1	5	6	4	9	7	3
5	9	4	7	3	1	6	8	2
9	1	8	4	5	7	2	3	6
3	6	5	9	8	2	7	4	1
4	7	2	3	1	6	5	9	8

कृषि जगत

पालक की खेती और उससे लाभ

पालक उत्पादन की उन्नत तकनिकी जलवायु पालक की सफलतापूर्वक खेती के लिए ठण्डी जलवायु की आवश्यकता होती है। ठण्ड में पालक की पत्तियों का बढ़वार अधिक होता है जबकि तापमान अधिक होने पर इसकी बढ़वार रूक जाती है, इसलिए पालक की खेती मुख्यत- शीतकाल में करना अधिक लाभकर होता है। परन्तु पालक की खेती मध्यम जलवायु में वर्षभर की जा सकती है। भूमि का चयन पालक की सफलतापूर्वक खेती के लिए उचित जल निकास वाली चिकनी दोमट भूमि अधिक उपयुक्त होती है। पालक की अच्छी बढ़वार के लिए यह भी ध्यान रखना चाहिए कि भूमि का पी.एच. मान 6 से 7 के मध्य हो। भूमि की तैयारी के लिए भूमि का पलेवा करके जब वह जुताई योग्य हो जाए तब मिट्टी पलटने वाले हल से एक जुताई करना चाहिए, इसके बाद 2 या 3 बार हैरो या कल्टीवेटर चलाकर मिट्टी को भूरभूरा बना लेना चाहिए। साथ ही पाटा चलाकर भूमि को समतल करें। उन्नत किस्में पालक की खेती से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए क्षेत्र विशेष की जलवायु व भूमि के अनुसार किस्मों का चयन करना भी एक आवश्यक कदम है। साथ ही पालक की सफल खेती के लिए चयनित किस्मों की विशेषताओं का भी ध्यान रखना चाहिए। पालक की खेती के लिए कुछ निम्नलिखित किस्मों में से किसी एक किस्म का चयन कर किसान अपनी आय को बढ़ा सकते हैं- ऑलग्रीन, पूसा ज्योति, पूसा हरित, पालक नं. 51-16, वर्जीनिया सेवोय, अर्ली स्मूथ लीफ आदि। बीज की मात्रा पालक की खेती के लिए खेत में पर्याप्त मात्रा में बीज की आवश्यकता होती है। अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए सही व उन्नतशील बीज का चयन करना चाहिए, जिसे विश्वसनीय दुकान से पालक बीज प्राप्त करना चाहिए। वैसे एक हे. में 25 से 30 कि.ग्रा. बीज पर्याप्त होता है। बोने का समय पालक की बुवाई करते समय वातावरण का विशेष ध्यान देना चाहिए। उपयुक्त वातावरण में पालक की बुवाई वर्ष भर की जा सकती है। पालक की फसल से अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए बुवाई जनवरी-फरवरी, जून-जुलाई और सितम्बर-अक्टूबर में की जा सकती है, जिससे पालक की अच्छी पैदावार प्राप्त होती है। यह भी पढ़ें मानसूनी वर्षा होने पर किसान यह कार्य करें, कृषि वैज्ञानिकों ने जारी की सलाह बुवाई विधि सामान्यतया पालक की बुवाई छिटकवां विधि से की जाती है। परन्तु पालक की खेती से अधिक उपज प्राप्त करने के लिए इसकी बुवाई पंक्तियों में करनी चाहिए। पालक की पंक्ति में बुवाई करने के लिए पंक्तियों व पौधों की आपस में दूरी क्रमश- 20 से 25 सेन्टीमीटर और 20 सेन्टीमीटर रखना चाहिए। पालक के बीज को 2 से 3 सेन्टीमीटर की गहराई पर बोना चाहिए, इससे अधिक गहरी बुवाई नहीं करनी चाहिए। खाद व उर्वरक पालक की खेती से अधिक लाभ व गुणवत्तायुक्त पालक प्राप्त करने के लिए खाद व उर्वरक की संतुलित मात्रा का ध्यान रखना अतिआवश्यक व एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में खाद व उर्वरक की मात्रा का निर्धारण करने के लिए सबसे पहले खेत की मिट्टी का परीक्षण करा लेना चाहिए, जिससे खेत में उपलब्ध पोषक तत्व की मात्रा ज्ञात हो जाये।

इसके बाद परीक्षण में दिये गये उर्वरक की अनुसंशित मात्रा का

ही उपयोग करना चाहिए, जिससे पालक की उत्पादन लागत कम आती है। परन्तु यदि किसी कारण से मिट्टी का परीक्षण समय पर ना हो सके तो उस स्थिति में प्रति हेक्टेयर 25 से 30 टन गोबर की अच्छी सड़ी हुई खाद, 100 किलोग्राम नत्रजन, 50 किलोग्राम स्फुर तथा 60 किलोग्राम पोटाश का उपयोग पालक की फसल में करना चाहिए। खेत में खाद व उर्वरक का प्रयोग करते समय ध्यान रखना चाहिए कि गोबर की खाद को खेत की तैयारी के समय ही अच्छी प्रकार समान रूप से बिखेर कर मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई कर मिट्टी में मिला देना चाहिए। इसके बाद स्फुर व पोटास की पूरी मात्रा तथा नत्रजन की 20 किलोग्राम मात्रा को भी खेत की अंतिम जुताई के समय खेत में एक समान रूप से फैलाकर मिट्टी में मिला देना चाहिए। तथा नत्रजन की शेष 80 किलोग्राम मात्रा को चार बराबर भागों में बॉटकर, पालक की फसल के प्रत्येक कटाई के बाद खड़ी फसल में डालनी चाहिए।

फलदार पौधों का रोपण करें

फलदार पौधों के रोपण की तैयारी करें - आम, अमरूद, पपीता, नीबू, संतरा, लेमन, बेर, कटहल, लीची एवं मुनगा आदि के खरीफ मानसून प्रारम्भ होने पर पौधरोपाण की तैयारी शुरू करें।

आम की उन्नत किस्मों - अगेती- बॉम्बे ग्रीन, मध्यम- सुन्दरजा, दशहरी, लंगड़ा, मल्लिका, तोतापरी, देर से आम्रपाली, चौसा, नीलम आदि किस्मों को आवश्यकतानुसार चयन करें। पौधा लगाते समय कतार एवं पौधों के आपस की दूरी 838 मीटर रखें और गड्ढे का आकार 13131 मी. रखें और पौधरोपण के समय प्रति गड्ढा 40 कि.ग्रा. गोबर खाद डालें। आम्रपाली एवं मल्लिका की दूरी 535 मी. रखें। **अमरूद की उन्नत किस्में** - ग्वालियर 27, इलाहाबाद सफेदा, लखनऊ 49, श्वेता, ललित आदि के गड्ढे कतार एवं पौधों की दूरी 636 मी. पर तैयार करें और पौधा लगाते समय प्रति पौधा 25 कि.ग्रा. गोबर खाद डालें। पौधा गूठी एवं कलिकायन विधि से तैयार पौधा ही लगाये गड्ढा 0.7530.7530.75 मी. आकार का तैयार करें।

संतरा की किस्म - नागपुरी सन्तरा, किन्नो।

नींबू की किस्में- कागजी नीबू, प्रमालिनी एवं लेमन की यूरेका गोल, लखनऊ सीडलेस, पन्त लेमन-1 आदि किस्मों में से चयन करें और पौधा लगाने के लिये गड्ढों की आपस की दूरी 535 मी. रखें। 0.7530.7530.75 मी. आकार के गड्ढों की खुदाई कर तैयार करें।

पपीता की उन्नत किस्म -डायोसियस-कुर्ग हनीडयू , पूसा नन्हा, पूसा ढ्वार्फ, पूसा जाइन्ट, वाशिंगटन एवं गायनोडायोसियस- पूसा डिलेसियस, पूसा मेजेस्टी सनराइज सोलो, रेडलेडी, स्कारलेट प्रिन्सेस आदि है इनके रोपण की आपस की दूरी 232 मी. रखें और गड्ढे का आकार 0.630.630.6 मी. रखें इनके बीज को थैलियों में मध्य मई अंतिम मई तक बुवाई कर दें। रोपण के समय गोबर खाद 25 कि.ग्रा., यूरिया 100 ग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट 300 ग्राम एवं म्यूरेट ऑफ पोटाश 80 ग्राम प्रति गड्ढा पौधा लगाते समय डालें।

केला की बौनी किस्में - सफेद बेलची, लाल बेलची, हरीछाल, पूवन, रसथली, बसराई, ड्वार्फ, रोबस्टा, ऊंची किस्में - चीनी, चम्पा, सोनकेला, सब्जी किस्में- बत्तीसा, हजारा, मोन्थन आदि किस्में हैं इनके लिये गड्ढे 1.831.8 मी. और 232 मी. की आपस की दूरी पर 0.630.630.6 मी. आकार के गड्ढे तैयार करें और पौधा लगाते समय गोबर खाद 20 कि.ग्रा., यूरिया 100 ग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट 300 ग्राम एवं म्यूरेट ऑफ पोटाश 80 ग्रा. प्रति पौधा लगाते समय दें।

मुनगा की उन्नत किस्में -पी. के. एम. सिलेक्शन-1, पी. के. एम.-1, पी.के.एम.-2, के एम.-1, रोहित, कोयम्बटूर आदि का पौधा मई माह में पॉलीथिन की थैली में तैयार करें ।

भिंडी-की खेती - लाभकारी सब्जी

सिंचित अवस्था में 2.5 से 3 किग्रा तथा असिंचित दशा में 5-7 किग्रा प्रति हेक्टेअर की आवश्यकता होती है। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है। भिंडी के बीज सीधे खेत में ही बोये जाते हैं। बीज बोने से पहले खेत को तैयार करने के लिये 2-3 बार जुताई करनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है। ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार की दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे से पौधे के मध्य दूरी 15-20 से.मी. रखनी चाहिए। बीज की 2 से 3 से.मी. गहरी बुवाई करनी चाहिए। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम मेन्कोजेब कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। पूरे खेत को उचित आकार की पट्टियों में बांट लें जिससे कि सिंचाई करने में सुविधा हो। वर्षा ऋतु में जल भराव से बचाव हेतु उठी हुई क्यारियों में भिण्डी की बुवाई करना उचित रहता है। **बुआई का समय**- ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में तथा वर्षाकालीन भिंडी की बुवाई जून-जुलाई में की जाती है। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।

खाद और उर्वरक- भिंडी की फसल में अच्छा उत्पादन लेने हेतु प्रति हेक्टेर क्षेत्र में लगभग 15-20 टन गोबर की खाद एवं नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की क्रमशः 80 कि.ग्रा., 60 कि.ग्रा. एवं 60 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

निराई व गुड़ाई - नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद प्रथम निंदाई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक कीटनाशकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। खरपतवारनाशी फ्ल्यूक्लरेलिन के 1.0 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व मात्रा को प्रति हेक्टेयर की दर से पर्याप्त नम खेत में बीज बोने के पूर्व मिलाने से प्रभावी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

सिंचाई- सिंचाई मार्च में 10-12 दिन, अप्रैल में 7-8 दिन और मई-जून में 4-5 दिन के अन्तर पर करें। बरसात में यदि बराबर वर्षा होती है तो सिंचाई की आवश्यकता नहीं पड़ती है ।

अधिक उत्पादन के लिए मटर की उन्नत खेती

आधुनिककाल में मटर का प्रयोग हरी अवस्था में (मटर की फलियों के रूप में) सब्जी के लिए तथा सूखे दानों का प्रयोग दाल के लिए किया जाता रहा है। दिनों-दिन मटर का उपयोग बढ़ता ही जा रहा है। इन उपयोगों के अलावा दाने वाली मटर का प्रयोग जानवरों के रातब के रूप में किया जाता है।

मटर के हरे पौधों का उपयोग जानवरों के लिए हरा चारा व हरी खाद बनाने के लिए किया जाता है। पकी हुई मटर की फलियों से भूसा और दाना दोनों ही प्राप्त हो जाते हैं। दानों का प्रयोग दाल, सूप व रोटी आदि के लिए किया जाता है तथा भूसा जानवरों का एक स्वादिष्ट भोजन होता है। पतले छिलके वाली मटर की समूची फलियों और छिली हुई हरी मटर के दानों को सुखाकर या डिब्बा बंद करके संरक्षित किया जाता है जिसका प्रयोग बाद में सब्जी बनाने के लिए किया जाता है। मटर एक पोषक तत्वों की बहुत ही धनी सब्जी होती है, जिसमें पाचनशील प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स तथा विटामिन पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें खनिज पदार्थ की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। घर में आवश्यकता के लिए थोड़ी मात्रा में काम आने की पुष्टि से और व्यवहारिक दृष्टि से भी यह अत्यधिक लाभ पहुंचाने वाली फसल है।

मटर का उत्पत्ति स्थान एवं इतिहास

वैज्ञानिकों के अनुसार विभिन्न वर्ग की मटर का जन्म स्थान भिन्न-भिन्न देश हैं। पाइसम आरवेन्स वर्ग के पौधे इटली में जंगली पौधों के रूप में पाए जाते हैं। कुछ वैज्ञानिक मटर को दक्षिण यूरोप व उत्तरी अफ्रीका के बीच भूमध्य सागर के तटवर्ती क्षेत्रों (इथोपिया) को मटर का जन्म स्थान मानते हैं।

मटर का वितरण एवं क्षेत्रफल

विश्व के विभिन्न देशों में मटर की खेती सबसे अधिक क्षेत्र पर रुस में की जाती है। विश्व के कुल उत्पादन की आधे से अधिक मटर रूस में उगाई जाती है। मटर की खेती करने वाले अन्य देशों में भारत, रूमानिया, अमेरिका, हंगरी, चैकोस्लोवाकिया, जर्मनी, कोलम्बिया, पौलेण्ड व स्पेन आदि देशों के नाम विश्व उल्लेखनीय है। विश्व में लगभग 68 लाख हेक्टेयर भूमि में मटर की खेती की जाती है। विश्व में मटर की खेती की औसत 9.22 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। भारत में मटर की खेती के अन्दर 1999-2000 में लगभग 7.96 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल एवं कुल उत्पादन लगभग 8.24 लाख टन औसत उपज 1035 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर थी। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल मटर की खेती करने वाले प्रमुख प्रांत हैं। उत्तर प्रदेश में मटर की खेती के अंतर्गत क्षेत्रफल 1999-2000 में 4.23 लाख हेक्टेयर, उत्पादन 5.86 लाख टन व औसत उपज प्रति हेक्टेयर 1385 किलोग्राम थी। उत्तर प्रदेश में मटर की खेती मुख्यत- पश्चिमी तथा पूर्वी क्षेत्रों, विशेष रुप से आगरा, गोरखपुर व फैजाबाद क्षेत्रों में की जाती है।

मटर की खेती के लिए उचित जलवायु-

मटर की फसल के लिए ठण्डी और अर्धशुष्क जलवायु की आवश्यकता होती है, इसी कारण से हमारे देश में मटर की खेती रबी की ऋतु में की जाती है। जहां पर वार्षिक वर्षा 60 से 80 सेंटीमीटर तक होती है वहां पर मटर की फसल सफलतापूर्वक उगाई जाती है। मटर के पौधों की वृद्धि के समय यदि वर्षा हो जाती है तो यह पौधों के लिए अत्यंत हानिकारक होती है। अतः मटर के पौधों को वृद्धि काल के समय कम तापक्रम की आवश्यकता होती है, परंतु फसल पर पाले का अत्यंत हानिकारक प्रभाव पड़ता है। पौधों की वृद्धि की विभिन्न आवश्यकताओं पर 55ए से 75ए तापक्रम अनुकूल होता है। मटर के पौधों को वृद्धि काल में नम और ठंडी जलवायु की आवश्यकता होती है तथा फसल के पकने के समय अपेक्षाकृत तक कुछ उच्च तापक्रम एवं शुष्क जलवायु की आवश्यकता होती है। फलियां बनने की प्रारंभिक अवस्था में उच्च तापक्रम एवं शुष्क जलवायु का हानिकारक प्रभाव पड़ता है क्योंकि फलियों में दाने भली प्रकार नहीं बन पाते और अधिक आर्द्रता वाले मौसम में मटर में चूर्णी फफूंदी रोग लगने की संभावना बढ़ जाती है परंतु जाड़े की वर्षा से असिंचित फसल को लाभ होता है। मटर दलहनी फसल होने के कारण यह सभी प्रकार की कृषि योग्य भूमियों जिनमें उपयुक्त मात्रा में नमी उपलब्ध हो,? आसानी से उगाई जा सकती है। मटर की खेती के लिए मटियार दोमट तथा दोमट भूमि उत्तम रहती है। बलुअर दोमट भूमियों में भी सिंचाई की उचित सुविधा उपलब्ध होने पर

मटर की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है।

विशेष रुप से दाने के लिए उगाई गई फसल के लिए अधिक उपजाऊ भूमि अधिक लाभदायक नहीं होती है क्योंकि अधिक उपजाऊ भूमियों में पौधों के वानस्पतिक वृद्धि अधिक होती है जिसके कारण पौधों के गिरने की संभावना बढ़ जाती है। परिणामस्वरूप फलियों तथा दानों की उपज कम प्राप्त होती है।अम्लीय तथा क्षारीय मृदा में भी फसल की अच्छी वृद्धि नहीं होती है। अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए भूमि में जलनिकास का उचित प्रबंधन होना चाहिए ताकि मृदा में वायु का आवागमन भली-भांति संपन्न हो सके। जिससे कि राइजोबियम बैक्टीरिया की क्रियाशीलता यथोचित बनी रहे तथा ज्यादा से ज्यादा मात्रा में वायुमण्डलीय नत्रजन का स्थिरीकरण हो सके।

मटर की खेती के लिए भूमि की तैयारी कैसे करें

खरीफ की फसल से खेत खाली होते ही एक गहरी जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से की जाती है। इसके बाद तीन-चार बार हैरो या देशी हल से खेत की जुताई की जाती है। बुवाई के समय भूमि में पर्याप्त नमी का होना अति आवश्यक होता है। नमी की कमी होने पर अंतिम जुताई से पहले पलेवा कर देना चाहिए।

मटर की खेती के लिए आवश्यक बीजदर की मात्रा कितनी होती है

मटर की खेती के लिए बीज दर बोने के समय व प्रयोग की जाने वाली जाति के अनुसार 60-120 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता पड़ती है। दाने वाली मटर 75-100 किलोग्राम व सब्जी वाली मटर (आर्केल, अर्ली दिसम्बर, अर्ली बैजर 100-120 किलोग्राम व बोनविले जाति का बीज 70-80 किलोग्राम) प्रति हेक्टेयर की दर से बोते हैं।

मटर की खेती के लिए बीजों का अन्तरण

मटर की खेती के लिए बीजों का अन्तरण उचित समय पर बोई गई फसल के लिए पंक्ति की दूरी 30 सेंटीमीटर एवं पौधे से पौधे की दूरी 4-5 सेंटीमीटर होनी चाहिए। इससे उपज में अच्छी वृद्धि होती है।

मटर के बीज का बीजोपचार

हमें खेतों में बीज हमेशा प्रमाणित एवं उपचारित ही बोने चाहिए। बीज को 0.25 प्रतिशत की दर से कैप्टान या थायरम से उपचारित किया जा सकता है। अच्छे परिणाम हेतु बीजों को हमेशा वीटावैक्स नामक कवकनाशी 2.5 प्रतिशत किग्रा. बीज की दर से उपचारित करना चाहिए जिससे कि रोगों से छुटकारा पाया जा सके।

मटर की खेती कब की जाती है

मटर की बुवाई करते समय भूमि में पर्याप्त मात्रा में नमी का होना अति आवश्यक है।

मटर की बुवाई का समय - उत्तरी भारत में दाल वाली मटर की बुवाई का उत्तम समय 15-30 अक्टूबर तक है। धान व कपास की फसल के खेत में बुवाई देर तक भी की जाती है।

देर से बुवाई करने पर उपज में अधिक मात्रा में कमी आ जाती है। हरी फलियों, (सब्जी) के लिए बुवाई 20 अक्टूबर से 15 नवंबर तक करना लाभदायक रहता है। विलम्ब से बुवाई करने पर वानस्पतिक वृद्धि के लिए पर्याप्त समय न मिल पाने के कारण उपज पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

मटर के बीज की बुवाई की विधि- अधिकतर बुवाई हल के द्वारा कूँडों में की जाती है। हल के द्वारा 30 सेंटीमीटर की दूरी पर कूँड तैयार कर लिए जाते हैं व कूँडों में बीज की बुवाई कर देते हैं।

मूली की खेती और उसकी किस्में

हमारे देश में मूली की खेती प्रायः सभी क्षेत्रों में की जाती है। सामान्यतः सब्जी उत्पादक कृषक सब्जियों की अन्य फसलों की मेढ़ों पर या छोटे-छोटे क्षेत्रों में मूली लगाकर आय अर्जित करते है। शीत ऋतु में भी कृषक इसकी फसल को 30 से 60 दिन में तैयार कर पुनः बोवनी कर दो बार उपज प्राप्त कर लेते हैं।यह फसल कम खर्च में अधिक उत्पादन देने वाली सलाद के लिए उत्तम हैं। जड़ वाली सब्जियों में इनका प्रमुख स्थान है। इनकी खेती सम्पूर्ण भारत वर्ष में की जाती है।

महत्व- मूली का उपयोग आमतौर पर सलाद एवं पकी हुई सब्जी के रूप में किया जाता है। इसमें तीखा स्वाद होता है, इसका उपयोग नाश्ते में दही के साथ पराठे के रूप में भी किया जाता है। इसकी पत्तियों की भी सब्जी बनाई जाती है। मूली विटामिन सी एवं खनीज तत्व का अच्छा स्त्रोत है। मूली लिवर एवं पीलिया मरीजों के लिए भी अनुसंशित है। यदि उत्पादक मूली की खेती वैज्ञानिक तकनीक से करें, तो इसकी खेती से अधिक उपज के साथ-साथ अच्छा लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इस लेख में मूली की उन्नत खेती कैसे करें का उल्लेख किया गया है।

उपयुक्त जलवायु- मूली अधिक तापमान के प्रति सहनशील है। किन्तु सुगंध विन्यास और आकार के लिए ठंडी जलवायु कि आवश्यकता होती है। अधिक तापमान के कारण जड़ें कठोर और चरपरी हो जाती है। मूली कि सफल खेती के लिए 10 से 17 डिग्री सेल्सियस तापमान सर्वोत्तम माना गया है।

भूमि चयन- मूली के उत्तम उत्पादन के लिए उचित जल निकास वाली रेतीली दोमट और दोमट भूमि अधिक उपयुक्त रहती है। मटियार भूमि मूली कि फसल उगाने के लिए अनुपयुक्त रहती है, क्योंकि इस में भूमि ऐसी जड़ों का समुचित विकास नहीं हो पाता है।

भूमि कि तैयारी- मूली की खेती के लिए गहरी जुताई कि आवश्यकता होती है, क्योंकि इसकी जड़ें भूमि में गहरी जाती है। गहरी जुताई के लिए मिटटी पलटने वाले हल से जुताई करें। इसके बाद दो बार कल्टीवेटर या देशी हल चलाएं जुताई के बाद पाटा अवश्य लगाएं, ताकि भूमि समतल और भुरभुरी हो जाये। **उन्नत किस्में**- हमारे देश के विभिन्न क्षत्रों में मूली की दो प्रकार की किस्मे उगाई जाती है, एशियन और यूरोपियन जो इस प्रकार है, जैसे- एशियन किस्में- पूसा चेतकी, जापानी सफ़ेद, पूसा हिमानी, पूसा रेशमी, जौनपुरी मूली, हिसार मूली न- 1, कल्याणपुर- 1, पूसा देशी, पंजाब पसंद, चाइनीज रोज, सकुरा जमा, व्हाईट लौंग, के एन- 1, पंजाब अगेती और पंजाब सफेद आदि प्रमुख है। **यूरोपियन किस्में**- व्हाईट आइसीकिल, रैपिड रेड व्हाईट टिपड, स्कारलेटग्लोब और फ्रेंच ब्रेकफास्ट आदि प्रमुख है। मूली की किस्मों की अधिक जानकारी के लिए यहां पढ़ें- मूली की उन्नत किस्में, जानिए उनकी विशेषताएं और पैदावार **बीज की मात्रा**- मूली के बीज की मात्रा उसकी जाति, बोने की विधि और बीज के आकार पर निर्भर करती है7 5 से 10 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर आवयक होता है। **बुवाई का समय**- मूली साल भर उगाई जा सकती है, फिर भी व्यावसायिक स्तर पर इसे सितम्बर से जनवरी तक बोया जाता है।

बुवाई की विधि

मूली की बुवाई दो प्रकार की प्रचलित विधियों से अधिक की जाती है, जैसे-

कतारों में- अच्छी प्रकार तैयार क्यारियों में लगभग 30 सेंटीमीटर की दूरी पर कतारें बना ली जाती है और इन कतारों में बीज को लगभग 3 से 4 सेंटीमीटर गहराई में बो देते हैं।

बीज उग जाने पर जब पौधों में दो पत्तियॉ आ जाती है तब 8 से 10 सेंटीमीटर की दूरी छोड़कर अन्य पौधों को निकाल देते है।

मेड़ों पर- इस विधि में क्यारियों में 30 सेंटीमीटर की दूरी पर 15 से 20 सेंटीमीटर ऊँची मेड़ें बना ली जाती है। इन मेड़ों पर बीज को 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बो दिए जाते है। बीज उग आने पर जब पौधों में दो पत्तियॉ आ जाए तब पौधों को 8 से 10 सेंटीमीटर की दूरी छोड़कर बाकी पौधों को निकाल दिया जाता है। यह विधि अच्छी रहती है। क्योंकि इस विधि से बोने पर मूली की जड़ की बढ़वार अच्छी होती हैं और मूली मुलायम रहती है।

खाद एवं उर्वरक

200 से 250 किंवटल गोबर की खाद या कम्पोस्ट, 100 किलोग्राम नाइटोजन, 50 किलोग्राम स्फुर तथा 100 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर आवयक है। गोबर की खाद, स्फुर तथा पोटाश की पूरी मात्रा और नाइट्रोजन की आधी खेत की तैयारी के समय तथा नाइटोजन की शेष मात्रा दो भागों में बोने के 15 और 30 दिन बाद देना चाहिए।

निदाई-गुड़ाई

यदि खेत में खरपतवार उग आये हों तो आवयकतानुसार उन्हें निकालते रहना चाहिए। रासायनिक खरपतवारनाशी जैसे पेन्डिमीथेलिन 30 ई सी 3.0 किलोग्राम 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 48 घंटे के अन्दर प्रयोग करने पर प्रारम्भ के 30 से 40 दिनों तक खरपतवार नहीं उगते हैं। निंदाई-गुड़ाई 15 से 20 दिन बाद करना चाहिए। मूली की खेती में उसके बाद मिटटी चढ़ा देनी चाहिए। मूली की जड़े मेड़ से उपर दिखाई दे रही हों तो उन्हें मिटटी से ढक दें अन्यथा सूर्य के प्रकाश के सम्पर्क से वे हरी हो जाती हैं।

सिंचाई एवं जल निकास

बोवाई के समय यदि भूमि में नमी की कमी रह गई हो तो बोवाई के तुरंत बाद एक हल्की सी सिंचाई कर दें। वैसे वर्षा ऋतु की फसल में सिंचाई की आवश्यकता नहीं पड़ती हैं। परन्तु इस समय जल निकास पर ध्यान देना आवयक हैं। गर्मी की फसल में 4 से 5 दिन के अन्तराल पर सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। शरदकालीन फसल में 10 से 15 दिन के अन्तर पर सिंचाई करते हैं। मेड़ों पर सिंचाई का पानी आधी मेड़ तक ही सिमित रखना चाहिए ताकि पूरी मेड़ नमीयुक्त व भुरभुरी बनी रहे।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

अंधविश्वास में डेढ़ माह के मासूम को गर्म सलाखों से दागा

घटना के बाद प्रशासन की खुली पोल

शहडोल, देशबन्धु। देश 21वी सदी में पहुंच गया है। लेकिन देश में आज भी लोग जादू-टोना और धर्म के नाम पर अंधविश्वास में ग्रसित हैं। ऐसा ही मस्तिष्क में लाखों सवाल पैदा करने वाला एक मामला शहडोल जिले में सामने आया है। यहां एक मासूम नवजात के शरीर में अंधविश्वास के चलते गरम सलाखें दाग दी गई। मासूम को शहडोल रेफर किया गया है। बालक एसएनसीयू में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है।

इस घटना के बाद प्रशासन के तमाम दावों की पोल खुल गई है। लगातार जिला प्रशासन इस पर ग्रामीण अंचलों में लोगों को जागरूक करने के कई दावे जरूर करता है, लेकिन तमाम दावे कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी अब सवाल खड़े होने लगे हैं। डेढ़ माह के मासूम को सांस लेने और पेट फूलने की समस्या हुई, तो परिजनों ने अंधविश्वास के फेर में उसे 51 बार गर्म सलाखों से दगवा दिया। शिशु के पेट, सिर, माथा, पैर और कंधे में सलाखों से दागा गया है। बालक की हालत बिगड़ी, तब परिजन इलाज के लिए उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां गंभीर हालत को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज, शहडोल रेफर कर दिया गया। बालक एसएनसीयू में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है।

जानकारी के अनुसार हरदी निवासी प्रेमलाल बैगा के डेढ़ माह के बेटे प्रदीप को गर्म सलाखों से दागा गया। मासूम प्रदीप बैगा को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी।

नजदीकी अस्पताल में इलाज की कोई सुविधा न मिलने पर परिजनों ने अंधविश्वास का सहारा लिया और मासूम को राहत पहुंचाने के लिए उसके पेट, सिर, माथा, पैर और कंधे को गर्म सलाखों से दगवा दिया। हरदी गांव में सीएचओ एवं एएनएम की पदस्थापना है, लेकिन सही समय पर मासूम की मॉनिटरिंग न होने की वजह से उसे दिक्कत बढ़ी तो परिजनों ने उसे दागवा दिया, जिसकी वजह से अब उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

उप स्वास्थ्य केंद्रों में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता की यह जवाब देही बनती है कि छह माह तक के मासूम की हर हफ्ते मॉनिटरिंग कर उन्हें दिक्कत होने पर उपचार दिया जाए और उप स्वास्थ्य केंद्र में अगर मासूम को उपचार की सुविधा न हो तो हायर सेंटर में उसे रेफर भी किया जाए।

जमीन के विवाद में दबंगों ने युवक को उतारा मौत के घाट

सिहोरा, देशबन्धु। सिहोरा थानाक्षेत्र के ग्राम महगवां में एक दबंग ने अपने दो पुत्रों के साथ मिलकर युवक को मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद से पूरे गांव में दहशत का माहौल है, साथ ही मृतक के परिजनों में आक्रोश पनप रहा है। पुलिस भी गांव में मौजूद है, ताकि किसी प्रकार के विवाद की स्थिति न बने।

पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरु कर दी है। एसडीओपी पारुल शर्मा ने बताया कि महगवां में रहले वाले 36 वर्षीय विजय मिश्रा का गांव में ही रहने वाले

डंडे-लाठी से हमला

बुद्ध पटेल से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जिससे आए दिन दोनों के बीच में वाद-विवाद होता रहता था। बीती शाम 5 बजे भी दोनों के बीच जमीन की बात को लेकर बहस हुई और फिर गाली-गलौज होने लगी। देखते ही देखते बुद्ध और उसके दोनों बेटों विजय पर डंडे-लाठी से हमला कर दिया।

घटना में विजय को गंभीर चोटें आईं और उसे उपचार के लिये बेसुध हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि आरोपी के भागने से पहले ही उन्हें दबोच लिया गया है।

बांधवगढ़ में आदिवासी महिला सीएचओ से चुनाव ड्यूटी के दौरान छेड़छाड़

सेक्टर मजिस्ट्रेट पर केस दर्ज

उमरिया, देशबन्धु। उमरिया से बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन ड्यूटी के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट द्वारा आदिवासी महिला सीएचओ से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि सेक्टर मजिस्ट्रेट ने बीमारी का बहाना बनाकर महिला सीएचओ को अपने पास बुलाया था। जानकारी के अनुसार उमरिया जिले के बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र 89 के आकाशकोट इलाके में सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में एसडीओ पीआईयू पंकज गुप्ता को नियुक्त किया गया था। उनके सेक्टर में पांच पोलिंग बूथ पठारी कला, धवईझर, माली और तुम्मादर शामिल थे। इसी क्षेत्र में ग्राम बड़वार में पदस्थ 25 वर्षीय आदिवासी महिला सीएचओ निवासी थाना मानपुर क्षेत्र की डियूटी मेडिकल सुविधा के लिए लगाई गई थी। इसी दौरान पंकज गुप्ता ने बीमारी का बहाना बना कर महिला सीएचओ को बुलाया और छेड़खानी की। इस घटना की शिकायत पर सेक्टर मजिस्ट्रेट के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

बताया जा रहा है कि 17 नवंबर को मतदान के दौरान दिन में लगभग ढाई बजे पोलिंग बूथ तुम्मादर में सेक्टर मजिस्ट्रेट पंकज गुप्ता ने एएनएम को फोन कर बुलाया। फिर कहा कि हमारी तबीयत खराब लग रही है, हमको दवा चाहिए। जबकि सीएचओ पोलिंग बूथ क्रमांक 160 पठारी कला में थीं। फोन आते ही वह तत्काल तुम्मादर पहुंचीं, जहां पोलिंग बूथ के बगल वाले कमरे में सेक्टर मजिस्ट्रेट पंकज गुप्ता लेटे हुए थे। उन्होंने कहा कि हम मोबाइल में दवा सर्च किए हैं, इसको देख लो। सेक्टर मजिस्ट्रेट के इतना कहने पर वह जैसे ही मोबाइल देखने को झुकीं तो एसडीओ पंकज गुप्ता सेक्टर मजिस्ट्रेट ने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ कर अपनी तरफ खींच लिया। तब महिला सीएचओ किसी तरह अपने आप को छुड़ा कर वहां से चिल्लाते हुए बाहर की तरफ भागीं। फिर अपने साथी सीएचओ संजीव उइके को फोन से सूचना दी। इसके बाद संजीव द्वारा तत्काल सीएमएचओ डॉक्टर आरके मेहरा को खबर दी गई। खबर मिलते ही सीएमएचओ तुम्मादर पहुंचे और सीएचओ को अपनी गाड़ी से उमरिया ले आए। टीआई कोतवाली राजेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि पीड़िता ने सारी घटना बताई। उसके बाद कोतवाली थाने में अपराध क्रमांक 647 पर धारा 354 आईपीसी और एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

सतना में ऑनर किलिंग की आशंका, प्रेमिका से मिलने गए युवक की सिर कटी लाश बरामद

सतना, देशबन्धु। अमरपाटन थाना क्षेत्र के ग्राम ककरा में पॉवर हाउस के पास बगीचे में 16 नवंबर को सिर कटी लाश मिली थी। बगीचे में धड़ मिला था। उसकी शिनाख्त रीवा जिले के वनकुइयां मार्ग पर स्थित ग्राम जैरुका निवासी शैलेन्द्र तिवारी पिता रामचरित तिवारी (23) के तौर पर हुई है। वह 15 नवंबर की शाम प्रेमिका से मिलने घर से निकला था लेकिन लौटा नहीं। उसके फोन पर भी परिजनों का संपर्क नहीं हो पा रहा था। परिजनों ने आसपास के इलाकों में तलाश की। जब पता नहीं चला तो गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखाने जा रहे थे। सोशल मीडिया पर शव की तस्वीरें सामने आ गई। परिजन ककरा पहुंचे और उन्होंने शव देखा तो कपड़ों और मृतक के हाथ मे बने टैटू के निशान को देखकर उसकी पहचान की। उन्होंने पुलिस को शैलेन्द्र के किसी दोस्त से मिलने के लिए घर से जाने और लौटकर वापस न आने के बारे में जानकारी दी।

अमरपाटन पुलिस मृतक के दोस्तों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। इस बीच सतना एसपी आशुतोष गुप्ता ने एक टीम गठित की है, जिसमें साइबर एक्सपर्ट को भी शामिल किया गया है। जांच में रीवा पुलिस की भी मदद ली जा रही है। पुलिस सिर काट कर विभत्स हत्या करने और सिर साथ ले जाने की पहेली को सुलझाने की कोशिश कर रही है। अभी तक मृतक के सिर और हाथ का सुराग नहीं लग सका है। पोस्टमॉर्टम के बाद भी परिजनों ने बिना सिर के शव लेने से इनकार कर दिया है।

परिजनों ने थाना घेरा

शैलेन्द्र तिवारी के परिजनों का आरोप है कि वह अपनी प्रेमिका से मिलने गया था। पुलिस को भी प्रेम प्रसंग में हत्या की आशंका है। परिजन अमरपाटन थाने पहुंचे। वहां हत्या का आरोप लगाते हुए उन्होंने कई लोगों के नाम बताए। उसकी प्रेमिका का नाम भी पुलिस को बताया। कार्रवाई की मांग को लेकर देर रात परिजनों ने अमरपाटन थाने में घेराव किया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर कुछ आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। मामले की जांच एसडीओपी अमरपाटन कर रहे हैं।

भिंड जिले के अटेर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 71-किशुपुरा नंबर-3 में पुनर्मतदान के आदेश

अमिट स्याही बायें हाथ की मध्यमा अंगुली में लगायी जाएगी

जबलपुर, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग ने भिंड जिले के 09- अटेर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 71-किशुपुरा नंबर-3 में 21 नवम्बर (मंगलवार) को पुनर्मतदान के आदेश दिए हैं।पुनर्मतदान 21 नवम्बर (मंगलवार) को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। 21 नवम्बर को मॉकपोल सुबह 5-30 बजे प्रारंभ होगा। इसके लिए मतदान दल सामग्री सहित 20 नवम्बर को रवाना होंगे। पुनर्मतदान में अमिट स्याही मतदाताओं के बायें हाथ की मध्यमा अंगुली में लगायी जाएगी।भारत निर्वाचन आयोग ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, भिंड को पुनर्मतदान कराने के पूर्व मतदान दल के पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों को विधिवत् प्रशिक्षण भी देने के निर्देश दिए हैं।

पुनर्मतदान की सूचना समस्त अभ्यर्थियों एवं राजनीतिक दलों को अनिवार्य रूप से देने एवं मतदान केंद्र के क्षेत्र में डोंडी (मुनादी) पिटवाकर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी भारत निर्वाचन आयोग ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, भिंड और रिटर्निंग आफिसर 09- अटेर विधानसभा क्षेत्र को दिए हैं।

रहली से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल की गाड़ियों में तोड़फोड़, तीन घायल

सागर, देशबन्धु। सागर जिले की रहली विधानसभा क्षेत्र के गढ़ाकोटा के गुंजौरा तिराहे पर कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल और उनके समर्थकों का शनिवार शाम स्थानीय लोगों से विवाद हो गया। इसके बाद मोहल्ले के लोगों ने उनकी की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। हमले में तीन लोगों को चोटें आई हैं। इनमें से एक घायल को सागर रेफर कर दिया गया है।

विवाद के बाद क्षेत्र में तनाव

विवाद के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। मौके पर कलेक्टर दीपक आर्य व एसपी अभिषेक तिवारी भी पहुंच गए। एहतियात के तौर पर वहां सौ से अधिक पुलिस के बल को तैनात किया गया है।

हमले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उपद्रवी तत्व हाथों में डंडे लेकर गाड़ियों में तोड़फोड़ करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इनमें महिलाएं भी शामिल हैं। दरअसल, शनिवार शाम करीब साढ़े पांच बजे रहली से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल, पिछले दिनों ही भाजपा से कांग्रेस में आए मिंटू चौरा व अन्य समर्थकों के साथ गुंजौरा चौराहे पर अपने समर्थक के घर गई थीं। उनके साथ करीब चार गाड़ियों में अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता भी मौजूद थे। इसी दौरान वहां पर मोहल्ले वालों से किसी बात पर विवाद हो गया। इसके बाद घर के बाहर खड़े चार पहिया वाहनों में स्थानीय लोगों ने लाठी, डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए कुछ कांग्रेसियों को भी पीटा गया। काफी देर तक हमलावर गाली गलौच करते हुए तोड़फोड़ करते रहे। ज्योति पटेल ने घर के अंदर भाग कर अपनी जान बचाई।

खड़ी मोटर सायकिल को चालू करते समय लगी आग

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर जिले के छत्रसाल चौराहे में एक खड़ी बाइक में आग लगने का मामला सामने आया है। इससे बाइक पल भर में धू-धू कर जलने लगी। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड ने आग को बुझाया। तब तक बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो गई थी।

जानकारी के मुताबिक, घटना शनिवार देर रात शहर के छत्रसाल चौराहे की है। जहां बाइक चालक और प्रत्यक्षदर्शी शिवम पटेल ने बताया कि वह झमटुली बर्द्वहा का रहने वाला है। वह उसके दो साथियों सुखलाल प्रजापति और मनोज पटेल के साथ छतरपुर स्थित मनोज के कमरे पर बाइक से जा रहे थे। तभी वह रास्ते में बंद हो गई, जिसे वह चालू कर रहे थे। लेकिन वह चालू नहीं हो रही थी।

इसी बीच एक अंकल आए, उन्होंने बाइक चालू करने के लिए अलग-अलग प्रयोग किए। तेल की पाइप निकाली, चोक दबाई और प्लग निकाला। इस दौरान बाइक की टंकी से पेट्रोल भी गिर गया। बाइक चालू की तो उसमें चिंगारी से आग लग गई। हम लोग बुझाना चाह रहे थे, तौलिया से भी बुझाया पर नहीं बुझी। आग ने भयानक रूप ले लिया तो हम लोग दूर भाग खड़े हुए। शिवम ने बताया कि बाइक उनकी नहीं है किसी और व्यक्ति की छतरपुर तक मांगकर लाए थे। हम तीनों और अब उसमें आग लग गई है। एक तो बाइक हमारी नहीं दूसरे की है और वह भी जल गई।

टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कान्हा मैराथन का आयोजन 26 को

बालाघाट, देशबन्धु। इसी सप्ताह में हमने दिवाली का आनंद लिया है। इसके बाद हमने लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भूमिका निभाई है। अब जिला प्रशासन और जिला पुरातत्वए पर्यटन व संस्कृति परिषद द्वारा नेशनल पार्क कान्हा के लिए पहला नवाचार कर एक अनोखी शुरुआत कर रहा है। इसकी तैयारियां भी जबरदस्त तरीके से प्रशासन द्वारा तमाम व्यस्तताओं के बावजूद की जा रही है। प्रदेश में इस तरह के आयोजन की बात करें तो पाते है कि अब तक प्रदेश में नेशनल पार्क व प्रकृति प्रेम के प्रति प्रेरित करने के लिए कभी ऐसा आयोजन नही हुआ है। लेकिन जिला प्रशासन और पुरातत्व, पर्यटन व संस्कृति परिषद बालाघाट की पहल पर युवाओं व हर वर्ग के लिए ऐसा अवसर लाया है। 26 नवम्बर को आयोजित हो रही मैराथन 5 किमी,10 किमी और 21 किमी के लिए होगी। 24 नवंबर तक इस आयोजन में सहभागिता कर सकते है। इस आयोजन में पंजीयन की बात करें तो न सिर्फस्थानीय नागरिकों ने बल्कि बालाघाट से लगे प्रदेश के अन्य लोगों ने भी इसमें अपनी उत्सुकता दिखाई है। कान्हा मैराथन के लिए अब तक सबसे अधिक पंजीयन मप्र के 946, महाराष्ट्र के 30, उत्तरप्रदेश के 28, बिहार व छत्तीसगढ़ के 6-6 और अंडमान निकोबार से 1 व्यक्ति ने मैराथन में उत्सुकता दिखाई है। यह मैराथन मुक्की गेट कान्हा से प्रारंभ होकर मंजीटोला, बम्हनी चौक से खापा गेट तक पहुचेगी।

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर	- रु. 88
मीडियम ब्रॉयलर	- रु. 106
छोटा ब्रॉयलर	- रु. 116

मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा	- रु. 120
मुर्गा मीडियम	- रु. 110
मुर्गा बड़ा	- रु. 92
मुर्गा जम्बो	- रु. 82

मो.-9039925000, 9425800409